मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.4	26.8
जमशेदपुर	33.1	24.4
डालटनगंज	35.0	25.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 25 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 8 ● वर्ष : 2, अंक : 167 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

जस्टिस राव आज लेंगे झारखंड के चीफ जस्टिस पद की शपथ

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के नवनियुक्त चीफ जस्टिस एमएस राम चंद्र राव मंगलवार को सेवा विमान से रांची पहुंच गए. वह नए चीफ जस्टिस के रूप मे बुधवार को शपथ लेंगे. राजभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे. बता दें कि शनिवार को राष्ट्रपति ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में लिए गए निर्णय पर मुहर लगाते हुए जस्टिस एमएस राम चंद्र राव को झारखंड हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किए जाने की अधिसूचना जारी कर दी थी. मंगलवार को रांची एयरपोर्ट पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर नए चीफ जस्टिस का स्वागत किया गया. इस दौरान राज्य के कई वरीय पदाधिकारी भी एयरपोर्ट पर मौजूद थे.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,100
चांदी (किलो)	92,000

ब्रीफ खबरें

अब एशिया का तीसरा सुपरपावर बना भारत

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी द्वारा जारी एशिया पावर इंडेक्स रैंकिंग में भारत महत्वपूर्ण स्थान पर पहुंच गया है. भारत, अमेरिका और रूस के बाद तीसरी महाशक्ति बन गया है. भारत ने रूस और जापान को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर कब्जा जमाया है. भारत का स्कोर 39.1 है, जबकि जापान का 38.9 है, जिससे वह चौथे स्थान पर है.वहीं चीन की आर्थिक और सैन्य वृद्धि जारी है, लेकिन उसकी शक्ति स्थिर हो गई है.

हरिनी अमरसूर्या बनीं श्रीलंका की नई पीएम

कोलंबो। हरिनी अमरसूर्या ने मंगलवार को श्रीलंका की नई पीएम के रूप में शपथ ली है. इसके साथ ही वह सिरीमावो भंडारनायके के बाद पीएम बनने वाली दूसरी महिला बन गई हैं. एनपीपी की 54 वर्षीय नेता अमरसूर्या को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने शपथ दिलाई. दिसानायके ने स्वयं सहित चार सदस्यों का मंत्रिमंडल नियुक्त किया है. अमरसूर्या को न्याय, शिक्षा, श्रम, उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य तथा निवेश मंत्रालयों का कार्यभार सौंपा गया है.

मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतरे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में न्यू मयनागुड़ी स्टेशन के पास मंगलवार को एक मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतर गए. इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद रेल सेवाओं में किसी तरह की बाधा उत्पन्न होने की खबर नहीं है. चश्मदीदों ने बताया कि घटना के समय मालगाड़ी की रफ्तार काफी धीमी थी, इसलिए इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा.

सीएम हेमंत सोरेन ने की इटखोरी भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना, बोले

बकाए का ब्याज ही मिल जाए तो राज्य की तकदीर बदल दूंगा

मुख्यमंत्री ने इटखोरी में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 841 करोड़ की 702 योजनाएं चतरा और कोडरमा के लिए जारी कीं

विशेष संवाददाता। रांची/चतरा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को चतरा के इटखोरी स्थित मां भद्रकाली की पावन धरती पर मंगलवार को आयोजित आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम में लगभग 841 करोड़ की 702 विकास योजनाएं चतरा एवं कोडरमा जिले को समर्पित किया. इस मौके पर उन्होंने लगभग 5 लाख लाभुकों के बीच 736 करोड़ रुपए से ज्यादा की परिसंपत्तियों एवं पोषण सखियों के बीच नियुक्ति पत्र का भी वितरण किया. इससे पूर्व उन्होंने भद्र काली मंदिर में पूजा-अर्चना की. इस मौके पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, बन्ना गुप्ता, विधायक उमा शंकर अकेला सहित कई नेता मौजूद थे.

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे विपक्ष के लोग मंईयां योजना के काट में कोई योजना लाने वाले हैं. ये बस चुनावी जुमला है. 20 सालों तक इन लोगों ने राज किया. जब डबल इंजन की सरकार थी तब कोई कोरोना नहीं था. कोई महामारी नहीं थी, लेकिन उस समय लोग हाथ में राशन कार्ड लेकर भात-भात करते करते मर गये. आज तक आपने क्यों नहीं कुछ किया.

आज टार्च लेकर ढूंढ़ने से कोई नहीं मिलेगा, जिसे पेंशन न मिल रही हो

उन्होंने कहा कि हमने जब 2019 में सरकार बनाई, तभी हमने कहा था कि हमारी सरकार रांची हेडक्वार्टर से चलने वाली सरकार नहीं है. ये सरकार गांव से चलने वाली सरकार है. हम जगह-जगह घूम कर यही देखना चाह रहे हैं कि सरकार के लोग आपके दरवाजे तक पहुंच रहे हैं या नहीं. पहले हमारे बूढ़े बुजुर्ग पेंशन के लिए दलालों के चक्कर लगाते थे. लेकिन आज टॉर्च लगा कर ढूंढ़ने से भी कोई ऐसा नहीं मिलेगा, जिसको पेंशन नहीं मिलती है. हमारे विपक्ष के लोग बोलते हैं कि मंईयां योजना सरकार बनते समय क्यों नहीं लागू की. अभी चुनाव आया तो क्यों लागू किया. अब इनको कौन बताए कि जैसे ही सरकार बनी, वैसे ही कोरोना काल आ गया. सब कुछ बंद था.

अगर मैं जेल के बाहर होता तो 14 की 14 सीट हमारी होती

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पर झूठा आरोप लगाया. आखिरकार हम लोकसभा चुनाव में शामिल न हो पाएं, तो हमें जेल में डाल दिया. 14 में 12 सीट पहले लेकर आए थे.अब नौ सीट पर आ गये. अगर मैं बाहर होता तो इनसे 14 की 14 सीट ले लेता. फिर भी हमारी राज्य की जनता ने इन्हें करारा जवाब दिया. मंईयां योजना के खिलाफ ये लोग कोर्ट चले गये हैं. इनके पास बड़े-बड़े बुद्धिमान लोग हैं. जज- वकील इनके दोस्त हैं.

आज हमारे विपक्षियों में खलबली मची हुई है. हम सरकार की कार्यायोजना को लेकर पूरे राज्य के कोने-कोने में भटक रहे हैं और ये लोग कैसे चुनाव में वोट खरीदेंगे इसके लिए मंडरा रहे हैं. देश का बड़ा-बड़ा मंत्री, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, एक दर्जन मुख्यमंत्री पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड में मंडरा रहे हैं. इस सोने की चिड़िया पर कब्जा करने के लिए इन व्यापारियों की पूरी ताकत लगी हुई है.

बकाया लेने दिल्ली जाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र के पास हमारा एक लाख 36 हजार करोड़ बकाया है. हम लोग मांगते हैं, तो कभी एक करोड़ कभी दो करोड़ दे रहे हैं. सोमवार को ही हमने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है .केंद्र सरकार ने हमारा पैसा दबा कर रखा हुआ है. अगर आज भी हमको उस पैसे का ब्याज दे दें, तो हम मंईयां सम्मान योजना की राशि एक हजार से बढ़ा कर दो हजार कर देंगे. इस चुनाव के बाद तैयारी कर लो हम सब लोग मिल कर अपना पैसा लेने दिल्ली जाएंगे.

भगवान राम ने इन्हें सबक सिखाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदू मुस्लिम, अगड़ा-पिछड़ा करके ये लोग चुनाव लड़ते हैं. इन्होंने भगवान को भी नहीं बख्शा. यही कारण है कि भगवान राम ने भी इनको सबक सिखाया. हम गरीब गुरबा को ताकत देने का काम कर रहे हैं, तो इनको तकलीफ हो रही है. हमने 200 यूनिट बिजली फ्री कर दी. बिजली का बकाया भी हमने माफ कर दिया है. हम योजनाएं गिनानी शुरू करें, तो सुबह से शाम हो जाएगी.

ममता बनर्जी की वजह से ही झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ

भाजपा का पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप

प्रमुख संवाददाता। रांची/बोकारो

भाजपा ने आरोप लगाया है कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की वजह से हो रही है. पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बोकारो में यह आरोप लगाया है. बोकारो के बलियापुर और चंदनकियारी में भाजपा की परिवर्तन सभा में हिस्सा लेने पहुंचे शुभेंदु ने बोकारो एयरपोर्ट पर कहा कि ममता बनर्जी को सिर्फ अपने वोट की चिंता है. साल 2022 में ही केंद्रीय गृह मंत्रालय के स्तर पर बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड के साथ बैठक हुई थी. ममता बनर्जी को बताया गया है कि बांग्लादेश से लगी सीमा पर 72 ऐसे जगह हैं जहां बीएसएफ को फेंसिंग का काम पूरा करने के लिए जमीन की जरूरत है, लेकिन ममता बनर्जी ने तुष्टीकरण के लिए ऐसा नहीं होने दिया. वह जमीन मुहैया नहीं करा रही हैं.

घुसपैठियों के कारण झारखंड और संस्कृति खतरे में : शुभेंदु अधिकारी ने कहा पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों की आबादी 35 प्रतिशत हो गई है. झारखंड भी खतरे में है. यहां की संस्कृति खतरे में है. बॉर्डर पर जमीन के लिए एमएचए ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. कहा कि झारखंड में करीब 90 लाख लोग बांग्लाभाषी हैं. उनका 90 प्रतिशत वोट कमल को पड़ेगा. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि त्रिपुरा चुनाव में बांग्ला समाज ने भाजपा को चुनाव जिताया. छत्तीसगढ़ में भी 11 सीटों पर बांग्लाभाषी का प्रभाव है. सबने भाजपा का साथ दिया. झारखंड में डबल इंजन की सरकार की जरूरत है. अगर ऐसा नहीं हुआ तो आने वाले समय में सनातन और आदिवासी संस्कृति खतरे में पड़ जाएगी.

परिवर्तन यात्रा के समापन समारोह में शामिल हो सकते हैं पीएम मोदी

रांची। झारखंड प्रदेश भाजपा की परिवर्तन यात्रा जारी है. इस परिवर्तन यात्रा के दौरान पांच हजार किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर एक करोड़ से अधिक लोगों से मिलने का लक्ष्य रखा गया है. जो सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजर रही है. इसका समापन कार्यक्रम रांची के प्रभात तारा मैदान में आयोजित करने की तैयारी चल रही है. जानकारी के अनुसार परिवर्तन यात्रा के समापन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो सकते हैं. इसके लिए प्रदेश भाजपा ने पीएम के शामिल होने के लिए अनुरोध भी भेजा है. बताते चलें कि 20 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की थी. इससे पहले पीएम मोदी 15 सितंबर को जमशेदपुर में कई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया था.

झारखंड का माहौल परिवर्तन के पक्ष में है : शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि झारखंड का माहौल परिवर्तन के पक्ष में है. झामुमो के पुराने साथी चंपाई सोरेन भी भाजपा के साथ आ गए हैं. कहा कि इंडिया गठबंधन के सत्ता में आने से झारखंडी संस्कृति खतरे में पड़ जाएगी. दावा किया कि झारखंड के बाद पश्चिम बंगाल में इस बार भाजपा की सरकार बनेगी.

खत्म हुए तीन कृषि कानून वापस लाए जाएं: कंगना

कांग्रेस ने किया विरोध, कहा: अब वो कभी वापस नहीं होंगे

एजेंसियां। शिमला

हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा की सांसद कंगना रनौत ने मांग की है कि उन 3 कृषि कानूनों को दोबारा लाना चाहिए, जिन्हें केंद्र सरकार ने भारी विरोध के बाद वापस ले लिया था. कंगना ने कहा कि तीनों कानून किसानों के हित में थे और उन्हें खुद इसे वापस लाने की मांग करनी चाहिए. अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाली कंगना ने कहा है कि हो सकता है कि उनकी इस बात पर विवाद हो, लेकिन इसे लागू करना चाहिए. कंगना ने मंडी के नाचन विधानसभा में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और सदस्यता अभियान में हिस्सा लिया. इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए रनौत ने जो कुछ कहा उस पर एक बार फिर विवाद हो सकता है, जिसकी शुरुआत कांग्रेस के विरोध के साथ हो चुका है.

सबसे पहले हरियाणा जवाब देगा: कांग्रेस : देश की मुख्य विपक्षी पार्टी ने कंगना रनौत के बयान पर आपत्ति जताई है. कांग्रेस ने एक्स पर कहा, किसानों पर लादे गए 3 काले कानून वापस लानेचाहिए. भाजपा की सांसद कंगना रनौत ने यह बात कही है. देश के 750 से ज्यादा किसान शहीद हुए, तब जाकर मोदी सरकार की नींद टूटी और ये काले कानून वापस हुए. अब भाजपा फिर से इन कानून की वापसी का प्लान बना रही है. कांग्रेस किसानों के साथ है. इन काले कानूनों की वापसी अब कभी नहीं होगी, चाहे नरेंद्र मोदी और उनके सांसद जितना भी जोर लगा लें. कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि जिन तीन काले किसान विरोधी कानूनों की मुख़ालिफत करते 750 से ज़्यादा किसान शहीद हो गए, उनको दोबारा से लाने की कोशिश की जा रही है. हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे. सबसे पहला जवाब हरियाणा देगा. -शेष पेज 07 पर

राज्य में दिखेगा साइक्लोन का असर

रांची। बंगाल की खाड़ी में बन रहे निम्न दबाव क्षेत्र का असर राज्य में देखा जाएगा. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बंगाल की खाड़ी में दो साइक्लोन सक्रिय हैं, जिसका असर राज्य में दिखेगा. इससे 29 सितंबर तक राज्य में बारिश की संभावना है. इसमें 25 सितंबर को राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से में भारी बारिश की संभावना है, जबकि 26 - 27 को राज्य के उत्तर पूर्वी और मध्य हिस्से में बारिश की संभावना है. इसमें दुमका, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज, गिरिडीह, हजारीबाग, बोकारो, रामगढ़, रांची, गुमला, खूंटी, लोहरदगा समेत कुछ अन्य जिले शामिल हैं. इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. इसके साथ ही दक्षिण पश्चिम मॉनसून की वापसी शुरू हो गई है. साइक्लोन के असर से राज्य के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी, जिससे धीरे-धीरे लोगों को सुबह और शाम के वक्त ठंड का एहसास होगा.

- कुछ जिलों में 29 तक बारिश की संभावना

हाईकोर्ट से लगा कर्नाटक के सीएम को तगड़ा झटका, राज्यपाल ने दी थी मंजूरी

जमीन घोटाले में चलेगा सिद्धारमैया पर केस

एजेंसियां। बेंगलुरु

कर्नाटक के सीएम एम सिद्धारमैया पर जमीन घोटाले के मामले में केस चलेगा. राज्यपाल ने इसके लिए मंजूरी दी थी, जिसके खिलाफ सिद्धारमैया ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी. हाईकोर्ट ने मंगलवार को सिद्धारमैया की अर्जी को खारिज कर दिया और राज्यपाल की ओर से दी गई मंजूरी को सही करार दिया.

मैसुरु अर्बन डिवेलपमेंट अथॉरिटी (मुदा) के प्लॉटों के आवंटन में घोटाले का आरोप है, जिसमें सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने दी थी. इसके खिलाफ सिद्धारमैया हाईकोर्ट गए थे. उनकी अर्जी पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने कहा कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत की ओर से केस चलाने की मंजूरी नियमों के तहत दी गई. इस मामले में ऐक्टिविस्ट टीजे अब्राहम, एस कृष्णा और प्रदीप कुमार एसपी ने शिकायत दर्ज कराई थी.

जस्टिस नागप्रसन्ना ने कहा कि आमतौर पर राज्यपाल मंत्री परिषद की सिफारिश पर ही कोई निर्णय लेते हैं, लेकिन संविधान उन्हें विशेष परिस्थितियों में स्वतंत्र निर्णय लेने की भी परमिशन देता है. अदालत ने कहा कि इस मामले में शिकायत पर फैसला लेना जरूरी था. अदालत ने कहा कि यह मामला ऐसे ही अपवाद और विशेष स्थिति का है. बेंच ने कहा कि गवर्नर के फैसले में कोई भी गलती नहीं लगती है.

हाईकोर्ट ने कहा कि हमारे आदेश के साथ ही निचली अदालत की ओर से आनेवाला कोई अंतरिम आदेश भी निष्प्रभावी हो जाएगा. दरअसल इस मामले की सुनवाई सिद्धारमैया की अर्जी पर निचली अदालत में भी चल रही थी. अब हाईकोर्ट के फैसले के बाद वह केस खत्म हो गया है. दरअसल राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को प्रिवेंशन ऑफ करप्शन ऐक्ट के सेक्शन 17ए के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी दी थी. -शेष पेज 07 पर

अब क्या हैं सिद्धारमैया के पास विकल्प

सिद्धारमैया डबल बेंच में अपील कर सकते हैं. उनसे जुड़े सूत्रों की मानें तो इसकी तैयारी हो रही है. डबल बेंच में जाने पर इस पिटीशन की सुनवाई पूरी होने तक निचली अदालत में सुनवाई पर रोक लगाने की अपील की जा सकती है. अगर डबल बेंच याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लेती है तो सिद्धारमैया को राहत मिल जाएगी. सीएम कैंप ने ये साफ कर दिया है कि अगर डबल बेंच से भी राहत नहीं मिली, तो सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा और तब तक सिद्धरामैया इस्तीफा देने के मूड में नहीं हैं.

अपनी याचिका में सिद्धरमैया ने कहा था

सिद्धरमैया ने 17 अगस्त को गवर्नर की ओर से जारी आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच की अनुमति और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 218 के अनुसार अभियोजन की स्वीकृति दी गई थी. धारा 17ए सार्वजनिक अधिकारियों की ओर से आधिकारिक कार्यों या कर्तव्यों के निर्वहन में किए गए अनुशंसाओं या निर्णयों से संबंधित अपराधों की जांच के लिए है. मुख्यमंत्री की याचिका में दावा किया गया था कि स्वीकृति का आदेश बिना उचित विवेचना के जारी किया गया, जो विधिक आवश्यकताओं का उल्लंघन करता है और संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत मंत्रिपरिषद की सलाह भी शामिल है, जो बाध्यकारी है. यह भी कहा गया कि स्वीकृति का विवादित आदेश दुर्भावना से भरा है और राजनीतिक कारणों से कर्नाटक की निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने के लिए एक संगठित प्रयास का हिस्सा है.

नया फरमान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने जारी किया आदेश- होटलों में सीसीटीवी और मास्क-ग्लब्स भी जरूरी

अब से खाने-पीने की हर दुकान पर लिखना होगा मालिक का नाम

संवाददाता। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सभी खाने-पीने की दुकान, ढाबे, होटल और रेस्टॉरेंट्स पर अब मालिक और मैनेजर का नाम लिखना भी अनिवार्य होगा. सीएम योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. हाल ही में सामने आई विभिन्न घटनाओं के मद्देनजर यह आदेश जारी किया गया है.

देश के विभिन्न क्षेत्रों में घटीं ऐसी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मंगलवार को राजधानी लखनऊ में एक उच्च स्तरीय बैठक में सीएम ने प्रदेश के सभी होटलों/ढाबों/रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं. इसके साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में संशोधन के भी निर्देश दिए हैं. सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट मिलाना वीभत्स, यह सब स्वीकार नहीं है. मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुसार ऐसे ढाबों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की सघन जांच होगी. हर कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन किया जाएगा. खान-पान की चीजों की शुद्धता-पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यक संशोधन के निर्देश. खान-पान के केंद्रों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि का नाम और पता डिस्प्ले करना अनिवार्य करना होगा. शेफ हो या फिर वेटर, सभी को मास्क और ग्लव्स लगाना होगा. होटल/रेस्टोरेंट में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य है. अपशिष्ट आदि गंदी चीजों की मिलावट की तो संचालक/प्रोपराइटर पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी.

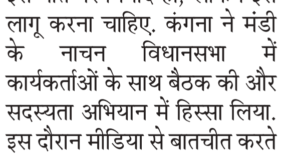

- हर कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन किया जाएगा
- खान-पान की चीजों में शुद्धता के लिए होगी सघन जांच

ये हैं यूपी के मुख्यमंत्री द्वारा जारी किए गए आदेश

1. हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/ अखाद्य/ गंदी चीजों की मिलावट देखने को मिली हैं. ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं. ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किया जा सकते. यूपी में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं.

2. **ऐसे ढाबों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी आवश्यक है. प्रदेशव्यापी सघन अभियान चलाकर इन प्रतिष्ठानों के संचालक सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन किया जाए. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस व स्थानीय प्रशासन संयुक्त टीम द्वारा यह कार्यवाही शीघ्रता से सम्पन्न कराई जाए.**

3. खान-पान प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि के नाम और पता प्रमुखता से लिखे होने चाहिए. इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में संशोधन भी किया जाए.

4. **ढाबे/होटलों/रेस्टोरेंट आदि में सीसीटीवी लगी हो. न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर बल्कि प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी सीसीटीवी से कवर होना चाहिए. यह सुनिश्चित किया जाए कि हर प्रतिष्ठान संचालक सीसीटीवी की फीड को सुरक्षित रखेगा और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस/स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराएगा.**

5. खान पान के केंद्रों पर साफ-सफाई होनी चाहिए. यह सुनिश्चित किया जाए कि खाद्य पदार्थों को तैयार करने तथा सर्विस के समय संबंधित व्यक्ति मास्क/ग्लव्स का उपयोग जरूर करें, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए.

6. **आम जन के स्वास्थ्य हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जा सकता. ऐसा प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए. खाद्य पदार्थों को बनाने, बेचने अथवा अन्य संबंधित गतिविधियों से जुड़े नियमों को व्यवहारिकता का ध्यान रखते हुए और सख्त किया जाए. नियमों की अवहेलना पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए.**

आर्थिक मोर्चे पर खुशखबरी ग्रोथ रेट 6.8% की दर से बढ़ेगी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की ओर से मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर अनुमान को 6.8% पर बरकरार रखा गया है. साथ ही कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अक्टूबर में ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है.

रेटिंग एजेंसी की ओर से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए निकाले गए इकोनॉमिक आउटलुक में कहा गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है. भारत की मजबूत विकास दर महंगाई में प्रबंधन में आरबीआई की मदद करेगी. रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई के बजट में भारत सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया कि वह वित्तीय समेकन के लिए प्रतिबद्ध है. साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी खर्च जारी रखा जाएगा. वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पूंजीगत खर्च के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया गया. वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य घटा कर 4.5 प्रतिशत कर दिया गया है. रिपोर्ट में बताया गया कि महंगाई आरबीआई के टारगेट 4 प्रतिशत के नीचे आ गई है. -शेष पेज 07 पर

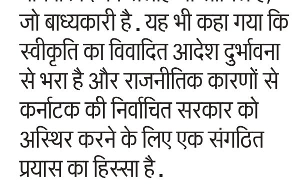

दो नए कोषागार एसएनए स्पर्श व साइबर ट्रेजरी स्थापित, प्रोजेक्ट भवन कोषागार ही अब साइबर ट्रेजरी बन गया

झारखंड में अब हो गए 29 कोषागार और छह उपकोषागार

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में अब कोषागारों की संख्या 29 (झारखंड भवन, नई दिल्ली सहित) हो गई है, जबकि उपकोषागार छह हैं. पहले राज्य में कोषागार की संख्या 27 थी, लेकिन एसएनए स्पर्श और साइबर ट्रेजरी की स्थापना के साथ ही दो और कोषागार की वृद्धि हुई है. राज्य में वाणिज्य-कर भुगतान की ऑनलाइन पेमेंट व्यवस्था को लागू करने के लिए प्रोजेक्ट भवन कोषागार को ही साइबर ट्रेजरी के रूप में घोषित किया गया है. साथ ही यह निर्णय लिया गया है कि प्रोजेक्ट भवन के कोषागार पदाधिकारी ही साइबर ट्रेजरी अफसर के रूप में कार्य करेंगे.

साइबर ट्रेजरी के लिए पदों का सृजन : एसएनए स्पर्श और साइबर ट्रेजरी में लेखा अधीक्षक के दो, वरीय लेखा सहायक के दो और लेखा सहायक के चार पदों का सृजन

झारखंड फाइनांस सबऑर्डिनेट सर्विस के अकाउंट कैडर के तहत किया गया है. इसके लिए प्रोजेक्ट भवन कोषागार और डोरंडा कोषागार में अकाउंट कैडर के सृजित पदों में से लेखा अधीक्षक के एक-एक पद, वरीय लेखा सहायक के एक-एक पद एवं लेखा सहायक के दो-दो पद को प्रत्यर्पित किया गया है. एसएनए स्पर्श और साइबर ट्रेजरी के सुचारू संचालन के लिए असिस्टेंट प्रोग्रामर व आदेशपाल की नियुक्ति आवश्यकतानुसार बाह्य स्रोत से की जाएगी. वहीं कोषागार पदाधिकारियों के पदों की संख्या 29 से बढ़ कर 31 हो गई है.

क्या है एसएनए स्पर्श

ई-कुबेर प्लेटफॉर्म, भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से केंद्र प्रायोजित योजनाओं की राशि को जस्ट इन टाइम पर जारी करने के लिए एसएनए स्पर्श प्रक्रिया लागू करने का निर्णय लिया गया है. व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय के दिशा-निर्देश के तहत केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए एसएनए स्पर्श के तहत राशि के खर्च एवं नियंत्रण से संबंधित झारखंड के वित्त विभाग के सहयोग से सभी संबंधित विभागों द्वारा राज्य में लागू किया जायेगा. एसएनए स्पर्श विपत्रों के केंद्र के लिए डोरंडा कोषागार, रांची में एसएनए स्पर्श नाम से एक पृथक कोषागार की स्थापना की जाएगी, जिसका ट्रेजरी कोड एसएनए होगा. यह कोषागार एसएनए स्पर्श प्रणाली के तहत राज्य के सभी कोषागारों से जारी विपत्रों के केंद्र लेखाकरण का कार्य करेगा.

कैबिनेट की बैठक 27 को

कई अहम प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड कैबिनेट की बैठक 27 सितंबर शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी. इस बैठक में कई प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है. विधानसभा चुनाव घोषणा के पूर्व संभवत दो-तीन कैबिनेट की ही बैठक होगी. ऐसे में विधानसभा चुनाव को देखते हुए सरकार कई अहम निर्णय ले सकती है.

सेविका-सहायिकाओं के मानदेय समेत कई महत्वपूर्ण फैसले ले सकती है सरकार : मालूम हो कि गत सोमवार को राज्य के आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं का विशाल प्रदर्शन रांची के मोरहाबादी मैदान में हुआ था. प्रदर्शकारियों को सरकार की ओर से वार्ता के लिए बुलाया गया था. इस वार्ता में झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक सुदीवो कुमार सोनू ने आंगनबाड़ी सेविका सहायिकाओं को आश्वासन दिया था कि 27 को कैबिनेट की बैठक के बाद आप लोगों को खुशखबरी मिलेगी. ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि सरकार राज्यभर के आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं के लिए मानदेय बढ़ाने समेत कई महत्वपूर्ण फैसले ले सकती है.

लॉटरी घोटालों को लेकर पुलिस ने आम लोगों से की अपील

रांची। लॉटरी घोटालों को लेकर झारखंड पुलिस ने आम लोगों से अपील कर सतर्क रहने को कहा है. झारखंड पुलिस ने कहा कि लॉटरी घोटालों से सावधान रहें, अपनी व्यक्तिगत जानकारी कभी भी अजनबियों के साथ साझा न करें. गौरतलब है कि लॉटरी घोटाला ऐसी धोखाधड़ी है, जिसकी शुरुआत एक ऐसे ईमेल के नोटिफिकेशन या फिर फोन कॉल से होती है. जिसकी आपने कल्पना भी न की हो. इसमें बताया जाता है कि आपने लॉटरी टिकट में बड़ी राशि जीती है और इसके लिए एजेंट से उसके खास फोन नंबर या ईमेल पते पर संपर्क करने के लिए कहा जाता है. जो हकीकत में घोटालेबाज का होता है.

19 पदाधिकारियों की सेवा मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को

रांची। सचिवालय सेवा के 19 पदाधिकारियों की सेवा मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को दो गई है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया. जिस पदाधिकारियों की सेवा मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को सौंपी गई है, उनमें अमोल बलवीर मिंज, मुकेश मालाकार, राजेश कुमार सिंह, निशांत कुमार लाल, सुमित कुजूर, विवेक कुमार सिंह, एडविन पंकज खाखा, विवेक भुईयां, शशिकांत गोप, सचिन गुप्ता, अंकित कुमार, प्रदीप कुमार राम, अमित कुमार, जयकांत प्रसाद, मनीष कांत, पप्पू कुमार, अनुप कुमार, अभय कुमार और मनोज कुमार सिंह शामिल हैं.

दुमका में सिदो कान्हू विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

शिक्षा से ही विकास संभव: राज्यपाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता का भी विकास करना है शिक्षा से ही विकास और सशक्तीकरण संभव है. शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि नैतिकता, सहानुभूति और नेतृत्व क्षमता का विकास करना भी है. शिक्षा और ज्ञान से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में सार्थक कार्य होंगे. राज्यपाल मंगलवार को सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्र में स्थापित सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय से हमारी काफी अपेक्षाएं हैं. यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि हमारे जनजातीय समाज की संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का प्रतीक है.

अध्ययन और शोध से चुनौतियों का ढूंढ़े समाधान: राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि अपने अध्ययन और शोध से उन चुनौतियों का समाधान ढूंढेंगे, जिनका सामना जनजाति समाज और ग्रामीण समुदाय कर रहे हैं. चाहे वह कृषि हो, पर्यावरण संरक्षण हो, स्वास्थ्य या शिक्षा, हर क्षेत्र में आपके प्रयासों की आवश्यकता है. जनजातीय समाज की संस्कृति और परंपराओं को ध्यान में रखते हुए, इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र और भी व्यापक हो जाता है. आपकी मेहनत और समर्पण से न केवल आपके लिए, बल्कि आपके समाज और राज्य के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे.

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की भूमिका अहम

विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने में विश्वविद्यालय और युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है. सभी द्वारा अर्जित शिक्षा और कौशल केवल आपकी व्यक्तिगत प्रगति के लिए नहीं, बल्कि देश की समृद्धि और विकास के लिए भी आवश्यक हैं. आपका योगदान हमारे समाज को सशक्त बनाने और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में एक महत्वपूर्ण कड़ी है. जब आप अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए करेंगे, तब ही हम अपने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा सकेंगे.

ज्ञान और कौशल का उपयोग राष्ट्रहित में करें

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में करें. आपके सामने यह जिम्मेदारी है कि आप विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक न्याय और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहें. आपकी सोच और नवाचार से ही हमारे देश को विकास के नए आयामों तक पहुंचाया जा सकेगा. आपका प्रयास न केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे समाज के उत्थान में भी सहायक होगा. अपने ज्ञान, कौशल और मेहनत से आप न केवल अपने जीवन को सफल बना सकते हैं, बल्कि समाज और देश की उन्नति में भी महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं.

सिदो कान्हू के बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा

सिदो कान्हू का मातृभूमि के लिए संघर्ष और बलिदान सदैव याद रखा जाएगा. उनकी वीर गाथाएँ न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश को प्रेरित करती हैं. 'संथाल विद्रोह ने न केवल जनजाति समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष की मिसाल कायम की, बल्कि पूरे देश में स्वतंत्रता के प्रति जनमानस में जागरूकता और संघर्ष की भावना को भी प्रेरित किया. उनके साहस से हमें यह सीख मिलती है कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना और अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है.

सिदो-कान्हू ने जनजातीय समाज को एकजुट किया

सिदो-कान्हु के संघर्षों ने जनजातीय समाज को एकजुट किया. उनके बलिदान की गाथा यह संदेश देता है कि कोई भी लड़ाई असंभव नहीं होती, यदि उसमें धैर्य, साहस और सामूहिकता का बल हो. आज, इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी के रूप में, आप सभी के कंधों पर अपने समाज, अपनी संस्कृति और अपने राज्य के विकास में योगदान देने की एक अहम जिम्मेदारी है. आपका दायित्व है कि आप उनके संघर्षों से प्रेरित होकर अपने समाज की उन्नति के लिए कार्य करें. उनके आदर्शों को आगे बढ़ाएँ, जिनके लिए सिदो-कान्हु जैसे वीर सपूतों ने अपना जीवन समर्पित किया.

निशिकांत की याचिका पर मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव और देवघर डीसी को अवमानना नोटिस

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में क्यू कॉम्पलेक्स का निर्माण अब तक शुरू नहीं किये जाने पर नाराजगी जाहिर की है. अदालत ने राज्य के मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव और देवघर जिले के डीसी को अवमानना नोटिस जारी किया है. अदालत ने नोटिस जारी कर उनसे पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों शुरू नहीं की जानी चाहिए? सभी अधिकारियों को 16 अक्टूबर तक जवाब देने का निर्देश दिया गया है. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की अदालत ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की याचिका पर यह सुनवाई की है.

सांसद ने हाईकोर्ट में दायर की है याचिका : दरअसल भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है. उन्होंने अपनी याचिका में कहा था कि सरकार क्यू कॉम्पलेक्स का निर्माण नहीं करा रही है और सीएसआर के तहत 120 करोड़ रुपये सरकार को दिये जाने के प्रस्ताव पर भी निर्णय नहीं लिया जा रहा है. इसके बाद कोर्ट को यह बताया गया था कि नवयुग कंपनी लिमिटेड ने अपने सीएसआर के तहत कॉम्पलेक्स के निर्माण के लिए 120 करोड़ देने का प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया है, जिससे निर्माण कार्य होगा. लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ.

कमलेश व अन्य के खिलाफ ईडी ने दायर की पीसी

रांची। राजधानी कांके इलाके में लैंड स्कैम के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी पत्रकार से जमीन कारोबारी बने कमलेश कुमार, कांके के सीओ जयकुमार राम और कांके के पूर्व सीओ दिवाकर द्विवेदी समेत छह आरोपियों के खिलाफ ईडी ने पीसी (प्रोसिक्यूशन कंप्लेन) दाखिल कर दी है. मंगलवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में एजेंसी ने पीसी दाखिल की है. जिसमें पूरे घोटाले की विस्तृत जानकारी दी गई है. ईडी द्वारा दायर पीसी पर कोर्ट जल्द संज्ञान ले सकती है. एजेंसी ने कमलेश को रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी, जिसमें अहम खुलासे हुए थे. लैंड स्कैम से जुड़े केस में ईडी ने जून महीने में कमलेश के घर पर छापेमारी की थी. जिसमें उसके घर से एक करोड़ रुपये कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे. ईडी की पूछताछ के बाद में कमलेश को एजेंसी ने गिरफ्तार किया था.

तलहा खान की बेल पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

रांची। जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी तलहा खान की ज़मानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. ईडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी सुनने के बाद अदालत ने बेल पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. तलहा की ओर से अधिवक्ता स्नेह सिंह और ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार उर्फ काका जी ने बहस की. इससे पहले तलहा खान ने बेल के लिए झारखंड हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन दोनों ही कोर्ट ने उसे बेल देने से इनकार कर चुका है. बता दें कि तलहा खान को ईडी ने 13 अप्रेल 2023 को गिरफ्तार किया था.

हाईकोर्ट ने भंग की धार्मिक न्याय बोर्ड की पहाड़ी मंदिर की कमेटी

संवाददाता। रांची

पहाड़ी मंदिर विकास समिति द्वारा दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सोमवार की सुनवाई में अदालत ने राज्य सरकार और धार्मिक न्यास बोर्ड द्वारा बनाई गई कमिटी को खत्म करते हुए कमिटी को भंग कर दी है. सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि समिति को किसी प्रकार का धारा 29 का नोटिस (समिति भंग करने का कारण) नहीं दिया गया. ना ही जिला न्यायाधीश से मंदिर विकास के लिए कोई योजना दी गई और न ही जिला न्यायाधीश से किसी प्रकार की कोई सहमति ली गई. वहीं समिति भंग करने से पहले बोर्ड से कोई आदेश भी पारित भी नहीं कराया गया. धार्मिक न्यास के चेयरमैन का आदेश सही नहीं है. पहाड़ी मंदिर विकास समिति की ओर से अधिवक्ता अभय मिश्रा ने पक्ष रखा. धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष रखा. अदालत ने निर्देश दिया है कि पूर्व की तरह रांची डीसी के नेतृत्व वाली कमेटी पहाड़ी मंदिर का कार्यभार संभालेंगी.

सुखवा तो है, पर चैन नाहीं, बउवा ला बुढ़ारी में हांफेल हैं धोतीधारी वंशी बजवइया अंकिल

संजय सिंह

आईए जानें धोतीधारी वंशी बजवइया अंकिल जी की कथा-कहानी. ई ऊ जगहिया के रहेवाला हैं, जहां लोगवा हमेशा विश्राम के मूड में रहता है. लेकिन वंशी बजवईया जी के भला कहां चैन है. पहिले लालटेनवा के रोशनी में सामाजिक न्याय के गीत गाईले फिर रहे थे. ऊ समय लाल बत्तिया भी भेंटाईल थे. चड़वे पर धोतिया अलगा-अलगा के चलते थे, बुझाता था कि इनका आगे कोईयो न है. लालटेन में मजा मार लीहिन, जब लगे लगा कि लोगन के उनका चड़वा पर चलल पसंद न है, तो अकबकाईनी धर लीहिस. लगे ऐन-ऊने ताक-झांक करे. देखिए धोतीधारी वंशी बजवइया जी के बाबा पानिए पिला दीहिन. वईसे वंशी बजवइया अंकिल हबकुनिए फेंकाए, तो चल दीहिन मस्टरई करे. लालटेन धारी थे, तो माल-पत्तर भी ठीक-ठाक नोच लीहिन थे. ढेर जगह जमीन भी हथवल लीहिन थे सस्ते में. चार साल कईसहूं गुजार दीहिन, फिर चुनावा आईल, तो बिल से मुड़िया निकाल के टापर-टुपर करे लगे. किस्मतवा चरचाईल था. ऊ तो रघु कृपा बरसी, तो धोतीधारी वंशी बजवइया अंकिल जी के कमलवा खिलावे के मौका मिल गईस. जंग जीत लीहिन. फिरो मसूलाधार रघु कृपा बरसी, तो अंकिल जी के मालदार विभाग मिल गईस. सुधारे के तो लोगवाग के स्वास्थ्य सुधारे के जिम्मा मिलल था, लेकिन ई वंशी बजवईया अंकिल जी तो ढेरे चंट निकल गिये. लोगवाग के साइड धराके जुट गईन अपन हेल्थवा सुधारे में. जब हेल्थवा सुधरे लगीस तो वंशी बजवइया अंकिल जी चांदी काटे लगे. तिकड़मबाजी में तो अंकिल जी के कोई सानिए न था.

चुनावी चकल्लस

वंशी बजवइया अंकिल जी धोतिया में टाइट क्रिज लगाईले चहके लगे. माल के आवक जो होवे लगा था. माल के आवक बढ़ा, तो अंकिल जी लगे शिक्षा-दीक्षा के ढेरे बात बतियावे लगे. हेल्थ सुधारे लगी जिम्मेवारी मिलल था ही, सो अंकिल जी जनता के दास के जोरदार तरीके से धर लीहिन. मेडिकल कॉलेज कोल लीहिन, स्वनामधाम का विश्वविद्यालय भी कोल लीहिन. चकाचकी था. क्षेत्रके लोग बाग घुसुर-फुसुर करे लगा. कहे लगा कि भाई ई अंकिल जी तो एजुकेशनवाले मफिया अंकिल हो गए हैं. मालामाल होइए रहे हैं. पांच बरिस अंकिल वंशी बजवईया जी चैनवाली वंशिया बजाईले थे. लेकिन कहा जाता है न, सब दिन होत न एक समाना. कमल फूल खिलावेला वंशी ब्रांड अंकल के फिरो से मौका मिल गिया. धोतीधारी, वंशी बजवइया अंकिल फिरो बाजी मार लीहिन, लेकिन उनकी पार्टिए हबकुनिए फेंका गई. अंकिल के गॉड फादर भी औंधे मुंह गिर गिये. पांच साल से वंशी अंकिल हांफले हैं. अब तो अंकिल जी के उम्र भी ढेरे हो गिया है. 70 पार वंशी अंकिल अभियो हांफले हैं. अब बेटवा के हाड़े हरदिया लगावे ला बेचैन हैं. फुलधारी अपने गॉडफादर के पास चिरौरी कईले हैं. कहईत फिर रहे हैं- प्रभु मेरा बिटुवा जवान हो गईस, इसे टिकटवा दिलवा दो. हालांकि वंशी अंकिल पुत्र मोह में बुढ़ारी में भी तेजी से भाग-दौड़ कईले हैं, लेकिन दड़डे के चक्कर में कहीं अंकिल जी के चरणवा धोतिया में लपटाईस, तो फिर हबकुनिए फेंकाईबे करेंगे. वईसी जिस बेटु राजा के वंशी अंकिल जवान कईले फिर रहे हैं, ऊ हो 55 पारेवाला है. लेकिन राजनीति तो राजनीति है. राजनीत करेंगे, तभिए तो धनसुख होगा. अब वंशी अंकिल बेटवा लगी कमल फूल ब्रांड के बड़का नेताजी लोगन के आगे-पीछे पैडल मारते हैं. वंशी अंकिल के अभी तनिका दिक्कत होवे लगा है. दलबदलु के धब्बा लगल है और गॉडफादर के भी सक्रिय राजनीति से खिसका दिया गया है. अब अंकिल जी दुखरे-दुआरे छिछिआइल फिर रहे हैं. का करें बेचारु, चैन के वंशी बजावे के उमरिया में पुत्र मोह में पगलाइल हैं. अब न तो वंशिये बजावे सक रहे हैं और न चैन के नींद ही सुते सक रहे हैं. बस, बेटाजी के राजनीतिक विरासत सौंपे ला हांफले हैं.

वंशी अंकल के धोतिया खोले लगी भी पार्टिया के लोग छटपटाईल है. टिकट ला ढेरे लोग लाईन लगाईले है. लेकिन धनवर्षा करे में पिछड़ जा रहे हैं. वंशी अंकिल जी रायशुमारी में भी पहुंचल थे. बेटवा लगी पैडल मारले थे. लेकिन रायशुमारी में तो उनकी पार्टिए के लोग वंशी अंकिल के अईसन इज्जत दीहिस कि बेचारे मुंह छुपाईले, धोती संभारले कईसो ऊहां से रफूचक्कर हो गिये. पार्टिया के लोगन ने अईसन इज्जत उतारीस कि पूछिए मत. उन्हें अश्लील नहीं, गंदी-गंदी उपाधियों से विभूषित कर दीहिस, कुछ लोग तो धकियाया भी दीहिस, लेकिन ई तो शुक्र है कि भागे के क्रम में अंकिल के पारवा धोतिया में न लदफदाईश, तो आगे का होता, ई उनको भी पता न था. वईसे वंशी अंकिल विश्रामावस्ता में जाए के मूड में कनिको न नजर आ रहे हैं. बेटु राजा के मौका न मिलेगा, तो अंकिल 70 पार करे के बाद भी धोती उठाईले खुदे मैदान में दउडे.ला दावा ठोक देंगे. अब आगे-आगे देखिए होता है का. अंकिल का बेटुवा आगे बढ़ पाता है, या अंकिले राजनीतिक स्कूल ऑफ ड्रामा से आउट हो जाते हैं.

एसीबी में तैनात 45 जवान समेत 101 का तबादला

रांची। एसीबी में पदस्थापित 45 पुलिसकर्मी समेत 101 आरक्षी और हवलदार का तबादला हुआ है. डीजीपी के निर्देश पर डीआईजी कार्मिक के द्वारा इससे संबंधित आदेश जारी किया गया है. जारी आदेश के मुताबिक, तबादला किए गए 101 पुलिसकर्मी में से 45 पुलिसकर्मी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) में पदस्थापित थे. इसके अलावा धनबाद, बोकारो, सिमडेगा, गिरिडीह, हजारीबाग, पलामू, रेल धनबाद, रेल जमशेदपुर, सरायकेला, देवघर, चाईबासा, चतरा, गढ़वा, गुमला, लातेहार और लोहरदगा जिले में पदस्थापित आरक्षी और हवलदार का तबादला किया गया है.

हुसैनाबाद विधानसभा सीट — एनडीए का 'मिनी चित्तौड़गढ़' पर बड़ा दांव

क्या कमलेश सिंह फिर लहराएंगे जीत का परचम?

समीर चक्रवर्ती। पलामू

झारखंड विधानसभा चुनाव अगले कुछ महीने में होने हैं, लेकिन अब तक एनडीए और महागठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं हो पाया है. लेकिन इस बात की संभावना जताई जा रही है हुसैनाबाद विधानसभा सीट भारतीय जनता पार्टी की ओर से एनडीए में शामिल घटक एनसीपी अजीत पवार गुट के लिए छोड़ने पर सहमत बन गई है. बताया जा रहा है कि इसे लेकर जल्द ही एनडीए की ओर से औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी. हालांकि हुसैनाबाद सीट पर एनडीए की ओर से कई नेताओं ने अपने-अपने दावे पेश किए हैं.

हुसैनाबाद सीट 'मिनी चित्तौड़गढ़' के रूप में प्रसिद्धः हुसैनाबाद विधानसभा सीट 'मिनी चित्तौड़गढ़ के रूप से प्रसिद्ध है. इस सीट पर भाजपा और आजसू पार्टी के कई नेताओं की ओर से दावेदारी पेश की जा रही है.

लेकिन जिस तरह से हुसैनाबाद के एनसीपी विधायक कमलेश कुमार सिंह ने हेमंत सोरेन सरकार से समर्थन वापस लेकर कई मौके पर विपक्षी दल भाजपा का साथ दिया, उससे यह चर्चा जोरों पर है कि हुसैनाबाद में एनडीए का साझा उम्मीदवार होगा. फिलहाल महाराष्ट्र में भी एनसीपी अजीत पवार गुट एनडीए में शामिल है, ऐसे में कमलेश कुमार सिंह भी एनडीए फोल्डर से ही चुनाव मैदान में उतर सकते हैं. हालांकि कमलेश सिंह को भाजपा और आजसू पार्टी के कई नेताओं की ओर से चुनौती भी मिल रही है.

इंडिया अलायंस की ओर से संजय सिंह यादव फिर मैदान में उतरेंगे : वर्ष 2024 के चुनाव में इंडिया अलायंस की ओर से हुसैनाबाद सीट पर एक बार फिर से आरजेडी की ओर से दावेदारी की जा रही है. राजद के संजय सिंह यादव वर्ष 2000 और 2009 में विधायक रह चुके हैं. बताया जा रहा है कि यदि जेएमएम और कांग्रेस का समर्थन मिलता है, तो इस बार वे एनडीए या एनसीपी उम्मीदवार को कड़ी टक्कर दे सकते हैं. हालांकि इस बार जेएमएम की ओर से भी इस सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी की जा रही है.

भाजपा और आजसू पार्टी की ओर से कई दावेदार

हुसैनाबाद विधानसभा सीट से एक ओर जहां एनसीपी विधायक कमलेश सिंह चुनाव की तैयारी में लगे हैं, वहीं भाजपा और आजसू पार्टी के कई नेता भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं. इनमें भाजपा की ओर से विनोद सिंह, प्रफुल्ल सिंह, कर्नल संजय सिंह, रवींद्र सिंह, कामेश्वर कुशवाहा और अशोक सिंह समेत कई नामों की चर्चा है. दूसरी तरफ आजसू पार्टी की ओर से पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता और पूर्व आईपीएस संजय रंजन सिंह के नाम की चर्चा है.

लोस चुनाव में भाजपा को मिली थी बड़ी बढ़त

लोकसभा चुनाव 2024 में पलामू संसदीय क्षेत्र के हुसैनाबाद विधानसभा सीट से भाजपा को बड़ी बढ़त मिली थी. भाजपा के बीडी राम ने इस क्षेत्र से करीब 20 हजार मतों के अंतर से बढ़त हासिल की थी.

क्लासिफाइड

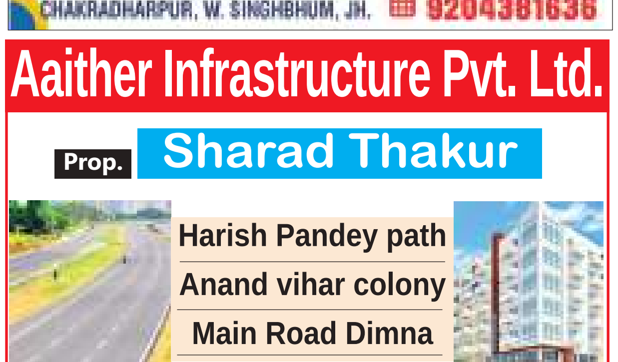

तापमान

29.9° अधिकतम | 22.1° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 10

www.lagatar.in

रांची, बुधवार 25 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 167

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

तीन दिसंबर से वंदे भारत मंगलवार को नहीं चलेगी

रांची। ट्रेन संख्या 20887/20888 रांची- वाराणसी-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन दिवस में परिवर्तन किया गया है. रांची- वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस का 3 दिसंबर से मंगलवार छोड़ कर सप्ताह में 6 दिन परिचालन होगा. वर्तमान में ये ट्रेन गुरुवार छोड़ कर सप्ताह में 6 दिन परिचालित हो रही है.

सीजीएल की परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगा

रांची। छात्र संगठन व छात्रों का जुटान मंगलवार को मोरहाबादी स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष हुआ. उन्होंने जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाया है. छात्रों ने परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने का दावा किया है. उन्होंने आरोप लागते हुए कहा कि रांची, धनबाद समेत कई परीक्षा केंद्र में बाहर के छात्रों को पहले ही अंसर सीट मिल गयी थी. अब परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर छात्र संगठन आंदोलन करेंगे. छात्र संगठन ने बताया कि बुधवार को तीन बजे से हजारीबाग से आंदोलन आक्रोश मार्च शुरू होगा. उन्होंने परीक्षा रद्द नहीं होने पर रांची में भी बड़ा आंदोलन करने की बात कही. कहा कि जेएसएससी कार्यलय का घेराव किया जायेगा.

कांग्रेस की मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक आज

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से झारखंड प्रदेश में आसान विधानसभा चुनाव 2024 के लिये गठित मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक 25 सितंबर को कांग्रेस भवन रांची में दिन के 10:30 बजे होगी. मिनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष बंधु तिर्की की अध्यक्षता में आहूत की गई है. जिसमें मेनिफेस्टो कमेटी के सभी सदस्य शामिल होंगे. आगामी विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर प्रदेश कांग्रेस मेनिफेस्टो कमेटी की यह पहली बैठक है, इस बैठक में मेनिफेस्टो कमेटी के सभी सदस्य शामिल होंगे. मेनिफेस्टो कमेटी के सदस्य डॉ एम तौसीफ ने बताया की झारखंड के आम,आवाम का मेनिफेस्टो तैयार करने पर विचार विमर्श किया जायेगा.

शिक्षक नियुक्ति में सुनवाई का विकल्प

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में शिक्षक नियुक्ति से संबंधित मामले में सुनवाई हुई. इस दौरान जेएसएससी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि राज्य स्तर पर तैयार की गई मेरिट लिस्ट वेबसाइट पर जारी कर दी गई है. इसके साथ ही अदालत ने सिंगल बेंच द्वारा रिजल्ट वेबसाइट पर अपलोड किए जाने के मामले में कानूनी बिंदु पर सुनवाई का विकल्प खुला रखा है. दरअसल सिंगल बेंच के राज्य स्तर पर मेरिट लिस्ट जारी कर उसे वेबसाइट पर अपलोड किए जाने के आदेश को डबल बेंच में चुनौती भी दी गई थी. इसके कानूनी बिंदु पर सुनवाई का विकल्प हाईकोर्ट ने खुला रखा है.

कवायद : नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव ने राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर के उद्घाटन की तैयारी का लिया जायजा

अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में ट्रांसपोर्टरों को समर्पित होगा ट्रांसपोर्ट नगर

प्रमुख संवाददाता। रांची

- जुडको को संचालन व नीति शीघ्र तैयार करने को कहा गया
- सीएम दे चुके हैं नवरात्र में उद्घाटन कराने का निर्देश

सुकरहुटू में ट्रांसपोर्ट नगर की तैयारी का जायजा लेते नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार.

राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नवरात्र यानी अक्तूबर के प्रथम सप्ताह में तैयार कर उद्घाटन कराने का निर्देश दिया है. इस आलोक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर के साइट का निरीक्षण किया. उन्होंने जुडको के अधिकारियों और एजेंसी केएमवी के प्रतिनिधियों निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री की इच्छा है कि हरहाल में ट्रांसपोर्ट नगर नवरात्र के प्रथम सप्ताह में आम जनता और ट्रांसपोर्टरों को समर्पित कर दिया जाए. ट्रांसपोर्ट नगर के रखरखाव और संचालन की नीति एवं प्रक्रिया जल्द से जल्द तैयार कर ली जाए, ताकि उद्घाटन के साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर में भारी, मध्यम और छोटे ट्रक लगने शुरू हो जाएं. बता दें कि कांके प्रखंड के सुकरहुटू में रिंग रोड के पास 112 करोड़ रुपये की लागत से ट्रांसपोर्ट नगर का निर्माण हो रहा है. प्रथम फेज में बड़े-छोटे कुल 424 वाहनों के खड़ा करने का प्रावधान रहेगा.

मई 2022 में रखी गई थी आधारशिला : मई 2022 में ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी. अब तक एकीकृत भवन और दो वेयर हाउस का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. तीन तल में छोटे से लेकर बड़े वाहनों को खड़ा करने के तीन लेबल का प्लेटफार्म बनाने का काम पूरा हो गया है. सबसे खास बात यह है कि यहां जो पत्थर का गेवियन वाल बन रहा है, वह पूरी तरह से इको फ्रेंडली है. इसकी जोड़ाई में कहीं भी सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है.

ये फायदा मिलेगा : बाहर से आनेवाले वाहनों के माल को रखने के लिए दो लेवल के वेयर हाउस भी बन चुके हैं. लेवल एक वेयर हाउस 6176 वर्ग मीटर तथा दूसरा वेयर हाउस 3900 वर्ग मीटर का बन गया है. बाहर से आनेवाले वाहनों के माल इसी वेयर हाउस में खाली कर ट्रक चालक मुक्त हो जाएंगे. अब ट्रांसपोर्टर छोटे वाहनों से इसे जगह तक पहुंचाएंगे. इससे शहर में बड़े वाहन नहीं घुसेंगे, जाम नहीं लगेगा, धुआं-धक्कड़ से मुक्ति मिलेगी और पर्यावरण सुरक्षित रहेगा. ट्रांसपोर्ट नगर आने के लिए वाहन चालकों नो एंट्री की झंझट भी नहीं झेलनी पड़ेगी, क्योंकि रिंग रोड नो एंट्री से मुक्त है.

ये सुविधाएं मिलेंगी : लेवल एक प्लेटफार्म पर 93 एक्स्ट्रा लार्ज (22 मीटर लंबा), 11 लार्ज टेलर (18 मीटर) और 27 स्मॉल (16 मीटर) वाहनों को खड़ा करने का प्रावधान रहेगा. लेबल दो प्लेटफार्म पर 179 लार्ज और 50 स्मॉल वाहन खड़े किये जाएंगे. लेवल तीन के प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 64 स्मॉल वाहन खड़े होंगे.

16 ऑफिस भी बनेंगे : जी प्लस थ्री एकीकृत भवन में ट्रांसपोर्टरों एवं अन्य के लिए 16 ऑफिस का प्रावधान किया गया है. चालक और उपचालक के आराम करने के लिए 180 बेड की डोरमेट्री और 150 लोगों के बैठने के लिए फूड कोर्ट भी रहेगा. प्राथमिक स्वास्थ केंद्र, दो वे ब्रिज, सर्विस स्टेशन, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी, वाई-फाई, लैंड स्केपिंग और मनोरंजन के लिए स्थान उपलब्ध रहेगा.

चुनाव आयोग की टीम ने दूसरे दिन भी विस चुनाव तैयारियों की समीक्षा की

शहरी क्षेत्र में मतदाताओं की उदासीनता को दूर करें: राजीव

शुभम किशोर। रांची

भारत निर्वाचन आयोग की टीम ने अपने दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को रांची के होटल रेडिशन ब्लू में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस एवं प्रशासन के वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की. इस दौरान राज्य भर के सभी प्रमंडलों के आयुक्त, जोनल आईजी, रेंड डीआईजी, सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों, सभी डीआईजी और सभी पुलिस अधीक्षकों के साथ चुनाव की तैयारी पर समीक्षा की गई.

बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त के अलावा निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ सुखबीर सिंह संधु, सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमीश्नर धर्मेंद्र शर्मा, डिप्टी इलेक्शन कमीश्नर संजय कुमार, अशोक कुमार, पंकज श्रीवास्तव, अनुज चांडक, झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार समेत सभी संबंधित विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे. इससे पहले सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग की टीम ने राजनीतिक दलों, एनफोर्समेंट एजेंसियों और राज्य के मुख्य सचिव एवं डीजीपी के साथ बैठक की थी. बता दें झारखंड में विधानसभा का कार्यकाल पांच जनवरी 2025 को समाप्त होने वाला है. राज्य में कुल 81 विधानसभा सीट हैं, जिनमें 44 सामान्य और 09 एससी व 28 एसटी वर्ग के लिए आरक्षित सीट है.

आउटरीच गतिविधियों के जरिये मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर : मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराना सुनिश्चित करें. सभी डीईओ को मतदाता जागरूकता और आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढ़ाने को कहा गया. उन्होंने कहा कि डीईओ को स्थानीय संस्कृति और तीरंदाजी व हॉकी जैसे खेलों का उपयोग करके स्वीप गतिविधियों का आयोजन करना चाहिए. जागरूकता गतिविधियों के लिए स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों, प्रतीकों को शामिल किया जाना चाहिए. पिछले चुनावों में शहरी क्षेत्र के मतदाताओं में दिखी उदासीनता को दूर करने के लिए शहरी क्षेत्रों में आउटरीच गतिविधियों को तेज करने का निर्देश दिया गया. सभी डीईओ और एसपी को सोशल मीडिया की निगरानी करने और आवश्यकता पड़ने पर उचित कानूनी कार्रवाई के साथ तुरंत जवाब देने का निर्देश दिया गया.

राजनीतिक दलों के मुद्दों पर आयोग ने किया आश्वस्त : सोमवार को राजनीतिक दलों ने त्रुटि रहित मतदाता सूची बनाने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था. साथ ही कई सुझाव भी दिए थे, जिसपर आयोग ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि उनेक सुझावों के साथ भारत निर्वाचन आयोग राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष, सहभागी, समावेशी, शांतिपूर्ण और प्रलोभनमुक्त चुनाव कराएगा. आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को विशेष रूप से कहा है कि वे सभी राजनीतिक दलों के लिए समान रूप से सुलभ रहें तथा समय-समय पर बैठक कर नियमित रूप से उनसे मिलने के अलावा उनकी शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें.

पदाधिकारियों को ईसीआई के निर्देश

- सभी राजनीतिक दलों के लिए सुलभ रह कर बिना पक्षपात के कार्य करें
- **प्रवर्तन एजेंसियां बिना किसी प्रलोभन में आए धन-बल पर अंकुश लगाएं**
- सभी मतदान केंद्रों पर तय न्यूनतम सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराया जाएं
- **स्वीप गतिविधियों का संचालन करते हुए मतदाताओं को शामिल करें**

रांची के होटल रेडिशन ब्लू में पदाधिकारियों के साथ बैठक करती भारत निर्वाचन आयोग की टीम.

चुनाव आयोग ने ये भी निर्देश दिए

- जहां भी तकनीकी रूप से संभव होगा, सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाएगी.
- **सभी मतदान केंद्रों पर रैंप, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, व्हील चेयर और बुजुर्गों व दिव्यांग मतदाताओं के लिए स्वयंसेवकों सहित न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी.**
- बुजुर्ग, दिव्यांग और गर्भवती महिलाओं के लिए मतदान में प्राथमिकता सुनिश्चित की जाएगी.
- **मतदान केंद्र भूतल पर होंगे और मतदाताओं के निवास से दो किलोमीटर के भीतर होंगे.**
- दो किलोमीटर से बाहर के कुछ मतदान केंद्रों के लिए पिक एंड ड्रॉप सुविधा दी जाएगी.
- **किसी भी मतदान केंद्र पर 1500 से अधिक मतदाता नहीं होंगे.**
- मतदान केंद्र परिसर की परिधि से 200 मीटर की दूरी पर स्पष्ट सीमांकन सुनिश्चित किया जाएगा जहां मतदान दल अपने डेस्क स्थापित कर सकेंगे.
- **पहले और दूसरे रैंडमाइजेशन के बाद ईवीएम और वीवीपैट का विवरण सभी उम्मीदवारों के साथ साझा किया जाएगा.**

प्रवर्तन एजेंसियों को ये निर्देश दिए

- राज्य में अवैध शराब, नकदी और नशीली दवाओं के प्रवाह को रोकने के लिए सभी प्रवर्तन एजेंसियां को-ऑर्डिनेशन के साथ काम करें.
- **सहक्रियात्मक कार्रवाई के लिए पुलिस, परिवहन, राज्य जीएसटी, उत्पाद शुल्क और वन की संयुक्त टीमों का गठन सुनिश्चित करें.**
- पुलिस और आबकारी विभाग शराब और नशीली दवाओं के माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित कर व्यापक रोकथाम करें.
- **अंतरराज्यीय सीमा और नाका व्यवस्था की समीक्षा करें, विशेष रूप से उन पर, जो अवैध शराब और नशीली दवाओं के प्रवाह पर स्थित हैं.**
- अंतरराज्यीय सीमाओं पर महत्वपूर्ण जांच चौकियों पर 24x7 सीसीटीवी निगरानी तथा सूचनाओं का गंभीरतापूर्वक अनुसरण किया जाए.
- **राष्ट्रीय राजमार्गों, विशेष कर झारखंड को ओडिशा और पश्चिम बंगाल से जोड़ने वाले राजमार्गों पर कड़ी नजर रखी जाए.**
- सड़क मार्गों के अलावा रेल, वन मार्गों, हवाई पट्टियों और हेलीपैडों पर भी कड़ी नजर रखी जाए.

प्रवर्तन एजेंसियों को एनएच पर कड़ी नजर रखने को कहा गया

भारत निर्वाचन आयोग की टीम ने डीआरआई, एनसीबी, राज्य और केंद्रीय जीएसटी, आरपीएफ, आरबीआई, राज्य पुलिस, आयकर, प्रवर्तन निदेशालय के साथ लगभग 20 केंद्रीय और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक की. आयोग ने प्रलोभन मुक्त चुनाव पर अपना ध्यान केंद्रित किया. सीईसी राजीव कुमार ने अधिकारियों को चुनाव के दौरान चेकिंग के नाम पर जनता को किसी भी तरह के अनुचित उत्पीड़न से बचने के लिए भी आगाह किया.

डीजीपी को सीमावर्ती राज्यों के समकक्षों से नियमित समन्वय का निर्देश

दो दिवसीय समीक्षा के दौरान आयोग ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ समग्र चुनाव तैयारियों और कानून व्यवस्था के मामलों की समीक्षा की. आयोग ने मुख्य सचिव को सभी मतदान केंद्रों में न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा. झारखंड की सीमा पांच राज्यों बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ से लगती है. डीजीपी को सीमावर्ती राज्यों में समकक्षों के साथ नियमित समन्वय बैठक करने का निर्देश दिया गया.

एनसीपीसीआर पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा

अपने एजेंडे में हमें न घसीटें

संवाददाता। रांची/नयी दिल्ली

- मिशनरिज ऑफ चैरिटी के खिलाफ एसआईटी जांच की याचिका पर भड़का
- शीर्ष कोर्ट ने खारिज की एनसीपीसीआर की याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एनसीपीसीआर से कहा कि वह मदर टेरेसा द्वारा स्थापित मिशनरीज ऑफ चैरिटी के झारखंड आश्रय गृहों द्वारा कथित तौर पर बेचे गए बच्चों के मामलों की एसआईटी जांच के अनुरोध वाली याचिका को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा- अपने एजेंडे में हमें न घसीटे. न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति नोंगमईकापम कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षणआयोग (एनसीपीसीआर) की आलोचना करते हुए आयोग द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया. पीठ ने कहा कि मांगी गई राहत अस्पष्ट है और इस पर विचार नहीं किया जा सकता.

याचिका को गलत तरीके से पेश किया गया : सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने एनसीपीसीआर की ओर से पेश वकील से कहा, उच्चतम न्यायालय को अपने एजेंडे में मत घसीटिए. आपकी याचिका में किस तरह की राहत मांगी गई है? हम इस तरह के निर्देश कैसे दे सकते हैं? याचिका को पूरी तरह से गलत तरीके से पेश किया गया है. शुरुआत में, एनसीपीसीआर की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि याचिका बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए झारखंड में ऐसे सभी संगठनों की शीर्ष अदालत की निगरानी में समयबद्ध जांच के निर्देश के अनुरोध के बारे में है.

शीर्ष अदालत ने कहा कि एनसीपीसीआर को बाल अधिकार संरक्षण आयोग (सीपीसीआर) अधिनियम, 2005 के तहत कानून के अनुसार जांच करने और कार्रवाई करने का अधिकार है. पीठ ने याचिका पर विचार करने से इंकार करते हुए याचिका खारिज कर दी. एनसीपीसीआर ने 2020 में दायर अपनी याचिका में संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत गारंटीकृत मानव तस्करी के निषेध के मौलिक अधिकारों को लागू करने का अनुरोध किया था. उसने कहा था कि विभिन्न राज्यों के बाल गृहों में विसंगतियां पाई गई हैं.

याचिकाकर्ता के तथ्य में बच्चों को बाल गृहों में बेचे जाने का जिक्र : याचिका में झारखंड में बाल अधिकारों के उल्लंघन के मामलों का हवाला दिया गया था और कहा गया था कि राज्य के अधिकारियों ने नाबालिगों की सुरक्षा के लिए उदासीन दृष्टिकोण अपनाया है. याचिकाकर्ता (एनसीपीसीआर) द्वारा जांच के दौरान पीड़ितों ने चौंकानेवाले खुलासे किए, जिसमें यह तथ्य भी शामिल था कि बच्चों को बाल गृहों में बेचा जा रहा था. इन तथ्यों को झारखंड सरकार के संज्ञान में लाया गया था, लेकिन जांच को विफल करने और पटरी से उतारने के लगातार प्रयास किए गए.

झारखंड हाईकोर्ट ने दी बड़ी राहत

आयुर्वेद चिकित्सकों की भी रिटायरमेंट उम्र 65 साल होगी

विधि संवाददाता। रांची

- वर्ष 2011 से आयुर्वेदिक चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 से 65 वर्ष मानने का दिया निर्देश

सेवानिवृत्ति उम्र सीमा को लेकर आयुर्वेद चिकित्सकों को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट की एकल पीठ ने मंगलवार को राज्य सरकार के वर्ष 2011 के नोटिफिकेशन की तिथि से ही आयुर्वेदिक चिकित्सकों की भी सेवानिवृत्ति उम्र सीमा 60 से 65 वर्ष मानते हुए उन्हें देय लाभ भुगतान का निर्देश दिया है. राज्य सरकार ने केंद्र सरकार की तर्ज पर वर्ष 2011 में एलोपैथी चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 से 65 वर्ष कर दी थी, लेकिन आयुर्वेदिक चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति उम्र सीमा में कोई बदलाव नहीं किया था, जिसे लेकर याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए कहा था कि एलोपैथी चिकित्सकों की तरह उनकी भी सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 से बढ़ा कर 65 वर्ष कर दी जाए.

हाईकोर्ट की एकल पीठ ने इसपर आदेश देते हुए कहा था कि एलोपैथी चिकित्सकों के समतुल्य आयुर्वेदिक चिकित्सकों को मानते हुए राज्य सरकार के वर्ष 2011 की तिथि से ही इनकी भी सेवानिवृत्ति 60 से 65 वर्ष करने का निर्देश दिया जाए. हाईकोर्ट की एकल पीठ के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने अपील दाखिल की थी. इसी दौरान वर्ष 2021 में राज्य सरकार ने केंद्र सरकार की तर्ज पर नोटिफिकेशन निकाला था, जिसमें वर्ष 2021 की तिथि से आयुर्वेदिक चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 से 65 वर्ष कर दी थी. याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल कर कहा गया था कि अगर उन्हें एलोपैथी चिकित्सकों के समतुल्य माना जाता है, तो वर्ष 2011 के राज्य सरकार के नोटिफिकेशन के आधार पर एलोपैथी चिकित्सकों की तरह ही उसी तिथि से उनकी भी उम्र सीमा 60 से 65 वर्ष की जाए और उन्हें देय लाभ दिलाया जाए.

इस पर झारखंड हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए वर्ष 2011 की तिथि से आयुर्वेदिक चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 से 65 मानते हुए, जो आयुर्वेदिक चिकित्सक सेवानिवृत हुए हैं, उन्हें सभी लाभ देने का निर्देश दिया है.

सुखदेवनगर में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते दो गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में दोनों आरोपी युवक.

संवाददाता। रांची

सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते दो युवक गिरफ्तार किए गए हैं. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सित्ती राम और अभिषेक यादव को गिरफ्तार किया है. दोनों किशोरगंज के रहने वाला हैं. इनके पास से 16 पुड़िया ब्राउन शुगर और एक बाइक बरामद हुआ है. मंगलवार को डीएसपी प्रकाश सोए ने बताया कि किशोरगंज रोड नंबर 05 के पास अवैध नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री होने की सूचना मिली थी. जिसके बाद पुलिस टीम का गठन कर छापेमारी किया गया. पुलिस बल को देख भागने के क्रम में सित्ती राम और अभिषेक यादव को पकड़ा गया.

अच्छी खबर झारखंड की सहियाओं को अब मिलेंगे 2000 रुपये प्रतिमाह

46,031 सहियाओं को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

रवि भारती। रांची

46,031 सहिया बीटीटी और एसटीटी को मिलेगा लाभ 108.34 करोड़ स्वीकृत किये गये

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सहिया साथी, प्रखंड प्रशिक्षक दल (बीटीटी) और राज्य प्रशिक्षक दल (एसटीटी) को अब बढ़ी हुई प्रोत्साहन राशि मिलेगी. इसके लिए राज्य सरकार ने 108.34 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है. इसका लाभ 46,031 सहिया, बीटीटी और एसटीटी को मिलेगा.

सहिया पर खर्च होगा 103.11 करोड़ : राज्य सरकार सहिया के प्रोत्साहन राशि पर 103.11 करोड़ रुपये खर्च करेगी. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत ग्रामीण इलाकों में सहिया की संख्या 39,964 है, जबकि शहरी इलाकों में इनकी संख्या 3,000 है. इन्हें प्रतिमाह दो हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी.

सहिया साथी पर खर्च होंगे 3.48 करोड़ : सहिया साथी के प्रोत्साहन राशि पर राज्य सरकार 3.48 करोड़ रुपये खर्च करेगी. ग्रामीण क्षेत्र में सहिया साथी की संख्या 2295 है, जबकि शहरी इलाके में इनकी संख्या 125 है. इन्हें 50 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी.

बीटीटी और एसटीटी को भी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी

राज्य सरकार बीटीटी को 80 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि देगी. राज्य में इनकी कुल संख्या 699 है. इनके प्रोत्साहन राशि पर राज्य सरकार 1.61 करोड़ रुपये खर्च करेगी. वहीं एसटीटी के प्रोत्साहन राशि पर 13.82 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे. राज्य में इनकी संख्या 48 है. इन्हें 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी.

शहर में आज

1. वैश्य मोर्चा कोर कमेटी की बैठक, होटल आलोका कचहरी में दोपहर 1 बजे
2. जेसीआई एक्सो की पीसी, मोरहाबादी में 3 बजे
3. कांग्रेस की मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक, कांग्रेस भवन में दिन के 10.30 बजे

ब्रीफ खबरें

मांगों की पूर्ति नहीं तो 2 से आमरण अनशन

रांची। झारखंड यूथ एसोसिएशन के संयोजक इमाम सफी ने कहा कि 21 और 22 सितंबर को आयोजित जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा में फिर एक बार गड़बड़ी की जानकारी मिली है. उन्होंने कहा कि रघुवर सरकार और हेमंत सरकार दोनों सरकार ने पिछले आठ साल में एक परीक्षा पारदर्शी ढंग से लेने में नाकाम रही है. उन्होंने मुख्यमंत्री से परीक्षा रद्द कर, दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है. मांगों की पूर्ति नहीं होने पर 2 अक्टूबर से बापू वाटिका से आमरण अनशन की जाएगी.

विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें युवा

रांची। रांची विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के 55वें स्थापना दिवस पर मंगलवार को कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. इस दौरान विवि के कुलपति डॉ अजीत सिन्हा ने राष्ट्रीय सेवा योजना का झंडोत्तोलन किया. साथ ही गुब्बारों को उड़ा कर सभी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया. कुलपति ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवा बहुमूल्य योगदान दें और 2047 का भारत विकसित भारत के रूप में दिखाई पड़े. उन्होंने डॉ ब्रजेश कुमार को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों के कुशल संचालन के लिए बधाई एवं धन्यवाद दिया.

भाजपा सांसद रवि किशन आज पलामू में

रांची। भाजपा सांसद रवि किशन बुधवार को पलामू और लातेहार जिले में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।.वे सुबह 9:30 बजे लेस्लीगंज में आयोजित रोड शो में भाग लेंगे. सुबह 11 बजे पांकी स्थिति सिंचाई विभाग मैदान में आयोजित परिवर्तन महासभा को संबोधित करेंगे. लातेहार के हेरहंज में दोपहर एक बजे रोड शो में हिस्सा लेंगे. दोपहर 1:30 बजे बालूमाथ में परिवर्तन महासभा में शामिल होंगे. चंदवा में 4 बजे से रोड शो में हिस्सा लेंगे. सांसद 26 को दोपहर 12 बजे से गुमला के रायडीह के मांझा टोली में परिवर्तन सभा को संबोधित करेंगे. रवि किशन दोपहर 2:30 बजे हजारीबाग जिले के बड़कागांव में आयोजित परिवर्तन महासभा को संबोधित करेंगे.

मनोज तिवारी की आज दो सभाएं होंगी

रांची। भाजपा सांसद मनोज तिवारी बुधवार को को चतरा के प्रतापपुर स्थित हाईस्कूल मैदान में दोपहर तीन बजे से परिवर्तन महासभा को संबोधित करेंगे. तिवारी बोकारो के फुसरो स्थित कारगिल मैदान में शाम पांच बजे से परिवर्तन सभा को संबोधित करेंगे.

मुरहू में कई ने थामा कांग्रेस का दामन

रांची/खूंटी। कांग्रेस के मुरहू प्रखंड अध्यक्ष पौलुस पूर्ति की अध्यक्षता में और जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा की उपस्थिति में कोड़ाकेल पंचायत की इंदिरा आवास कालौनी क्लोनी में मंगलवार को आयोजित कांग्रेस की बैठक में कई लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा. प्रखंड अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष ने सभी को कांग्रेस का पट्टा देकर पार्टी में स्वागत किया. रवि मिश्रा ने कहा कि आप सभी कांग्रेस की सदस्यता लें रहे हैं वह काबिले तारीफ है.

भाजपा सरकार करेगी माटी,बेटी और रोटी की रक्षा, लाडली योजना की तर्ज पर बहनों को मिलेगा दोगुना पैसा

झारखंड में माटी, बेटी और रोटी सुरक्षित नहीं: शिवराज

खास बातें
- हेमंत सरकार ने युवाओं को वर्दी के बजाय दिया कफन
- जेएमएम का मतलब जुर्म, मर्डर और माफिया

प्रमुख संवाददाता। रांची

मंगलवार को गोड्डा में परिवर्तन रैली को संबोधित करते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान.

केंद्रीय मंत्री सह झारखंड बीजेपी के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि झारखंड में गठबंधन की बेईमान सरकार चल रही है. जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी ने पांच सालों में राज्य को तबाह कर दिया है. हेमंत सरकार में न माटी, न बेटी, और न रोटी सुरक्षित हैं. बड़ी संख्या में घुसपैठियों के आने से झारखंड की ज़मीन पर कब्जा हो रहा है. हेमंत सरकार वोटों के लालच में घुसपैठियों को आधार कार्ड और वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवा रही है, हेमंत सरकार का यही असली सच है. वे मंगलवार को गोड्डा के गांधी मैदान में परिवर्तन यात्रा को संबोधित कर रहे थे.

घट गई आदिवासियों की संख्या : पहले झारखंड में 44% आदिवासी थे, अब केवल 28% बचे हैं. बांग्लादेशी घुसपैठिए छल-कपट से यहां की बेटियों से शादी कर सत्ता पर काबिज हो रहे हैं. रुबी पहाड़िन जैसी बेटियों को बर्बरता से मारा जा रहा है. भाजपा का संकल्प है कि झारखंड की माटी, बेटी और रोटी की सुरक्षा की जाए. अगर इसी तरह चलता रहा तो 15-20 सालों में झारखंडी अपनी ज़मीन से बेदखल हो जाएंगे.

परीक्षा के नाम पर बंद कर दिया इंटरनेट : चौहान ने सरकार की विफलता पर सवाल उठाते हुए कहा कि हेमंत सोरेन ने 5 लाख सरकारी नौकरियों का वादा किया था. लेकिन इस सरकार ने युवाओं को वर्दी के बजाय कफन दिया. परीक्षा के नाम पर इंटरनेट बंद करके पेपर लीक नहीं होने देने का दावा किया, जबकि लीक तो सरकार के दलाल कर रहे थे. भाजपा की सरकार बनते ही खाली पदों को भरने का आदेश दिया जाएगा. कैलेंडर बनाएंगे और पहले महीने की 21 तारीख को यहां के युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे.

भाजपा की सरकार बनने पर बहनों के खाते में दोगुना पैसा जाएगा : चुनाव नजदीक आते ही हेमंत सोरेन को 'मंईयां सम्मान योजना' याद आई. उन्होंने 2,000 रुपये चूल्हा खर्च देने का वादा किया था, लेकिन 4 साल 10 महीने बाद भी किसी को कुछ नहीं मिला. भाजपा की सरकार बनने पर बहनों के खाते में दोगुना पैसा जाएगा, और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा, जैसा कि मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में 'लाडली योजना' के तहत किया जा रहा है. भाजपा की सरकार बनने पर ओडिशा की तर्ज पर झारखंड में भी धान खरीदा जाएगा. पीएम मोदी ने हर बहन को लखपति बनाने का संकल्प लिया है और हमारी सरकार बहनों की आमदनी 1 लाख रुपये से ज्यादा करने का लक्ष्य लेकर चल रही है.

जेएमएम का बताया मतलब : उन्होंने जेएमएम का मतलब बताते हुए कहा कि 'ज' से जुर्म, 'म' से मर्डर, और 'म' से माफिया. यह सरकार लूट की सरकार है, जहां इनके नेताओं के घर से करोड़ों रुपये बरामद हो रहे हैं. यह पैसा जनता की मेहनत की कमाई का है. अगर इसे बचाना है तो हेमंत सरकार को हटाना होगा. लोगों से अपील करते हुए कहा कि हेमंत सरकार कई लालच दे रही है. इनकी लालच में मत आना. आज भाजपा परिवर्तन यात्रा के माध्यम से झारखंड को बचाने और माटी, बेटी और रोटी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. भाजपा झारखंडियों की जिंदगी और तकदीर बदलेगी.

भाजपा की सरकार बनते ही भरे जाएंगे 2.87 लाख रिक्त पद : केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को बोकारो में आयोजित परिवर्तन सभा को संबोधित करते कहा कि भाजपा की सरकार आने पर 2.87 लाख रिक्त पदों को भरने का निर्णय पहली कैबिनेट में लिया जाएगा. इसके लिए एक कैलेंडर तैयार किया जाएगा ताकि युवाओं को रोजगार का अवसर मिले. संघर्ष का शंख फूंक दिया गया है. ब्राह्मण समाज ने स्वस्तिवाचन किया है और आशीर्वाद दिया है. मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की ओर से वचन देता हूं कि हम झारखंड की तस्वीर और तकदीर बदल देंगे. झारखंड में अन्याय और अपराध की पराकाष्ठा हो चुकी है. हेमंत सरकार ने बोकारो का विकास रोक दिया है। हवाई अड्डे के लिए अड़ंगा लगाया जा रहा है. भाजपा की सरकार बनने के 3 महीने के अंदर यहां का हवाई अड्डा प्रारंभ हो जाएगा.

बहनों को ठगने का काम कर रही है हेमंत सरकार: अन्नपूर्णा देवी

रांची। केंद्रीय मंझी अन्नपूर्णा देवी ने पलामू के छतरपुर में परिवर्तन यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि वादाखिलाफी के खिलाफ परिवर्तन यात्रा चल रही है. यह यात्रा रोटी, माटी, और बेटी को बचाने के लिए है, और हेमंत सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ है. हेमंत सरकार ने मंईयां सम्मान योजना लाकर हमारी बहनों को ठगने का काम किया है. उन्होंने वादा किया था कि सबसे पहले महिलाओं को चूल्हा खर्च देंगे मिला क्या? इस सरकार ने किसी को कुछ नहीं दिया. अब हमारी बहनें आपकी झांसे में नहीं आने वाली हैं.

परिवार के हित में काम कर रही सरकार : राज्य की सरकार आदिवासियों के हित में नहीं बल्कि परिवार के हित में काम कर रही है. आदिवासी के बेटे चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया गया था, लेकिन जेल से निकलने के बाद हेमंत सोरेन ने एक दिन भी उन्हें सीएम की कुर्सी पर बैठने नहीं दिया. यह कौन-सा आदिवासी प्रेम है? उनके लिए परिवार ही सब कुछ है. हेमंत सरकार ना ही युवाओं के हित में है और ना ही महिलाओं के हित में. राज्य में महिलाओं के प्रति अपराध बढ़ रहे हैं और राज्य की डेमोग्राफी बदल रही है. सीएम के इलाके में महिलाओं के साथ अपराध हुए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. **ना सहेंगे, ना कहेंगे, बदल कर रहेंगे :** भाजपा की सरकार परिवार के लिए काम करती है. आने वाले समय में विधानसभा में पूरा परिवर्तन करना है. हमें डबल इंजन की सरकार बनानी है.

आदिवासियों को ठगने का प्रयास कर रही सरकार: मुंडा

रांची। कोल्हान प्रमंडल के पोटका में आयोजित परिवर्तन यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कहते हैं कि राज्य में आदिवासी की सरकार है। हमेशा आदिवासी समाज रटते रहते हैं. लेकिन सच्चाई तो यह है कि सबसे ज्यादा आदिवासी समाज को ठगने का प्रयास हेमंत की सरकार ही कर रही है. मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या चंपाई दा आदिवासी नहीं थे? क्या वह आसमान से टपक के आये थे? आखिर, क्यों उनसे मुख्यमंत्री की कुर्सी छीनी गयी? यह पूरे आदिवासी समाज का अपमान है. यह सरकार युवाओं के लिए हत्यारी साबित हुई है. 5 लाख युवाओं को रोजगार देने का सपना दिखाकर सरकार ने केवल धोखा दिया. 600 युवाओं की भर्ती के नाम पर 5 लाख युवाओं को दौड़ाया गया, जिससे 17 युवाओं की मौत हो गई.

झारखंड में घुसपैठियों को हटाने की ताकत सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में: चंपाई सोरेन

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड में बड़ी संख्या में घुसपैठिए प्रवेश कर चुके हैं. इन्हें हटाने की ताकत सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में है. झारखंड की जनता अब परिवर्तन चाहती है, और आने वाले समय में भाजपा की सरकार बनेगी. सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने 5 साल के कार्यकाल में न तो कोई उद्योग स्थापित किया और न ही कोई खनन उद्योग शुरू किया. पांच लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा करने वाली सरकार अब घूसखोरी और भ्रष्टाचार में लिप्त है. समय आ गया है कि इस सरकार को बदला जाए.

नए सिरे से तय होगी वरीयता, विभागों से नयी सूची तय करके आपत्ति मांगी जाएगी

म्यूचुअल ट्रांसफर करा कर बिहार से झारखंड आये कर्मियों पर जूनियर बनने का खतरा

कौशल आनंद। रांची

म्यूचुअल ट्रांसफर करा कर बिहार से झारखंड आये अधिकारी-कर्मचारियों की सेवा पर डिमोशन का खतरा मंडरा रहा है. सरकार अब ऐसे अधिकारियों का नये सिरे से वरीयता का निर्धारण करने जा रही है. सभी विभाग जल्द ही नये सिरे से वरीयता सूची तय करके इस पर आपत्ति मांगेंगे, इसके बाद अंतिम वरीयता सूची का निर्धारण होगा. म्यूचुअल ट्रांसफर करा कर झारखंड आये अधिकारी व कर्मी वरीयता सूची में सबसे निचले पायदान पर कर दिये जायेंगे जिस वजह से अब कई वैसे पदाधिकारी प्रमोशन पाकर उप सचिव या अन्य प्रोन्नत पदों पर काबिज हैं उनका नयी वरीयता सूची जारी होने के बाद उक्त पदों से डिमोशन होना तय माना जा रहा है. दरअसल, सरकार ने झारखंड हाइकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के द्वारा पारित आदेश के बाद 28 सितंबर 2009 के आदेश को विलोपित करने का फैसला लिया है और गृह विभाग बिहार पटना के द्वारा दिनांक तीन फरवरी 2009 एवं कार्मिक विभाग झारखंड के 19 जुलाई 2009 के द्वारा परिचारित राज्य सरकार के पूर्व के निर्णय को दिनांक 19 जुलाई 2008 के भूतलक्षी प्रभाव से वापस प्रभावी कर दिया है. इस निर्णय का प्रभाव राज्य सरकार के सभी संवर्गो पर पड़ेगा. इस संबंध में कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो के हस्ताक्षर से आदेश जारी किया गया है और सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, सभी विभागाध्यक्ष, प्रमंडलीय आयुक्त व महाधिवक्ता कार्यालय झारखंड को पत्र लिखा है.

क्या है मामला : दरअसल, बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2009 के अधीन अंतिम संवर्ग विभाजन के बाद एकल आधार एवं पारस्परिक आधार पर स्थानांतरण के फलस्वरूप उनकी वरीयता निर्धारण किया जाना था. तत्कालीन बिहार सरकार के गृह विभाग ने तीन फरवरी 2009 और 17 दिसंबर 2009 को पत्र जारी कर यह सूचित किया ककि राज्य पुनर्गठन उच्च स्तरीय समिति की बैठक में वरीयता निर्धारण के बिंदु पर की गयी अनुशंसाओं पर पूर्ण विचार के बाद बिहार सरकार ने यह निर्णय लिया हे कि पारस्परिक सहमति एवं एकल स्थानांतरण के आधार पर किए गये राज्य स्थानांतरण में वरीयता का दावा मान्य नहीं होगा. अर्थात उक्त आधार पर स्थानांतरित कर्मी इस राज्य में अपनी कोटि-संवर्ग में नियुक्ति, पदोनति के वर्ष में कनीयतम हो जायेंगे. कार्मिक विभाग झारखंड ने हालांकि, बाद में 19 जुलाई 2008 को उक्त पत्र को निरस्त किया जिसमें एकल व म्यूचुअल ट्रांसफर करके झारखंड आने वाले कर्मी सबसे कनीय हो जाते. कार्मिक विभाग के द्वारा नियमों को शिथिल करने के बाद पारस्परिक ट्रांसफर से आये कर्मी की वरीयता दूसरे कर्मियों के साथ रह गयी. इसके बाद पूरा मामला झारखंड हाइकोर्ट में गया. सचिवालय सेवा के अधिकारी भी इस पर कोर्ट गये. हाइकोर्ट से सरकार के विरुद्ध आदेश आने के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया. वहां भी हाइकोर्ट के निर्णय को कायम रखा गया. इसके बाद कार्मिक विभाग ने 19 जुलाई 2008 के आदेश को वापस प्रभावी करने का फैसला लिया है. ऐसे में अब ऐसे कर्मियों के कारण नये सिरे वरीयता सूची का निर्धारण होगा जिसमें म्यूचल ट्रांसफर से आये कर्मी सबसे कनीय होंगे. यानी 100 अधिकारियों की कोई वरीयता सूची बनती है तो उसमें वे सबसे नीचे होंगे.

हटिया विस्थापित समिति ने नगड़ी सीओ को जवाब दिया

संवाददाता। रांची

मंगलवार को हटिया विस्थापित परिवार समिति के बैनर तले अध्यक्ष पंकज शाहदेव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगड़ी अंचल के अचंलाधिकारी से मुलाकात की. इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सीओ को जानकारी दी की कुटे में चार परिवार को जारी की गई नोटिस नाजायज है और समिति के द्वारा नोटिस के आलोक में जवाब दिया गया.

इस संदर्भ में प्रतिनिधिमंडल ने सीओ को अवगत कराते हुए कहा कि 2012 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की सरकार ने एक अध्यादेश लाकर कुटे, लाबेद, तिरिल, आनी और मुड़मा को अतिक्रमणकारी की श्रेणी से बाहर रखा और और साफ रूप से स्पष्ट किया कि ये गांव के लोग अतिक्रमणकारी नहीं बल्कि रैयत हैं. प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट रूप से कहा कि भविष्य में ऐसा कोई कार्य ना करते हुए सभी प्रस्तावित सरकारी गैर सरकारी योजनाओं को रद्द किया जाए, जिससे ग्रामीणों के मन मे भय का वातावरण पैदा ना हो. यदि सरकार अपनी ओर से किसी प्रकार के निर्माण कार्य का प्रयास करेगी तो हटिया विस्थापित परिवार समिति के बैनर तले ग्रामीण जोरदार आंदोलन करेंगे. प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शशि भूषण भगत, भाजपा नगड़ी के वरिष्ठ नेता केदार महतो, भाजपा नगड़ी के निवर्तमान अध्यक्ष राकेश केसरी, उत्तरी टुण्डुल की मुखिया ममता तिर्की , महावीर मुंडा, संजय लोहार सहित दर्जनों लोग शामिल रहे.

कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान से समझौता नहीं : केशव महतो कमलेश

खास बातें
- कांग्रेस सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से लेगी शपथपत्र
- कांग्रेस में हमारे सभी कार्यकर्ता ही सर्वोपरि होते हैं

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस के संवाद कार्यक्रम में शामिल पार्टी के नेता.

रांची जिला कांग्रेस के द्वारा मंगलवार को संवाद आपके साथ कार्यक्रम सांई बैंक्वेट हॉल, सामलौंग में संपन्न हुआ. जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो ने की.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एआईसीसी के रांची लोकसभा पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय, डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू, प्रदेश कांग्रेस के जिला पर्यवेक्षक सुरेंद्र प्रसाद यादव एवं खिजरी विधायक राजेश कच्छप आदि उपस्थित हुए. इस मौके पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है और आप सभी उसके रीढ़ हैं. उन्होंने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में पार्टी नई पहल करते हुए प्रत्याशी को कार्यकर्ताओं के प्रति उत्तरदायी एवं विकास कार्यों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु उनसे शपथ पत्र लेगी. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी में सर्वोपरि होते हैं इसलिए उनके मान-सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा.

बूथ स्तर पर कार्यकर्ता ही चुनाव जिताते हैं : उपाध्याय

सभा को संबोधित करते हुए रांची लोकसभा के पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय ने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही चुनाव जीताते हैं. अत: सशक्त बुथ कमिटी का निर्माण सुनिश्चित करना होगा. कार्यक्रम को मार्केटिंग बोर्ड अध्यक्ष रवींद्र सिंह आवास बोर्ड अध्यक्ष संजय लाल पासवान, अभिलाष साहू, योगेन्द्र साहु,अजय नाथ शाहदेव,अमूल्य नीरज खलखो, सतीश पॉल मुंजनी, सत्यनारायण सिंह, सुरेश बैठा, अमरेन्द्र सिंह,बेलस तिर्की,सुंदरी तिर्की, सीता लकड़ा आदि ने अपने विचार रखे.

न्यूज अपडेट

भोले बाबा की फौज ने मनायी खुशियां

हाईकोर्ट द्वारा पहाड़ी मंदिर ट्रस्ट की पुरानी कमेटी को बहाल रखने के निर्देश के बाद पहाड़ी मंदिर में मंगलवार को देर शाम खुशी मनाते भोले की फौज के सदस्य.

कमेटी ने अभियंता प्रमुख को किया सम्मानित

रांची । भारतीय एकता कमेटी की ओर से मंगलवार को ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंता प्रमुख जय प्रकाश सिंह को बेहतरीन कार्य के लिये फूल माला व बुके देकर सम्मानित किया गया. मौके पर कमेटी अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा, सचिव रामेश्वर राम, महासचिव बुलंद अख्तर, कामता यादव शामिल थे.

मुलाकात

वक्फ संशोधन बिल को लेकर मुस्लिम नेता चिराग पासवान से मिले

बिल पर हमारी पार्टी का स्टैंड मुस्लिमों के साथ है : चिराग

संवाददाता। रांची

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मिले मुस्लिम समुदाय के लोग,

वक्फ संशोधन बिल 2024 को वापस लेने की मांग को लेकर मंगलवार को रांची में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरु और सामाजिक कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधिमंडल लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान की अगुवाई में मिला. प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वार प्रेषित मांग पत्र सौपा. प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री द्वारा लोकसभा में पारित करने के लिए रखे गये वक्फ संशोधन बिल पर आपत्ति जताते हुए जेपीसी को भेजने के लिए किये गए कार्य पर आभार जताते हुए उन्हें बताया कि भारत सरकार द्वारा लाया गया वक्फ संशोधन बिल संविधान की मूल भावना के साथ समानता के अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है, वक्फ सम्पत्ति और वक्फ एक्ट को लेकर देश को गुमराह किया जा रहा है, देश में जो वक्फ की जो सम्पति है अधिकतर मुस्लिम पूर्वज द्वारा दान किया गया है जिसमें मस्जिद, मदरसा, ईदगाह, मजार, दरगाह, कब्रिस्तान, मुसाफिरखाना, शैक्षणिक संस्थान आदि है, वर्षो से स्थापित और सरकार व वक्फ बोर्ड द्वारा चिन्हित धार्मिक स्थलों पर बड़े माफियाओं की नजर है. सरकार द्वारा लाये गये संशोधन बिल वक्फ एक्ट, वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल को कमजोर कर कलेक्टर के हाथों में शाक्ति देता है जो कही से न्याय उचित नहीं है और लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ भी है, इसलिए वक्फ संशोधन बिल 2024 को वापस किया जाना चाहिए. साथ ही वक्फ अधिनियम 1995 के तहत वक्फ सम्पत्ती को कब्जा मुक्त कराकर वक्फ बोर्ड के हवाले करने की प्रयास भारत सरकार को करनी चाहिए.

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि देश में संविधान और न्याय की रक्षा अपने पिता के की तरह करूगा, किसी भी वर्ग समुदाय के साथ अन्याय नहीं हो मेरा प्रयास रहेगा. उन्होंन कहा कि वक्फ संशोधन एक्ट को लेकर हमारे पार्टी का स्टैण्ड मुस्लिम समुदाय के साथ है. प्रतिनिधमंडल में मुस्लिम पर्सनल लाख बोर्ड के प्रो यासिन कासमी, जमीयत उल्लमा हिंद के प्रदेश महासचिव मौलान असगर मिसबाही, मस्जिद जफरिया के मौलान सैयद तहजबुल हसन रिजवी, मजलिस उल्लमा झारखंड के मौलान साबिर हुसैन मजहरी, मदरसा दारूल उलमा रातू के सदर मौलान जियाउल होदा, अल्पसंख्यक मामलो के जानकार एस अली, समाजिक कार्यकर्ता तनवीर अहमद, हसन अंसारी आदि शामिल थे.

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के साथ स्वयंसेवी संस्थाएं भी करेगी सहयोग : निदेशक

संवाददाता। रांची

स्वयंसेवी सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि राज्य में आउट ऑफ स्कूल बच्चों को विद्यालय से जोड़ने, शून्य ड्रॉपआउट सुनिश्चित करने और शत प्रतिशत नामांकन कराने में सहयोग प्रदान करेंगे, साथ ही वे स्कूल स्कोर कार्ड, प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन को भी सुनिश्चित करेंगे. राज्य शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा 24 स्वयंसेवी सहयोगी संस्थाओ के प्रतिनिधियों एवं जिला प्रभाग प्रभारियों के लिए इस संबंध में विशेष संयुक्त प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यशाला में राज्य शिक्षा परियोजना के निदेशक आदित्य रंजन मुख्य रूप से शामिल थे. उन्होंने प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर शिक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के साथ-साथ स्वयंसेवी सहयोगी संस्थाओं का भी अहम योगदान है.

बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने में संस्थाएं सहयोग दें : विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता को उत्कृष्ट बनाने और बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने में संस्थाएं सहयोग दें, उन्होंने संस्थाओं द्वारा समर्थित विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन, ट्रांजिशन और शून्य ड्रॉपआउट के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए प्रत्येक माह कम से कम 10 विद्यालयों के लक्ष्य को प्राप्त करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि जिस भी विद्यालय में जाएं वहां के स्कूल स्कोर कार्ड का अनुश्रवण भी करें. उन्होंने राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी एवं राज्य कार्यक्रम कर्मियों को अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में चयनित स्वयंसेवी सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को 3 दिन का विशेष प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया.

सेतु गाइड से बच्चों को मिलेगी प्रशिक्षण : इस वर्ष भी चयनित आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 'सेतु गाइड' का आयोजन किया जायेगा. कार्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं जिला शिक्षा अधीक्षकों को विस्तृत दिशा निर्देश भेज दिया गया है, इसके तहत सेतु गाइड केंद्रों की स्थापना की जायेगी.

नजदीक आती जा रही दुर्गा पूजा, आकार लेने लगे राजधानी के पूजा पंडाल

बकरी बाजार

चंद्रशेखर आजाद

ओसीसी क्लब

शहर के पूजा पंडाल

भव्य दरबार में विराजेंगी मां दुर्गा, जगमगाएगा पूजा स्थल

प्रगति प्रतीक क्लब किशोरगंज

संवाददाता ।रांची

प्रगति प्रतीक क्लब दुर्गा पूजा समिति, किशोरगंज का पूजा पंडाल बन कर तैयार है. पश्चिम बंगाल के कारीगर साज-सज्जा के काम को अंतिम रूप देने में जोर-शोर से लगे हैं. यहां काल्पनिक मंदिर के प्रारूप पर आधारित पंडाल की मनोहारी छटा देखते ही बनेगी. खड़गपुर के झंटू दा पुरुलिया से आए पांच सहयोगी कारीगरो संग पंडाल को मूर्त रूप दे रहे हैं. बांस, थरमोकॉल, बीट आदि से सजे-संवरे भव्य दरबार में मां दुर्गा अन्य देवी-देवताओ संग आभा बिखेंगी. झंटू दा ने बताया कि 55 ऊंचा, 50 फीट लंबा और उतना ही चौड़े पंडाल का ढांचा मात्र 15 दिनों में खड़ा कर दिया गया है. साज-सज्जा का काम भी नवरात्र के चतुर्थी तिथि तक हर हाल में पूरा कर दिया जाएगा. शिल्पकार अमित पाल भी मां सहित सभी देवी-देवताओं की प्रतिमा गढ़ चुके हैं. रंग-रोगन का काम चल रहा है. समिति के अध्यक्ष मनीष सिंह और उपाध्यक्ष सुनील दुबे ने बताया कि पंचमी तिथि को आम भक्तों के लिए पट खोल दिए जाएंगे. पूजा स्थल के आस-पास आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी. सुनील ने बताया कि पूजनोत्सव के दौरान दोनों प्रहर पूजन-आरती के साथ विशेष भोग बांटा जाएगा. वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों की सुमधुर स्वरलहरियों से वातावरण गुंजायमान रहेगा. दर्शनार्थी विजयदशमी तक यहां पूजनोत्सव का लुफ्त उठा सकेंगे. भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो इसका खास ख्याल रखा जाएगा. इसके लिए समिति के पदाधिकारी और सदस्य मौके पर मौजूद रहेंगे.

1967 से हो रही पूजा : सुनील दुबे और राजेश पांडे ने बताया कि यहां 1967 से लगातार पूजनोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. शुरुआती दौर में कम बजट की पूजा होती थी, लेकिन समय के साथ कदम ताल करते हुए समिति की पूजा भव्य रूप लेती गयी. वर्ष 2000 के बाद से तो वृहत रूप में दुर्गोत्सव मनाया जा रहा. इस बार की पूजा को और भी खास बनाने की तैयारी है. इसी कारण लगभग 15 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है.

गठित पूजा समिति : मुख्य संरक्षक भाजपा नेता रमेश सिंह. संरक्षक पत्रकार सानू झा, मुख्य संयोजक नवीन चंचल, राजेश पांडेय, अध्यक्ष मनीष सिंह, उपाध्यक्ष सनील दुबे, सचिव शिवनंदन मिश्र, कोषाध्यक्ष सुरेश सोनी, प्रदीप जालान, अमर सोनी, पियूष दुबे, सुरेंद्र वर्मा, बबलू जायसवाल, गुड्डू दुबे, पप्पू तिवारी, संजय शर्मा, काली शर्मा आदि.

देते हैं अपना बेस्ट : झंटू

कारीगर झंटू बताते हैं कि डेकोरेशन का काम वे युवावस्था से ही कर रहे हैं. हर जगह पूरे मनोयोग से काम करते हैं. अपना बेस्ट देने का उनका प्रयास हमेशा से रहता है. प्रगति प्रतीक क्लब में भी मात्र पांच सहयोगियो के साथ स्वयं रात-दिन काम कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि काम की कमी नहीं है. पूजा के बाद शादी-विवाह का काम शुरू हो जाएगा, फिर सभी उसमें व्यस्त हो जाएंगे. बढ़ती महंगायी के कारण पूरे साल घर-बार छोड़ काम में जुटे रहना पड़ता है. इस काम से ज्यादा कमाई तो नहीं होती, पर सभी का खर्च निकल जाता है.

न्यूज अपडेट

सीसीएल में भाषण एवं नारा प्रतियोगिता का आयोजन

रांची। सतर्कता जागरूकता अभियान-2024 के अंतर्गत मंगलवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में सीसीएल मुख्यालय एवं गांधीनगरअस्पताल द्वारा राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति विषय पर भाषण एवं नारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में कुल 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया. कार्यक्रम के दौरान सतर्कता विभाग, सीसीएल मुख्यालय एवं गांधीनगर अस्पताल के अधिकारीगण मौजूद थे. उन्होंने विद्यार्थियों में ईमानदारी की संस्कृति विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला. बता दें की सतर्कता जागरुकता अभियान के तहत पूरे सीसीएल में तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित कर सत्य निष्ठा एवं पारदर्शी कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित किया जा रहा है.

नेत्रहीन बालिका विद्यालय में मनाया गया हिंदी पखवाड़ा

रांची। मेकॉन लिमिटेड रांची द्वारा 14 से 29 सितंबर तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है. इसी कड़ी में मेकॉन ने मंगलवार को ब्रजकिशोर नेत्रहीन बालिका विद्यालय में हिन्दी नाटक और कविता पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. विद्यालय की दिव्यांग बालिकाओं द्वारा लघु नाटक और कविता पाठ का मंचन किया गया. इस दौरान बालिकाओं ने हिन्दी दिवस के महत्व और महत्वपूर्ण तिथियों से अवगत कराया. मेकॉन द्वारा बालिकाओं को उनकी प्रतिभागिता के लिए स्मृति चिह्न भी प्रदान किया गया. इस अवसर पर मेकॉन लिमिटेड रांची से महाप्रबंधक (लौह निर्माण) एवं प्रभारी राजभाषा विश्वरजीत कुमार, राजभाषा टीम के सदस्य तथा ब्रजकिशोर नेत्रहीन बालिका विद्यालय की समन्वयक निलू वर्मा, शिक्षकगण तथा छात्राएं उपस्थित रहीं.

श्रीश्याम मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया सुंदरकांड पाठ

रांची। श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में मंगलवार को साप्ताहिक 120वां सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ किया गया. शाम चार बजे मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजा-अर्चना कर ज्योत जगायी. इसके बाद गणेश वंदना से पाठ प्रारंभ हुआ. मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ सस्वर पाठ कर भक्ति की अविरल धारा बहायी. शाम सात बजे पाठ समापन के बाद श्रीश्याम प्रभु की सामूहिक आरती उतारी गयी. श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद बांटा गया. पुष्पा देवी पोद्दार, श्रवण ढानढनिया, मुकेश मित्तल, राजेश जायसवाल आदि ने विविध सेवाओं में योगदान दिया. अध्यक्ष सुरेश सरावगी, प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, स्नेह पोद्दार मौके पर मौजूद थे. नारसरिया ने बताया कि अब शनिवार की रात एकादशी कीर्तन होगा. उन्होंने श्रद्धालुओ से इसमें भाग लेने की अपील की है.

पारा थ्रो बॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड चैंपियन

रांची। पारा थ्रो बाल फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में पारा ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ झारखंड के द्वारा खेलगांव के हरिवंश टानाभगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित बीसीसीएल कप पारा थ्रो बॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दोनो वर्गों में झारखंड कि टीम चैंपियन बनी. मंगलवार को पुरूष वर्ग के फाइनल मुकाबले में झारखंड ने राजस्थान को 3-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया, जबकि हरियाणा को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा. फाइनल में कांटे के टक्कर देखने को मिली, झारखंड ने राजस्थान को 15-13, 15-12, 11-15 एवं 15-10 से मात दिया. बात दें महिला वर्ग में झारखंड ने राजस्थान को 2 -0 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया था.

चतरा राइफल क्लब के 15 खिलाड़ी आसनसोल रवाना

रांची। चतरा राइफल क्लब के 15 निशानेबाज 8 वीं ईस्ट जोन राइफल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए आसनसोल रवाना हुए. 26 से 30 सितंबर तक आसनसोल में आयोजित प्रतियोगिता में ये खिलाड़ी भाग लेंगे. इस प्रतियोगिता में छह राज्यों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. इस चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन प्री-नेशनल चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा. ये सारे खिलाड़ी कोच नीतीश कुमार के नेतृत्व में इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं. **भाग लेने वाले खिलाड़ी:** - तानु कुमारी (राइफल शूटर), पृथ्वीराज (राइफल शूटर), फरहान अख्तर (राइफल शूटर), फइक अख्तर (राइफल शूटर), उजाला सिंह (राइफल शूटर), आयुषी सिंह (राइफल शूटर), ऋषभ झा (राइफल शूटर), स्नेहा कुमारी (पिस्टल शूटर).

नवरात्रि में मैहर स्टेशन पर ट्रेनों का अस्थाई ठहराव

रांची। रेल मंत्रालय द्वारा नवरात्रि मेला के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 18609/18610 रांची-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रांची एक्सप्रेस का जबलपुर मंडल के मैहर स्टेशन पर पांच मिनट के लिए अस्थाई ठहराव किया गया है.

आज संतान की दीर्घायु की दुआ मांगेंगी माताएं

नहाय-खाय के साथ जीवित्पुत्रिका व्रत प्रारंभ

संवाददाता ।रांची

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि मंगलवार को नहाय-खाय के साथ जीवितपुत्रिका व्रत प्रारंभ हो गया. सुबह-सबेरे स्नान-ध्यान कर माताओं ने नेम-निष्ठा से व्रत का संकल्प लिया. मडुआ आटे की रोटी, भात, दाल और तरकारी शुद्ध और सात्विक तरीके से पकायी. भगवान जीमूतवाहन का ध्यान धर भोग लगाया. चिल्हो-सियारिन और कौओं के नाम से भी भोग निकाला. फिर स्वयं भोजन ग्रहण कर व्रत की तैयारी में दिनभर जुटी रहीं. अर्धरात्रि के बाद सरगी की रश्म अदा की गयी. साथ ही व्रतियों का निर्जला उपवास प्रारंभ हो गया,

अब अष्टमी तिथि बुधवार को जीवित्पुत्रिका पर्व श्रद्धाभाव से मनाया जायेगा. माताएं संतान की लंबी आयु की कामना करेंगी. माना जाता है कि इस व्रत को धारण करने वाली व्रतियों की संतानें दीर्घायु होने के साथ सुखी-संपन्न होती हैं. बच्चों को मरण-दोष से मुक्ति मिलती है. रोग-शोक और दुःखो का अंत हो जाता है. इसी भाव से महिलाएं नेम-निष्ठा से निर्जला व्रत धारण कर पूजा-अर्चना करेंगी. घरो में तो पूजा-अर्चना की ही जाएगी, मंदिरों में भी महिलाएं सामूहिक पूजन कर जीमूतवाहन भगवान के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित करेंगी. घर-घर विशेष पाकवान बनाएं जाएंगे. 26 सितंबर को व्रती पूजा-अर्चना कर बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त करेंगी. पुत्र और पुत्री के गले में पूजित रक्षा सूत्र बांधेंगी. बाद में जलादि ग्रहण कर व्रत का पारण करेंगी. झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और नेपाल आदि में यह व्रत काफी लोकप्रिय है.

जीवित्पुत्रिका व्रत का शुभ मुहूर्त

आचार्य अजय मिश्र ने बताया कि मंगलवार की शाम 05 :50 बजे से अष्टमी तिथि प्रारंभ हो रहा है, जो 25 सितंबर की शाम 04 :56 मिनट तक रहेगी. उदीयमान तिथि में अष्टमी तिथि मिलने से संपूर्ण दिवस पूजन किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि व्रत का पारण गुरुवार को नवमी तिथि में किया जाना शास्त्रसम्मत रहेगा.

सीबीएसई जोनल राइफल शूटिंग

उन्नति ने जीते एक स्वर्ण व एक कांस्य पदक

रांची। बिहार के अररिया स्थित आर्य मिशन स्कूल में आयोजित ईस्ट जोन सीबीएसई ज़ोनल राइफल शूटिंग चैंपियनशिप झारखंड कि उन्नति बाघवार ने एक स्वर्ण समेत दो पदक अपने नाम किया. 20 से 24 सितंबर तक आयोजित प्रतियोगिता में उन्नति बाघवार ने 19 वर्ष आयु वर्ग में 10 मीटर पीप साइट एयर राइफल में टीम स्पर्धा में अनुष्का कच्छप और श्रृष्टि प्रिया के साथ स्वर्ण पदक और व्यक्तिगत इसी वर्ग में कांस्य पदक जीता. इस जीत के साथ उन्नति ने सीबीएसई नेशनल में जगह बनाई. बता दें उन्नति रांची स्थित डीएवी हेहल की आठवीं की छात्रा है और बाघवार एकेडमी चान्हों के निदेशक अशोक बाघवार की पुत्री है. इस उपलब्धि से इसके माता-पिता, विद्यालय के खेल शिक्षक अज़ीमजी एवं साथ में प्रतियोगिता में गई शिक्षिका मौसमी बहुत खुश हैं. उन्नति कटहल मोड़ स्थित एकलव्य राइफल शूटिंग क्लब में प्रशिक्षक गोविन्दा कुमार से प्रशिक्षण लेती है.

बैंक कर्मियों की कमी से ग्राहक सेवा पर भी प्रतिकूल प्रभाव

रांची । झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की प्रेस कांफ्रेंस मंगलवार को की गई. मौके पर एआईआरआरबीओएफ में राष्ट्रीय महासिचव सृजन पाल ने संबोधित करते हुए पदोन्नति नीति पर कहा कि शाखाओं में कर्मचारियों की कमी के कारण ग्राहक सेवा व व्यवसाय पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. पदोन्नति के संबंध में ग्रामीण बैंकों में जो मौजूद दिशा निर्देश हैं वह प्रायोजित बैंकों के बराबर नहीं हैं. हमने मांग रखी है कि इसे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समान होना चाहिये. उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय से स्पष्ट निर्देश होने के बावजूद प्रायोजित बैंकों के अनुरूप वेतन नहीं मिल रहे हैं. जिससे अधिकारी बेहतर विकल्प की तलाश में ग्रामीण बैंकों को छोड़ते जा रहे हैं. मौके पर झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से एसोसिएशन के अध्यक्ष अचिता चाकी, महासिचव बिकेश कुमार, कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार शामिल थे.

33वीं सीनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप में झारखंड के निशांत तिर्की और कविता क्वार्टर फाइनल में

संवाददाता।रांची

उत्तराखंड के राजपुर स्थित महराणा प्रताप स्टेडियम में आयोजित 33 वीं सीनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप (पुरुष और महिला) के चौथे दिन आर्मी और पुलिस के खिलाड़ियों का रहा दबदबा बनाते हुए विभिन्न वर्गो में पदको पर कब्जा जमाया. इस दौरान खिलाड़ियों ने ताऊलु और सानसाउ वर्ग की प्रतिस्पर्धा में पदको के लिए जोर आजमाइश की. वहीं झारखंड के निशांत तिर्की और कविता कुमारी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. चौथे दिन प्रतियोगिता में वुशु एसोसिएशन के पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने अपनी उपस्थिति से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया.

ताऊलु की प्रतिस्पर्धा के परिणाम

जिनगीक्वान पुरुष : गोल्ड-शिवम भाटी -आई टी बी पी, सिल्वर -एन इनाबोआ सिंह -सी आर पी एफ, ब्रॉन्ज - हिमांशु त्यागी, एस एस सी बी.

दाऊशु पुरुष : गोल्ड-एम सूरज सिंह -एस एस सी बी, सिल्वर-शशि तमंग -एस एस सी बी, ब्रॉन्ज - रोहित जाधव -आल इंडिया पुलिस.

जियांशु पुरुष : गोल्ड-सुमित पुलामी -आल इंडिया पुलिस, सिल्वर-अंजुल नामदेव -एस एस सी बी, ब्रॉन्ज - एल नेल्सन मेतेइ -मणिपुर.

ताईजीजिआन पुरुष : गोल्ड-एच करनजीत शर्मा -एस एस सी बी, सिल्वर-के मोनिश सिंह -मणिपुर, ब्रॉन्ज - एल नाओखोम्बा मेतेइ -एस एस बी.

शियांगदाओ पुरुष : गोल्ड - शुभमनी पांडे -मध्यप्रदेश, सिल्वर-महादेव पांडे -पंजाब, ब्रॉन्ज - हरीश कुमार -एस एस बी.

बागुआझांग महिला: गोल्ड -ईशा मिश्रा -बिहार, सिल्वर-दिव्या चौधरी -राजस्थान, ब्रॉन्ज - एल बिजेशोरी चानू -आई टी बी पी.

दाऊशु महिला : गोल्ड-एन वांगसु -अरुणाचल प्रदेश, सिल्वर -जीवन विजेता - हरियाणा, ब्रॉन्ज -पद्मनी नारजरी -एस एस बी.

जियांशु महिला : गोल्ड-मर्सी नगाइमोंग -अरुणाचल प्रदेश, सिल्वर -तान्या जाटव -मध्यप्रदेश, ब्रॉन्ज -वाई इचानतोम्बी -मणिपुर.

शुआंग जिआन महिला: गोल्ड-अनुराधा दुबे -आल इंडिया पुलिस, सिल्वर -एस सुभाश्री -तमिलनाडु, ब्रॉन्ज -दिव्या चौधरी -राजस्थान.

इंटरनेशनल फैशन इवेंट में आईआईएफटी रांची का जलवा

संवाददाता रांची

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (आईआईएफटी) रांची के फैशन डिजाइनिंग छात्रों ने हाल ही में गुरुग्राम (गुड़गांव) में आयोजित ग्लोबल इंडिया कुट्योर वीक में अपने क्रिएटिव डिज़ाइन्स के जरिए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. इस प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश-विदेश के जाने-माने फैशन डिज़ाइनर्स के साथ-साथ बॉलीवुड की मशहूर हस्तियों जैसे करिश्मा कपूर, उर्वशी रौतेला और नुसरत भरुचा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर इवेंट को और खास बना दिया.फैशन इवेंट में मॉडल्स के साथ-साथ देश के शीर्ष कोरियोग्राफर्स ने भी अपनी भूमिका निभाई. विशेष रूप से, राष्ट्रीय स्तर के फैशन कोरियोग्राफर प्रसाद बिदापा ने आईआईएफटी रांची के छात्रों के फैशन शो का निर्देशन किया, जिससे यह आईआईएफटी रांची के लिए एक गर्व का क्षण बन गया. आईआईएफटी रांची के छात्र-छात्राओं में जेसिका, पुनम, ऋतिका, पुतुल, शिवानी, ज़न्नत, गीता और राहुल ने अपने आकर्षक कलेक्शन को प्रस्तुत किया. इस पूरे शो में तैयार किए गए सभी आउटफिट्स आईआईएफटी रांची की फैकल्टी अनामिका सिंह और श्वेता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में तैयार किए गए थे, जिन्होंने छात्रों को हर कदम पर मार्गदर्शित किया. इस विशेष मौके पर आईआईएफटी के विभिन्न केंद्रों के डायरेक्टर्स और ग्रुप के चेयरमैन रत्नदीप लाल भी उपस्थित थे.

ऑल इंडिया सब जूनियर अंडर 13 बैडमिंटन रैंकिंग चैंपियनशिप 26 से

खेल संवाददाता।रांची

खेलगांव स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में 26 सितंबर से 1 अक्टूबर तक ऑल इंडिया सब जूनियर अंडर 13 बैडमिंटन रैंकिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है. मंगलवार को रांची बैडमिंटन संघ ने प्रेस वार्ता पर प्रतियोगिता की जानकारी दी. झारखंड बैडमिंटन संघ के प्रभाकर राव, रांची जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष आरके मल्लिक, सचिव एनके डे ने मौके पर कहा कि इस प्रतियोगिता में देशभर के लगभग 400 बालक व बालिका भाग लेंगे. 26 और 27 सितंबर को प्रारंभिक मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें एकल मुकाबले में टॉप 32 और युगल में टॉप 16 बालक और बालिका खिलाड़ियों को मेन ड्रॉ में जगह मिलेगी. प्रतियोगिता के उद्घाटन में डीजीपी अनुराग गुप्ता और खेल विभाग के सचिव मनोज कुमार रहेंगे. वहीं प्रतियोगिता के समापन समारोह में खेल मंत्री मिथिलेश ठाकुर और मंत्री दीपिका पांडे सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहेंगी.

झारखंड के पांच खिलाड़ी को मिली सीधी इंट्री : ऑल इंडिया सब जूनियर अंडर 13 प्रतियोगिता में झारखंड के 5 खिलाड़ियों को मेन ड्रॉ में सीधी इंट्री मिली. जिसमें संवित रमेश ने पॉइंट्स के आधार पर क्वालीफाई किया है. जबकि गिरिडीह के डी राजवीर, गोड्डा के प्रिंस, रांची कि वान्या खन्ना और आशिता को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है. 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक मेन ड्रॉ का आयोजन होगा. प्रतियोगिता के आयोजन के लिए 16 ऑफिशियल्स बाहर से आ रहे हैं.

सराहनीय पहल | जिले के 300 शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किए जाने का लक्ष्य

रांची जिले में तंबाकू मुक्त युवा अभियान का शुभारंभ

संवाददाता।रांची

रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार की अध्यक्षता में अगले 60 दिनों तक चलने वाले तंबाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 की शुरुआत हुई. इस दौरान सिविल सर्जन के सभागार में हस्ताक्षर अभियान किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में तंबाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता लाया जाना है. कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सिविल सर्जन रांची द्वारा बताया गया कि तंबाकू के इस्तेमाल से प्रत्येक वर्ष तकरीबन 14000 लोगों की मृत्यु हो जाती है, जो की काफी चिंता का विषय है. तंबाकू इंडस्ट्री उन इंडस्ट्री में से एक इंडस्ट्री है जो अपने ग्राहकों को मौत का सामान बेचने का काम करती है. इसकी रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा कोटपा एक्ट 2003 अधिनियम बनाया गया है जिसका शक्ति से अनुपालन कराया जाना अति आवश्यक है, ताकि शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में तंबाकू पदार्थ की बिक्री एवं इस्तेमाल में कमी लाई जा सके. तंबाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 के तहत जिले के तकरीबन 300 शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किए जाने का लक्ष्य निर्धारण किया जाना है.

जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी ने कहा की हमें तंबाकू मुक्ति केंद्र जिले के साथ-साथ प्रखंड स्तर पर भी बनाया जाना है, ताकि लोगों को तंबाकू की लत से निजात दिलाने के लिए परामर्श दिया जा सके. समय-समय पर प्रशिक्षण, कैंप, अखबार नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से भी लोगों में जागरूकता लाया जाएगा. तंबाकू के दुष्प्रभाव की रोकथाम के लिए तंबाकू रथ सिविल सर्जन रांची द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, साथ ही प्रभात फेरी सिविल सर्जन कार्यालय से फरायलाल होते हुए पुनः सिविल सर्जन कार्यालय तक राष्ट्र सेवा योजना के वालंटियर के साथ निकल गया. इस कार्यक्रम के दौरान एसीएमओ, डीआरसीएचओ, आईडीएसपी एपिडेमियोलॉजी, चिकित्सा पदाधिकारी, जिला सलाहकार तंबाकू नियंत्रण इकाई रांची एवं स्वास्थ्य पदाधिकारी, इस अवसर पर सिविल सर्जन कार्यालय के कर्मचारी पदाधिकारी , डॉक्टर एवं मारवाड़ी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियर उपस्थित रहे.

जिला किक बॉक्सिंग टीम राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रही

संवाददाता।रांची

झारखंड ओपन दो दिवसीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में रांची की टीम ने 21 से 22 सितंबर तक धनबाद के गोविंदपुर स्थित केके पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान बनाने में सफल हुए. इस अवसर पर रांची जिला किक बॉक्सिंग के अध्यक्ष विनय सिन्हा दीपू ने सभी खिलाड़ियों और कोच को बधाई दिया और सम्मानित करने की घोषणा किया. उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ियों का लगातार प्रदर्शन लगातार बेहतर होता जा रहा है, राज्यस्तरीय और राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. प्रतियोगिता में महासचिव गुलाम जावेद रैफरी रहे. टीम कोच कमल किशोर कच्छप मैनेजर सिंटू कुमार थे. रांची जिला परिणाम इस प्रकार रहा, 25 वर्ष सीनियर वूमेन 50 कि ग्रा में काजल कुमारी काष्या पदक,कोमल सलोनी लकड़ा 13 वर्ष 49 कि ग्रा में स्वर्ण पदक,रिधिमा 13 वर्ष 35 कि ग्रा में रजत पदक,रजनी कुमारी 23 वर्ष सीनियर महिला में रजत पदक, मनी कुमारी 16 वर्ष 36 कि ग्रा में रजत पदक, आयुष कुमार 14 वर्ष 75 कि ग्रा में स्वर्ण पदक अनुज कुमार 16 वर्ष 60 कि ग्रा में रजत पदक प्रिंस राज ताना भगत 13 वर्ष 33 किग्रा में स्वर्ण पदक रोहित उरांव 17 वर्ष 59 किग्रा में कांस्य पदक फैजल अंसारी 11वर्ष 33 किग्रा में रजत पदक रूपेश कुमार महतो 16 वर्ष 53 किग्रा में कांस्य पदक उमेर अराफात 16 वर्ष 55 किग्रा में स्वर्ण पदक याद राज कश्यप 12 वर्ष 50 किग्रा में कांस्य पदक प्राप्त किए.

दूसरी पार्टियों के नेताओं की नजर जयराम महतो की पार्टी पर, कई पार्टी के नेताओं ने खरीद कर रखा है जेकेएलएम का चुनावी फॉर्म

राजनीति : झामुमो व भाजपा के मौसमी नेताओं को लुभा रहा जेएलकेएम का फॉर्म

अमित सिन्हा। धनबाद

- विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हैं मौसमी नेता
- खुद की पार्टी से चुनाव का टिकट मिलने की उम्मीद कम

चुनाव लड़ने के इच्छुक नेता जिन्हें अपनी पार्टी पर पूरी तरह यह भरोसा नहीं है कि पार्टी उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट देगी, वैसे नेताओं का भरोसा जेएलकेएम पर बनता जा रहा है. पार्टी सूत्रों के अनुसार, झारखंड मुक्ति मोर्चा के कुछ नेताओं ने जेएलकेएम का फॉर्म खरीदा है. इनमें निरसा, सिंदरी, टुंडी और बाघमारा के नेता सबसे आगे हैं.

हालांकि, झामुमो के नेताओं ने फॉर्म खरीदने की बात को काफी गुप्त रखा है. इसके बावजूद पार्टी के भीतर कानाफूसी शुरू हो गई है.जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम ने विधानसभा चुनाव में हर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छा रखनेवाले नेताओं के लिए फॉर्म निर्गत किया है. जिसे भर कर पांच हजार की राशि के साथ जमा कराना है. यह फॉर्म किसी भी पार्टी के नेता ले सकते हैं.

संशय में हैं निरसा और सिंदरी के झामुमो नेता : निरसा और सिंदरी विधानसभा में मासस का जनाधार काफी मजबूत है. मासस के भाकपा माले में विलय के बाद से दोनों विधानसभा के झामुमो नेता अपनी राजनीतिक भविष्य को लेकर संशय में है. भाकपा माले के गठबंधन में शामिल होने की वजह से झामुमो नेताओं को लग रहा है कि निरसा और सिंदरी विधानसभा की सीटें गठबंधन के तहत लाल हाथों में चली जाएगी. ऐसे में उनका अस्तित्व क्या होगा?

निरसा के एक कद्दावर झामुमो नेता ने फॉर्म खरीदा, पर साधे हुए हैं चुप्पी

निरसा विधानसभा में झामुमो के एक कद्दावर नेता ने जेएलकेएम का फॉर्म पहले ही खरीद कर रख लिया है. सूत्रों की मानें, तो अगर निरसा से झामुमो उन्हें टिकट नहीं देती है, तो वह जेएलकेएम के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे. वहीं सिंदरी विधानसभा के एक नेता ने भी अपनी पत्नी के नाम पर जेएलकेएम का फॉर्म खरीद कर रखा है. वैसे तो वह सिंदरी विधानसभा के पुराने नेता हैं, लेकिन कुछ दिनों तक पार्टी से अलग अपना राग अलाप रहे थे. इधर उन्हें पार्टी ने सम्मान तो दिया, लेकिन टिकट मिलने की संभावना काफी कम है. ऐसे में झामुमो नेता ने अपनी अलग पंक्ति बनाने की चाहत में पत्नी को ढाल बना लिया है.

टुंडी व बाघमारा के नेताओं ने भी लिया है जेएलकेएम का फॉर्म

टुंडी के एक झामुमो नेता, कोयले की कमाई से स्वयंभू लोकप्रिय बन बैठे हैं. अब उनकी लालसा हैं कि पार्टी उन्हें टुंडी विधानसभा से टिकट दे. टुंडी से पार्टी का सीटिंग विधायक होने के कारण उन्हें टिकट मिलने की उम्मीद नहीं है. इसलिए उन्होंने भी जेएलकेएम का फॉर्म खरीद रखा है. वैसे इनका ज्यादा समय बाघमारा में ही गुजरता है. इधर, धनबाद विधानसभा के भी एक नेता ने फॉर्म खरीद कर बस्ते में रख लिया है. पार्टी ने उन्हें बोलने का काम दिया है, लेकिन वह अब लड़ना चाहते हैं. इसी प्रकार बाघमारा के एक झामुमो नेता ने भी बाघमारा से चुनाव लड़ने की मंशा लेकर फॉर्म खरीदा है.

भाजपा के नेता भी फॉर्म खरीदने में पीछे नहीं हैं

टुंडी और बाघमारा विधानसभा के भाजपा नेताओं ने भी जेएलकेएम का फॉर्म खरीद कर रख लिया है. जेएलकेएम का टिकट देने का अंतिम निर्णय तो पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो का होगा, लेकिन जेएलकेएम का फॉर्म खरीदने में भाजपा व झामुमो दोनों पार्टी के नेता आगे हैं.

ब्रीफ खबरें

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बुढ़मू। ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के पतरातू गांव निवासी वसीम अंसारी को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. जानकारी के अनुसार गिरफ्तार युवक के विरुद्ध न्यायालय से वारंट निर्गत था. थाना प्रभारी विनित कुमार ने बताया कि पतरातू गांव में हुए मारपीट में वसीम अंसारी नामजद अभियुक्त था.

कार्यकर्ता सम्मेलन का किया आयोजन

सिल्ली/मुरी। बिसरिया पंचायत में झामुमो ने कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन पंचायत अध्यक्ष अरूण यादव की अध्यक्षता में हुआ. इसमें 29 सितंबर को कुटाममें बिसरिया पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन करने का निर्णय लिया गया. इसमें मुख्य अतिथि रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम एवं विशिष्ट अतिथि सिल्ली प्रभारी सह रांची जिला उपाध्यक्ष रामानंद बेदिया उपस्थित रहेंगे.

सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की बैठक संपन्न

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड के राधिका मैदान में मंगलवार के दिन दुर्गा पूजा को लेकर सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की ओर से बैठक का आयोजन किया गया. दुर्गा पूजा को भव्य तरीके और हर्षोल्लास के साथ मनाने को लेकर विचार विमर्श किया. सर्वसम्मति से अनुरूमा मॉडल स्कूल के संचालक रमन साहू को अध्यक्ष के रूप में चुना गया.

भुवालटोली में आजसू पार्टी की बैठक हुई

नामकुम। प्रखंड की सिलवे पंचायत अंतर्गत भुवालटोली में आजसू पार्टी की बैठक आशा टोप्पो के अध्यक्षता में की गई. मुख्य अतिथि के रूप में आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव ने कहा कि ये 30-35 घरों में बसे ग्रामीण विकास के अभाव की जिंदगी जीने को मजबूर हैं. न हीं शुद्ध पीने को पानी न हीं चलने को रोड है. ग्रामीणों ने कहा कि रोड नहीं तो इस बार वोट नहीं.

जितिया पूजा में माताओं ने किया निर्जला व्रत

सिल्ली/मुरी। पुत्र की दीर्घायु और कल्याण की कामना को लेकर किया जाने वाला जितिया व्रत सिल्ली मुरी समेत प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार को विधि विधान के साथ संपन्न हुआ. व्रती माताओं ने निर्जला उपवास रखकर भगवान जीमूत वाहन की विधिवत पूजा-अर्चना एवं जीवित पुत्रिका व्रत कथा का नियमानुसार श्रवण किया.

एनएसएस दिवस पर पौधरोपण अभियान

ओरमांझी। मनरखन महतो बीएड कॉलेज बीआईटी मोड़ केदल ने मंगलवार को एनएसएस दिवस पर पौधरोपण अभियान चलाया. कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के अध्यक्ष मनरखन महतो व ट्रस्टी विरेन्द्रनाथ ओहदार, खुशबू सिंह, कृति काजल, निदेशक मनोज महतो, प्रबंधक मुकेश कुमार, प्रशासिका मीना कुमारी, प्राचार्य डॉ. दूधेश्वर महतो ने किया.

उड़ान कोचिंग सेंटर की प्रवेश परीक्षा 28 को

सिल्ली/मुरी। गूंज परिवार द्वारा संचालित उड़ान निशुल्क कोचिंग सेंटर में सत्र 2024- 25 की प्रवेश परीक्षा आगामी 28 सितंबर को दिन 2 बजे आयोजित होगी. आवेदन की अंतिम तिथि 26 सितंबर तक है. सिल्ली कॉलेज सिल्ली, एसएस प्लस टू हाईस्कूल सोनाहातु, बालिका हाईस्कूल डोमनडीह राहें एवं प्रोजेक्ट हाईस्कूल जोन्हा में परिक्षा केंद्र बनाए गए हैं.

मंईयां सम्मान यात्रा, रोड शो और जनसभा में कल्पना सोरेन बोलीं

दीदी और बहनों ने फ्लॉप कर दी विपक्ष की पिक्चर

विशेष संवाददाता। गढ़वा/रांची

गढ़वा में गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब.

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा पलामू प्रमंडल में दूसरे दिन भी जारी रही. मंगलवार को मंत्री बेबी देवी, दीपिका पांडेय सिंह, मिथिलेश ठाकुर और विधायक कल्पना सोरेन ने मां गढ़ देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर इस यात्रा का शुरुवात गढ़वा से की. यह यात्रा मंगलवार को गढ़वा से शुरू होकर मझियांव, हैदरनगर, हुसैनाबाद, छतरपुर, नावा मोड़, पाटन, दलित छात्रावास होते हुए डाल्टनगंज पहुंची.

इस दौरान कहीं रोड शो, तो कहीं पर जनसभा का आयोजन किया गया. गढ़वा में आयोजित एक सभा के दौरान कल्पना सोरेन ने महिलाओं से पूछा कि आप इस मंईयां सम्मान योजना से खुश हैं या नहीं. महिलाओं का जवाब सुनने के बाद उन्होंने कहा कि झारखंड में मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना हिट है. जब झारखंड की दीदी बहनों ने इसे हिट कर दिया है, तो विपक्ष को वैसे ही जवाब मिल गया है कि उनकी पिक्चर फ्लॉप है. दीदी-बहनों को महीने के हजार और साल के 12 हजार देने के लिए मुख्यमंत्री जी को बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं. यह क्रांतिकारी सोच है. जनसभा को मंत्री बेबी देवी, दीपिका पांडेय सिंह और मिथिलेश ठाकुर ने भी संबोधित किया.

- पलामू प्रमंडल में दूसरे दिन गढ़वा से शुरू हुई मंईयां सम्मान यात्रा यात्रा

हेमंत के जेल में कटे पांच महीने का जनता जवाब देगी : कल्पना ने कहा कि हम आपसे और विपक्ष से पूछना चाहते हैं कि पांच महीने हेमंत सोरेन जी का कौन लाकर देगा, जो बिना कसूर के जेल में रहे.अब बारी जनता की है. जनता को इस बार जवाब देना है. बहुत लोग आपको बरगलाने के लिए आएंगे. कहेंगे कि यह योजना केंद्र की तरफ से चल रही है, लेकिन आपको दिग्भ्रमित नहीं होना है.

केंद्र से खनिज रॉयल्टी मिली होती, तो विकास कई गुना तेज होता

कल्पना ने कहा कि झारखंड के खनिज पर केंद्र की नजर रहती है. हेमंत जी ने एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये केंद्र से मांगा है, लेकिन अभी तक पैसा नहीं मिला है. अगर ये राशि मिल जाती, तो झारखंड का विकास और कई गुना तेजी से होता. ये मंईयां सम्मान योजना हमने जब शुरुआत की, तो इनके लोगों ने पीआईएल कर दिया. झारखंड में ऐसी योजना आती है, तो पीआईएल हो जाता है और भाजपा शासित राज्यों में आता है, तो संवैधानिक हो जाता है.

बिना किसी भेदभाव के सभी वर्ग के लिए काम कर रहे हैं हेमंत सोरेन

झामुमो गरीब गुरबा की आवाज बन कर आगे बढ़ा है. हेमंत सोरेन बिना भेदभाव किये हर वर्ग को साथ में लेकर चलते हैं. झारखंड में बहुत सारे नेता केंद्र से आ रहे हैं, लेकिन मजदूर भाइयों के लिए बात करने वाला कोई नहीं है. हेमंत जी केंद्र से हमेशा यही मांगते थे कि मनरेगा का जितना पैसा है, दिया जाए. लेकिन जब गरीब, शोषित वंचित की बात आती है, तो ये लोग सुनते नहीं है. उसके बाद हेमंत जी ने राज्य के मनरेगा मजदूरों का पैसा बढ़ाने का काम किया.

राहे के पूर्व प्रमुख दुर्लभ सिंह मुंडा का निधन

राहे। प्रखंड के पूर्व प्रमुख 43 वर्षीय दुर्लभ सिंह मुंडा का आकस्मिक निधन मंगलवार को हो गया है.

2015 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में नावाडीह पंचायत से पंचायत समिति सदस्य जीतने के बाद राहे प्रखंड के प्रमुख बने थे, लेकिन 17 मई 2018 को सदस्यों के अविश्वास प्रस्ताव से प्रमुख पद से हट गए थे. पुनः 15 मार्च 2019 को 2 मत से जीतकर प्रमुख बने थे. उन्होंने आजसू पार्टी से राजनीतिक पारी शुरू की थी. निजी कारणों से आजसू से इस्तीफा देकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी. 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान पुनः आजसु पार्टी में शामिल होकर राजनीति में सक्रिय थे.

विधायक ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

बुंडू। अड़की प्रखंड के चूकलू ग्राम में 16 टोला की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान किरण सोए ने की. बैठक में सभापति सह तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा के समक्ष कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से मंईयां सम्मान योजना से संबंधित, वृद्धा पेंशन, सर्वजन पेंशन योजना, ट्रांसफार्मर रही. हुमटा पंचायत के जाड़ेया ग्राम अंतर्गत जितवा पूजा में भी विधायक सम्मिलित हुए. साथ ही ग्रामीणों को हाथी से हो रही परेशानियों को देखते हुए डीएफओ, खूंटी से संपर्क कर जल्द समस्या का निवारण करने को कहा गया. मौके पर अड़की विधायक प्रतिनिधि मनोज मंडल, अड़की बीस सूत्री अध्यक्ष भोला लाल, प्रदीप सिंह मुंडा, पूर्व मुखिया जावरा पहान, उमेश महतो आदि उपस्थित रहे.

न्यूज अपडेट

पीएलएफआई के सदस्य की संदिग्ध हालात में मौत

इटकी। पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य मनीष कच्छप उर्फ मंगा उरांव का रहस्यमय ढंग से मौत हो गयी. उसका शव परिजनों ने लोहरदगा जिले के न्यू राज हॉस्पिटल के स्ट्रेचर में पाया गया. उसका दाहिना हाथ केहनु के पास टूटा हुआ था. शरीर में कहीं भी खरोंच का भी निशान नहीं था. गढ़गांव शव पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद इटकी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सशत्र बलों के साथ पहुंच कर शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया. मृतक मंगा उरांव की पत्नी दशमी उराईन ने पुलिस को अपने फर्द बयान में जानकारी दी कि अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आया.

बुंडू के चौराहे पर बत्ती नहीं जलती, रहता है अंधेरा

बुंडू। बुंडू के मेन रोड स्थित टॉवर चौक अस्पताल रोड की बत्ती पिछले एक महीने से नहीं जलती है. इसके कारण चौक के एक कोने में अंधेरा छाया है. यहां लगा सोलर लाइट और कोने की बत्ती अज्ञात कारणों से नहीं जलती है. स्वीच भी खराब है. बरसात में इस स्वीच से करेंट भी मारता है. किसी भी दिन बड़ी घटना घट सकती है. मौखिक रूप से इसकी सूचना नगर पंचायत के कर्मचारी को भी दी गयी है फिर भी इसे बनवाने में नगर पंचायत की कोई दिलचस्पी नहीं है. इस संदर्भ में लोगों ने चौक पर कोई लूटपाट की कोई घटना घटने से पूर्व इस चौक की बत्तियों को अविलंब बनवाने की मांग नगर पंचायत से की है.

स्कॉलरशिप परीक्षा में शामिल हुए छात्र-छात्राएं

मांडर। भारथी एजुकेशन ट्रस्ट की ओर से बीएड, डीएलएड, जीएनएम नर्सिंग एवं डी फार्मा के लिए मंगलवार को भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के प्रत्येक विभाग में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया. महाविद्यालय के सचिव नितिन पराशर ने कहा कि यह स्कॉलरशिप कार्यक्रम महाविद्यालय का अपना है. शैक्षणिक सचिव सह प्राचार्या दीपाली पराशर ने कहा कि परीक्षा के माध्यम से कुल 13 छात्र/छात्राओं का चयन किया जाएगा. प्रथम पुरस्कार स्वरूप 25,000 रुपये, द्वितीय स्थान पाने वाले को 20, 000 रुपये, तृतीय स्थान पाने वाले को 15,000 रुपये, चतुर्थ से आठवां स्थान पानेवाले छात्र/छात्राओं को 10,000 रुपये तथा नौवें से 13वें स्थान पाने वाले प्रति विद्यार्थी को 5,000 रुपये समंजित किये जाएंगे.

परिवर्तन यात्रा के तहत चुटूपालु पंचायत में हुई बैठक

ओरमांझी। प्रखंड के पालू गांव में राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा के तहत चुटूपालु पंचायत का भाजपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक की गई. बैठक में पूर्व विधायक रामकुमार पाहन प्रभारी के रूप में उपस्थित हुए. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि परिवर्तन यात्रा का मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना है. हमें जनता के बीच जाकर उनके मुद्दों को समझना और सरकार के खिलाफ मजबूत आंदोलन खड़ा करना है. इस यात्रा के माध्यम से हम राज्य की जनता को सही जानकारी देंगे और उन्हें जागरूक करेंगे." सभी ने एक स्वर में झारखंड को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का संकल्प लिया.

होटलो गांव में हाथियों के झुंड ने फसल को रौंदा

राहे। प्रखंड के होटलो गांव में सोमवार की रात हाथियों के झुंड ने खेत में लहलहाते धान के फसल को रौंद दिया है. साल भर की मेहनत चंद मिनटों में बर्बाद हो रही है. किसान हताश हैं. किसान सोना दास, विनोद गोंझू, संजय महतो, जयदेव महतो, गोकुल दास, निरण महतो, परमेश्वर महतो, धर्मेंद्र महतो आदि की दस एकड़ जमीन में लगी धान की फसल बर्बाद हुई है. किसानों ने वन विभाग से मुआवजा की मांग की है. 40-45 की संख्या में हाथियों का झुंड बांस वन में एक सप्ताह से डेरा डाले हुए हैं. इसमें कुछ की संख्या में रेलाडीह, हुमटा, जाड़ेया , डूगली वन होते हुए होटलो जंगल में पहुंचे हैं.

पंचायत सचिवालय में मनाया गया पोषण दिवस

ओरमांझी। नेवरी पंचायत सचिवालय में बुधवार को पोषण दिवस मनाया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य संजय कुमार महतो व विशिष्ट अतिथि के रूप में नेवरी पंचायत के उप मुखिया मजहर अंसारी शामिल हुए. महतो ने बंधन शाखा के कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि सेवा भावना से किया गया हर कार्य इंसान या संस्थान को उच्च शिखर पर पहुंचाता है. लोग स्थानीय खानपान से दूर होने और बाहरी खाद्य पदार्थों का सेवन ज्यादा करने कि वजह से बीमारियों की चपेट में आ रहा है. बाहरी खान पान से खुद क़ो और अपने परिवार के सदस्यों क़ो बचने की आवश्यकता है.

बीएसओ के नहीं आने से ग्रामीण नाराज, नारेबाजी

रातू। प्रखंड दिवस होने के बाद भी मंगलवार को रातू के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के नहीं आने एवं कार्यालय में ताला बंद रहने से नाराज प्रखंड के 20 पंचायतों से अपने विभिन्न कामों के सिलसिले में आए ग्रामीणों में खासकर महिलाओं ने बीएसओ के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की. ग्रामीणों का कहना है कि हमलोग दूरदराज़ गांवों से आते हैं और दूसरे से भाड़ा मांग कर प्रखंड कार्यालय आते हैं. फिर कार्यालय में अधिकारी एवं कर्मचारी नदारद मिलते हैं तो निराशा के साथ-साथ पैसे और समय की बर्बादी होती है. मामूली कामों के लिए भी महीनों चक्कर लगाना पड़ता है.

गिरफ्तार आरोपी की थाने में मौत, पुलिस पर गंभीर आरोप

संवाददाता। डंडई (पलामू)

> डंडई थाना कांड संख्या 59/2024 के आरोपी को सोमवार की शाम 5 :30 बजे उसके घर से गिरफ्तार किया गया था. उसे थाना में हाजत के सामनेवाले बाल मित्र कक्ष में रखा गया था. मंगलवार की सुबह जब चौकीदार शौच कराने के लिए उसे लेने गया, तो खिड़की में फांसी के फंदे में लटका देखा. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. – **नीरज कुमार, डीएसपी**

डंडई थाना में मंगलवार की सुबह एक गिरफ्तार आरोपी का शव थाना के अंदर करीब चार फीट ऊंची खिड़की में फंदे से लटकता हुआ पाया गया. पुलिस ने आरोपी बच्चा भुईयां को जरही निवासी धनंजय साहू को चाकू मारने के आरोप में सोमवार की शाम गिरफ्तार किया था. घटना की सूचना पर मुख्यालय डीएसपी नीरज कुमार, डंडई बीडीओ जागो महतो थाना पहुंचे और थाना प्रभारी जनार्दन रावत से घटना की जानकारी ली.

इधर, गिरफ्तार आरोपी के परिजनों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, वे लोग थाना पहुंचे. लखन भुईयां, सुकदयाल भुईयां, रंजन भुईयां, तेतर भुईयां, सुरेंद्र भुईयां, श्याम लाल भुईयां, एस कुमार भुईयां व अशोक भुईया ने थाना में विरोध प्रदर्शन किया. परिजनों की मानें, तो पुलिस ने बीते शुक्रवार की रात ही बच्चा भुईयां को पकड़ कर थाना लाया था. चार दिनों तक गिरफ्तार आरोपी को थाने में क्यों रखा, यह समझ से परे है. परिजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई से बच्चा भुईयां की मौत हुई है और साक्ष्य छुपाने के लिए पुलिस फांसी लगाने की बात कह रही है.

मांडर कॉलेज के एसआरसी ब्लॉक का शिलान्यास शिल्पी नेहा ने किया

उच्च शिक्षा से ही विकास संभव : बंधु तिर्की

संवाददाता। मांडर

पूर्व मंत्री और झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखंड में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचना के तेज़ी से विकास से ही शैक्षणिक उन्नति, रोजगार सृजन और संपूर्ण क्षेत्र की आर्थिक-सामाजिक समृद्धि एकसाथ संभव है. तिर्की ने कहा कि पिछले पांच साल में इंडिया गठबंधन की सरकार ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचनात्मक विकास के लिये अभूतपूर्व काम किया है.

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड के द्वारा रांची के मांडर कॉलेज में निर्माण कराये जानेवाले एसआरसी ब्लॉक का शिलान्यास मंगलवार को मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के द्वारा किया गया. उन्होंने आह्वान किया कि सभी छात्र-छात्राओं को समय की कीमत और अपनी क्षमता को हर हाल में समझना चाहिये. उन्होंने सभी से अपील की कि पढ़ाई का मिला अवसर बहुत अधिक महत्वपूर्ण है, जिसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता. इस सुनहरे अवसर को किसी भी रूप में हल्के में लेने से सख़्त परहेज करने की जरूरत है. शिलान्यास समारोह में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिंह, मांडर कॉलेज के प्राचार्य, महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका और गैर शिक्षिकेत्तर कर्मचारियों सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे.

पहल राष्ट्रीय सेवा योजना का 55 वां स्थापना दिवस मनाया गया

स्कूली बच्चों ने निकाली स्वच्छता जागरूकता रैली

सुनील कुमार गुप्ता। बेड़ो

स्वच्छता रैली में शामिल राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ नेहा टोप्पो सहित शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं.

करमचंद भगत महाविद्यालय बेड़ो के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना का 55वां स्थापना दिवस मनाया गया. स्वच्छता पखवाड़ा के तहत छात्र-छात्राओं ने शिक्षक-शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में जागरूकता रैली निकाली. कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर प्रदीप कुमार अधिकारी के निर्देश पर रैली का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ नेहा टोप्पो, एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी नितेश कुमार पासवान एवं पुनम कुमारी ने संयुक्त रूप से किया. इस कार्यक्रम में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मीना पूर्ति ने भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई. रैली को हरी झंडी प्राचार्य ने दिखाई. रैली कॉलेज परिसर से रांची गुमला मुख्य पथ होते हुए देवी मंडप चौक, बाजार टांड़, जिला परिषद मार्केट, महावीर चौक होते हुए महादानी मैदान पहुंची, जहां लोगों को जागरूक किया गया. कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने नारा लगाया पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ, मन में रखो एक ही सपना, स्वच्छ भारत देश अपना जैसे नारे लगाते छात्र-छात्राओं का जत्था रैली की शक्ल में महादानी मैदान पहुंचे. यहां छात्र-छात्राओं ने हजारों लोगों की उपस्थिति में स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया. फिर जागरूकता अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं का समूह वापस कॉलेज लौटा. इस दौरान स्वच्छता का संकल्प भी लिया गया.

नक्सलियों ने मनोहरपुर में बैनर-पोस्टर चिपकाया

किरीबुरु। भाकपा माओवादियों ने सारंडा के मनोहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मीना बाजार क्षेत्र में बैनर व पोस्टर चिपकाया. सूचना पर मनोहरपुर पुलिस ने मंगलवार की अहले सुबह तमाम बैनर व पोस्टरों को हटाया. उल्लेखनीय है कि भाकपा माओवादी 21 सितंबर से 20 अक्टूबर तक पूरे एक महीने पार्टी का 20वां स्थापना दिवस मनाने तथा केंद्र सरकार के निर्देश में चलाये जा रहे ऑपरेशन कगार को परास्त करने के लिए जनयुद्ध को तेज करने का ऐलान किया है. इसी से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध पोस्टर व बैनर लगाये जा रहे हैं. माओवादी के कई बड़े नेता और दस्ता के हथियारबंद सदस्य अभी भी सारंडा जंगल में शरण लिए हुए हैं.

आरटीए कार्यालय का लिपिक रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

संवाददाता। हजारीबाग

- परमिट रिनुअल के नाम पर मांगे थे 6000 रुपये, एसीबी की टीम ने की कार्रवाई

गिरफ्तार लिपिक विकास कच्छप.

भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी एसीबी ने प्रादेशिक वाहन प्राधिकार उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, कार्यालय के लिपिक विकास कच्छप को 6,000 रुपये घूस लेते हुए गिरफ्तार किया है. एसीबी की यह कार्रवाई विजय बस के मालिक राजकुमार उर्फ बबलू की शिकायत पर हुई है. बबलू ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसकी बस के परमिट का रिनुअल होना है. इसके लिए संबंधित लिपिक छह हजार रुपये की मांग कर रहे हैं.

शिकायतकर्ता ने यह भी बताया था कि उसकी बस देवघर-रांची मार्ग पर चलती है. कार्रवाई के संबंध में एसीबी के एसपी आरिफ अनवर ने बताया कि शिकायतकर्ता के आवेदन के सत्यापन के क्रम में प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार कार्यालय हजारीबाग में कार्यरत लिपिक विकास कच्छप द्वारा परमिट रिनुअल करने के एवज में आवेदक से रिश्वत मांगने की बात की पुष्टि हुई. इसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हजारीबाग की ट्रैप टीम ने मंगलवार की दोपहर लिपिक विकास कच्छप को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष मंगल पराक्रम में कमी करेगा. साथ ही आत्मबल में वृद्धि होगी. भाई-बहनों के सहयोग का समय है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

वृष क्रोध और अति उत्साह से बचना चाहिए. कोई नया कार्य करने का योग है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी.

मिथुन बल और पराक्रम में वृद्धि होगी. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क दिन थोड़ा ह्रास वाला होगा. साथ ही मानसिक तनाव रहेगा. अपनों से विवाद को बढ़ावा न दें. पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. अन्न जल का दान करें.

सिंह कोई छोटी यात्रा से लाभ होगा. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. भाग्य का साथ मिलेगा. किसी से कोई बहस से बचें साथ ही प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी.

कन्या किसी पूज्य का आशीर्वाद मिलेगा. कार्य में सफलता मिलेगी. जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. गणेश जी का पूजन करें.

तुला कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आपके कार्य के प्रभाव से आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं. जल दान करें.

वृश्चिक किसी से विवाद हो सकता है. व्यापार से अच्छे लाभ का योग है. कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा.

धनु समय उत्तम है. अपनो के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

मकर यदि बहुत जरूरी नहीं हो तो उधार लेने से बचें. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें. अन्न दान करें.

कुंभ संतान के कार्य पर ध्यान दे. परीक्षा का सुंदर परिणाम होगा. पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. मंदिर में दर्शन पूजन करें.

मीन सुख के सामान मिलेंगे, पर माता को कष्ट होगा. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. मंदिर में दीपक दान करें.

पेज एक का शेष...

खत्म हुए तीन कृषि कानून...

क्या कहा कंगना रनौत ने : कंगना रनौत ने मीडिया से बातचीत के दौरान अपना जुड़ाव किसान परिवार से बताया. उन्होंने कहा, किसानों के जो कानून हैं, जो वापस हो गए हैं, मुझे लगता है उन्हें फिर से लाने चाहिए. हो सकता है यह विवादित हो जाए, लेकिन मुझे लगता है कि किसानों के हितकारी कानून वापस आने चाहिए और किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए. ताकि हमारे किसान समृद्ध हो सकें. किसानों की समृद्धि में ब्रेक नहीं लगना चाहिए. देश के विकास में किसान मजबूती के मुख्य स्तंभ हैं. मैं चाहती हूं कि वे खुद अपील करें कि हमारे जो तीन कानून वापस ले लिए गए, उन्हें वापस लाया जाए. मैं हाथ जोड़ कर उनसे विनती करती हूं कि सब किसानों के हित को ध्यान में रख कर वे कानून वापस मांगें.

जमीन घोटाले में चलेगा...

हम सीएम के साथ खड़े हैं: शिवकुमार : वहीं कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, मुख्यमंत्री द्वारा इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं है. उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है. वह किसी घोटाले में शामिल नहीं हैं. यह भाजपा द्वारा एक राजनीतिक साजिश है. हम उनके साथ खड़े हैं, हम उनका समर्थन करते हैं. वह देश, पार्टी और राज्य के लिए अच्छा काम कर रहे हैं. मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा, हमें कानून पर भरोसा है. हम इसका मुकाबला करेंगे. हम डबल बेंच, अन्य बेंच और सुप्रीम कोर्ट में (फैसले पर) सवाल उठाएंगे. हम मुख्यमंत्री के साथ खड़े हैं.

आर्थिक मोर्चे पर खुशखबरी ...

ऐसे में आरबीआई द्वारा अक्टूबर में होने वाली एमपीसी की बैठक में ब्याज दरों को कम किया जा सकता है. हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में दो बार ब्याज दरों में कटौती हो सकती है. वैश्विक रेटिंग एजेंसी की ओर से 2024 के लिए चीन की विकास दर को 4.8 प्रतिशत से घटाकर 4.6 प्रतिशत कर दिया गया है. एसएंडपी का मानना है कि देश में प्रॉपर्टी सेक्टर में मंदी, कमजोर घेरलू मांग और नीति निर्माताओं द्वारा राजकोषीय नीति को सरल न बनाने के कारण चीन की अर्थव्यवस्था की विकास दर 2025 तक घटकर 4.3 प्रतिशत हो सकती है.

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी की हो सीबीआई जांच

साजिश का पता न चले इसलिए राज्य में बंद करा दिया इंटरनेट: बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार के खिलाफ अपने तेवर और तल्ख कर लिए हैं. उन्होंने कहा कि बीजेपी प्रदेश कार्यालय में जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के अभ्यर्थियों ने मुझसे मुलाकात की और परीक्षा में हुई साजिश से अवगत कराया. बाबूलाल ने ट्वीट में आगे लिखा है कि हेमंत सरकार ने इस बार जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में चोरी कराने का नया तरीका ईजाद किया और पूरे राज्य में इंटरनेट बंद कर दी, ताकि किसी को

इनकी साजिश का पता न चले.

पहले से ही प्रश्न सेट कर परीक्षा में चोरी कराने का तरीका खतरनाक

एसएससी-सीजीएल के सवालों से खा रहे मेल

बाबूलाल ने आगे लिखा है कि दरअसल, इस जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में जो प्रश्न आए हैं, वो पूर्व में हुई एसएससी-सीजीएल परीक्षा के प्रश्नों हुबहू मेल खा रहे हैं. जेएसएससी-सीजीएल रिजनिंग के 20 में 16 प्रश्न एसएससी-सीजीएल 2018-19 टियर 1 (7 जून 2019) से हूबहू मिलते पाए गए हैं. जेएसएससी-सीजीएल मैथ के 20 में 16 प्रश्न एसएससी संयुक्त स्नातक स्तर (टियर-2) सीबीटी परीक्षा(आठ अगस्त2022) से हूबहू मिलते पाए गए. यह बेहद ही संदेहास्पद है.

पहले ही कर लिया गया सीटों का सौदा

बाबूलाल ने आगे लिखा है कि छात्रों को आशंका है कि नौकरी बेचने वाली हेमंत सरकार ने पहले से ही जेएसएससी-सीजीएल की सीटों का सौदा कर लिया है और अपने चहेतों को संबंधित प्रश्नों के उत्तर रटवा दिया है। जब झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के पास प्रश्न तैयार करने का समय नहीं था, तो फिर हड़बड़ी में परीक्षा करा के छात्रों का भविष्य क्यों बर्बाद किया.

जनवरी में हुई जेएसएससी परीक्षा के पेपर लीक के बाद, पहले से ही प्रश्न सेट कर परीक्षा में चोरी कराने का ये तरीका खतरनाक है. सीट बेचने की साजिश बार-बार बेनकाब होने के बावजूद हेमंत सरकार द्वारा युवाओं को धोखा देने की मानसिकता खतरनाक है. जनता अब इंटरनेट बंदी के पीछे का सारा खेल समझ चुकी है. सरकार युवाओं की मांग का संज्ञान लेकर अविलंब जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी की सीबीआई जांच कराए.

सरकार दलित और आदिवासियों का खा रही हक

झामुमो कांग्रेस की सरकार झारखंड के गरीब, दलित और आदिवासियों का हक़ खा रही है. कांग्रेस पार्टी के नेताओं के घर से नोटों के ढेर बरामद हो रहे हैं. ऐसी भ्रष्ट, लुटेरी झामुमो कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर के ही झारखंड का भविष्य सुरक्षित रखा जा सकता है.

लोहरदगा जिला कांग्रेस कमेटी दो गुटों में बंटी नजर आई

कांग्रेस की बैठक में हो-हंगामा, जमकर नारेबाजी

संवाददाता। लोहरदगा

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार लोहरदगा विस क्षेत्र में उम्मीदवारों के बारे में विस्तृत जानकारी इकट्ठा करने के लिए प्रतिनियुक्ति पर्यवेक्षक भीम कुमार लोहरदगा जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे. वहां पर लोहरदगा विधानसभा चुनाव को लेकर बारी-बारी से कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से रायशुमारी ली. यहां पर प्रवेक्षक की मौजूदगी में लोहरदगा जिला कांग्रेस कमेटी दो गुटों में बंटी हुई नजर आई और दोनों गुट के कार्यकर्ता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते हुए दिखाई दिए.

इस बीच बैठक के दौरान काफी हो-हंगामा और जमकर नारेबाजी भी की गई, जहां पर सांसद सुखदेव भगत के द्वारा मुखर होकर स्थानीय प्रत्याशी की मांग रखी. सांसद सुखदेव भगत ने अपने संबोधन में कहा कि लोहरदगा विधानसभा सीट को बाहरी लोगों के द्वारा चारागाह बना दिया गया है, जो अब बिल्कुल भी बर्दाश्त करने लायक नहीं है. उन्होंने साफ लहजे में कहा कि लोहरदगा विधानसभा चुनाव में स्थानीय लोगों को ही तरजीह दी जानी चाहिए, जिससे लोहरदगा में कांग्रेस पार्टी की साख भविष्य में मजबूत बनी रहे, सांसद सुखदेव भगत ने स्थानीय कार्यकर्ता को आगामी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाए जाने की मांग राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी से मुलाकात कर रखे जाने की बात कही. वहीं बैठक में वर्तमान विधायक सह सूबे के मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि आलाकमान के निर्णय और फैसले का स्वागत किया जाएगा. उन्होंने कहा कि लोहरदगा विधानसभा सीट पर पार्टी की ओर से जिन्हें भी टिकट देगी उसे सहर्ष स्वीकार किया जाएगा. यहां पर बता दें कि कांग्रेस पार्टी के टिकट से लोहरदगा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने हेतु कुल 10 उम्मीदवारों की सूची हाई कमान को भेजा गया है, जिसमें वर्तमान विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, जिलाध्यक्ष सुखेर भगत, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सह ओडिशा प्रभारी अभिनव सिद्धार्थ भगत, पूर्व डीसी सह कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो,

लोहरदगा में मंच पर मौजूद मंत्री रामेश्वर उरांव, सांसद सुखदेव भगत व अन्य नेतागण.

कांग्रेस की बैठक में बैठे नेताओं के समर्थक, जिन्होंने हो हंगामा किया.

- **कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाया**
- लोहरदगा विस चुनाव को लेकर कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने पार्टी कार्यालय में बैठक कर ली जानकारी
- **लोहरदगा को चारागाह नहीं बनने दिया जाएगा : सुखदेव भगत**
- आलाकमान के फैसले को सहर्ष स्वीकार किया जाएगा : डॉ. रामेश्वर उरांव

जगदीप भगत, युवा जिलाध्यक्ष विशाल डुंगडुंग, पेशरार प्रखंड कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्ष विनोद सिंह खेरवार, जिप अध्यक्ष रीना कुमारी, रमा खलखो, प्रभात भगत शामिल हैं. यहां पर पार्टी की ओर से प्रखंड स्तर पर प्रवेक्षक प्रतिनियुक्त कर बैठक कर कार्यकर्ताओं से बातचीत की जा चुकी है. अब ऐसे में सर्वे और समीक्षा के बाद आलाकमान कौन कार्यकर्ता को लोहरदगा विधानसभा सीट पर उतारता है, यह कुछ दिन बाद लोहरदगा की जनता के बीच इसका परिणाम स्पष्ट हो जाएगा.

इधर पहली पाली में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर भीम कुमार द्वारा की गई समीक्षा. वहीं द्वितीय पाली में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के केंद्रीय निर्देशानुसार प्रतिनियुक्त किए गए ओडिशा में मंत्री रहे अमरजीत भगत ने लोहरदगा पहुंचकर जिला कार्यालय में कार्यकर्तागण से बैठक की और विस्तृत जानकारी प्राप्त की. उल्लेखनीय है कि जिलाध्यक्ष सुखेर भगत के अध्यक्षता में आयोजित रामशुमारी बैठक में आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की भावना को जानना है. उसके बारे में बारीकी से जानने के लिए केंद्र से अमरजीत भगत और प्रदेश से भीम कुमार को पर्यवेक्षक प्रतिनियुक्त कर भेजा गया था. बैठक जैसे ही प्रारंभ हुआ, मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं द्वारा स्थानीय उम्मीदवार को लोहरदगा विधानसभा का प्रत्याशी बनाने की मांग की. बैठक में बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्तागण मौजूद थे.

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा धांधली पर युवाओं का विरोध

- सरकार राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है : हर्ष अजमेरा

संवाददाता। हजारीबाग

शहर के जैक एंड जिल स्कूल में आयोजित जेएसएससी सीजीएल प्रतियोगिता परीक्षा में खोरठा पेपर लीक होने का आरोप अभ्यर्थियों ने लगाया है. कहा कि प्रश्न पत्र के सील टूटे हुए थे. कहा कि खोरठा पेपर का बुकलेट ऊपर से सील था और जब उसे खोला गया तो अंदर का सील टूटा मिला. अभ्यर्थियों के मुताबिक ऑब्जर्वर ने उनकी शिकायत पर ध्यान देने की बजाय कह दिया कि हंगामा करने वालों पर कार्रवाई हो सकती है. परीक्षा संपन्न होने के बाद बाहर आए अभ्यर्थियों ने परीक्षा कैंसिल किये जाने की मांग की. कहा कि रूम नंबर 9 और 13 में यह मामला हुआ है. अभ्यर्थी ने यह भी बताया कि उसके मोबाइल पर लगभग 6:31 में खोरठा पेपर मोबाइल पर पोस्ट किया था. इसके बाद परीक्षा देने के बाद उसे पेपर को मिले तो वही क्वेश्चन पेपर था, जो परीक्षा में आया था. वहीं, बहुत मंगलवार को सैकड़ों छात्रों ने शहर के विभिन्न जगहों पर आक्रोशित रैली निकालकर परीक्षा का विरोध किया है. वहीं समाजसेवी सह भाजपा नेता हर्ष अजमेर ने भी विरोध करते हुए कहा है कि सरकार छात्रों के भविष्य खिलवाड़ कर रही है. इधर विद्यार्थियों ने भी पेपर लीक मामले को लेकर हंगामा करने की बात कही है.

जेएसएससी परीक्षा में पेपर लीक को लेकर विरोध-प्रदर्शन करते अभ्यर्थी.

नेता प्रतिपक्ष ने किया पोस्ट : इन सब के बीच नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाहरी ने सोशल मीडिया एक्स पर किये अपने पोस्ट में लिखा कि परीक्षा में अनियमितता की सूचना मिली है. लिखा कि पांच लाख से अधिक छात्रों के भविष्य से जुड़ा यह मामल बेहद संवेदशील है. श्री बाउरी ने लिखा कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए और मुख्यमंत्री को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए.

बलात्कार के आरोपी को उम्रकैद की सजा

लातेहार। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय की अदालत ने सत्रवाद 69/ 2020 की सुनवाई करते हुए अभियुक्त वीरेंद्र भुइंया को बलात्कार का दोषी पाया. अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा है कि यह मामला अति गंभीर है. प्रभारी लोक अभियोजक अशोक कुमार दास के अनुसार गत 26 अप्रैल 2020 को सूचिका के बयान पर यह मामला दर्ज किया गया था. सूचिका ने बताया था कि आरोपी वीरेंद्र उसकी बेटी के साथ बलात्कार किया था और गर्भवती होने पर उसे कीटनाशक दवा खिला दी थी, जिससे उसकी बेटी व गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई थी. अदालत ने मामले में भादवि की धारा 376 (2) एन, 314 व 328 के तहत आरोप गठन किया था. अभियोजन की ओर से कुल सात गवाहों को पेश किया गया.

कांग्रेसियों की मांग

जीतने वाले को मिले टिकट

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व सदस्यों की बैठक मंगलवार को जिला कांग्रेस भवन में हुई. बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक व संचालन महानगर अध्यक्ष राजेश चौरसिया ने किया. बैठक में मुक्त रूप से पलामू के पर्यवेक्षक विनय सिन्हा उर्फ दीपू उपस्थित थे. बैठक में आगामी झारखंड विस चुनाव को लेकर चर्चा हुई. पार्टी पदाधिकारी ने एक स्वर में इस बार के चुनाव में जीतने वाले व्यक्ति को टिकट देने की मांग की. पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि सिर्फ चुनाव लड़ने के लिए पार्टी में बने व्यक्ति को चिन्हित किया जाए. टिकट वितरण के दौरान यह भी देखा जाए कि मोदी व केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पार्टी जब संघर्ष कर रही थी, तब हल्ला बोल, धरना प्रदर्शन व पदयात्रा कौन-कौन नेता शामिल रहे. मुख्य अतिथि विनय सिन्हा ने कहा कि निश्चित रूप से कार्यकर्ताओं की भावनाओं को प्रदेश नेतृत्व तक रखूंगा. संगठन इस बार ग्रास रूट से विधानसभा के उम्मीदवारों की सूची मांगी है. उसी क्रम में सभी प्रखंडों से भी सूची प्राप्त हो रहा है. यह भी देखा जाएगा कि पार्टी के संघर्ष में कितना योगदान कौन दिया है. बैठक में प्रदेश महासचिव चंद्रशेखर शुक्ला, पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ बिट्टू सिंह, विमला कुमारी, रामाशीष पांडे, लक्ष्मी नारायण तिवारी, सज्जाद खान, ओम प्रकाश अमन, विनोद तिवारी, पूर्णिमा पांडे, शमीम अहमद राइन, सत्यानंद दुबे, शंकर पांडे, जितेंद्र कमलापुरी, सतनारायण तिवारी, सत्येंद्र सिंह, नफीस खान, नसीम खान, रिजवान खान, शैलेश चंद्रवंशी, सुधीर चंद्रवंशी, डॉ कृष्णमणि दुबे आदि उपस्थित थे.

28 को चतरा में राजद का सम्मेलन

- राजद के कार्यकर्ता सम्मेलन में जुटेंगे पार्टी के दिग्गज नेता

संवाददाता। रांची

28 सितंबर को चतरा एवं 29 सितंबर को पलामू में राजद का कार्यकर्ता सम्मेलन होगा. कार्यक्रम को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए स्वयं प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव मॉनिटरिंग कर रहे हैं. प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने बताया कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव काफी निकट आ गया है और संभावना है कि चुनाव आयोग द्वारा अगले माह में आदर्श आचार संहिता लागू करी जा सकती है.

राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए 10 अगस्त से ही सभी जिलों में पार्टी नेताओं द्वारा कार्यकर्ताओं के बीच संवाद कार्यक्रम किया जा रहा है. पूर्व तय घोषित कार्यक्रम के तहत 28 को चतरा एवं 29 को पलामू में कार्यकर्ता सम्मेलन होगा. कार्यक्रम में राजद के कई बड़े राष्ट्रीय नेता मौजूद रहेंगे. इनमें झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, विधान परिषद सह राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, राष्ट्रीय महासचिव भोला प्रसाद यादव, जहानाबाद सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव, औरंगाबाद सांसद अवधेश कुशवाहा, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव, प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री सुरेश पासवान समेत प्रदेश संगठन के अनेक नेता शामिल होंगे.

चुनावी मुहिम में संकल्प के साथ जुटने का निर्देश: कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित सभी मुख्य नेताओं द्वारा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एवं बिहार में नेता विपक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के संदेश को बताया जायेगा. पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को चुनावी मुहिम में संकल्प के साथ जुटने के साथ जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये जाएंगे.

समाहरणालय में धरने पर बैठा पूरा परिवार

संवाददाता। लातेहार

मगलवार को समाहरणालय में उस समय असमंजस की स्थिति हो गई, जब बरवाडीह प्रखंड के बेतला ग्राम निवासी राजेश्वर मिस्त्री अपने पूरे परिवार के साथ समाहरणायल के मुख्य द्वार पर धरना पर बैठ गये.

तैनात महिला पुलिस कर्मियों ने धरने पर बैठे परिवार को हटने की बात कही तो पूरा परिवार उपायुक्त से मिलने की मांग पर अड़ गया. राजेशवर मिस्त्री ने बताया कि उनके पिता स्व तपेशवर मिस्त्री के द्वारा निबंधित केवाला संख्या 345 के माध्यम से 28 जनवरी 1957 मे बाबू तुलसी सिंह व बाबू जंग बहादुर सिंह से बेतला गांव मे पुराना खाता और

मांग पत्र दिखाता धरने पर बैठा परिवार.

प्लॉट संख्या कुल तीन एकड़ 38 डिसमिल जमीन क्रय किया था. जमीन खरीदने के बाद जमीन पर कब्जा कर लिया गया. आगे बताया कि पिता की मृत्यु के बाद उस जमीन के कुछ हिस्सो में मकान बनाकर सब परिवार रहने लगे.

पिता की खरीदगी जमीन का अभी नया सर्वे में खाता प्लॉट संख्या बदल गया, जिसके खतियान मे स्व तपेशवर मिस्त्री एवं कृष्णा मिस्त्री का दर्ज हो गया. आगे बताया कि कृष्णा मिस्त्री का पुत्र राजदेव विश्कर्मा के उनकी जमीन का गलत वंशावली बनाकर पोखरी निवासी हेसामुल अंसारी पिता मुमताज अली के नाम पर बेच दिया गया. जबकि हेसामुल अंसारी के द्वारा म्यूटेशन कराने के दौरान उनके द्वारा बार-बार आपत्ति देने के बाद भी बरवाडीह अंचल कार्यालय ने एक पक्षीय कार्रवाई कर दी है. आगे बताया कि पहले भी उपायुक्त को इस मामले मे आवेदन दिया था. लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नही हुई है. उन्होंने कहा कि इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो पूरे परिवार के साथ सड़क पर उतर कर आंदोलन करेंगे.

अनुसंधान | झारखंड में भ्रष्टाचार की जड़ें हुईं बहुत गहरी, एक के बाद एक मामले आते रहे सामने

हाईकोर्ट के आदेश पर पांच बड़े मामलों को टेकओवर कर जांच कर रही सीबीआई

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई पांच बड़े मामलों को टेकओवर कर जांच कर रही है. सीबीआई ने इन पांच बड़े मामलों की जांच फरवरी 2021 से 24 सितंबर 2024 (साढ़े तीन साल) के बीच टेकओवर किया है. हालांकि विधानसभा नियुक्ति घोटाला मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने 23 सितंबर को सीबीआई जांच का आदेश दिया है. ऐसे में सीबीआई आने वाले कुछ दिनों में इस मामले को भी टेकओवर कर जांच शुरू करेगी.

साढ़े तीन साल में पांच बड़े मामलों की जांच शुरू

झारखंड हाईकोर्ट ने सितंबर 2021 को साहिबगंज की महिला थाना प्रभारी रूपा तिर्की की मौत की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया था. मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह रेयरेस्ट ऑफ दे रेयर और सीबीआई के लिए फिट केस है. कोर्ट ने तुरंत केस को सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था. बता दें कि 3 मई 2021 को रूपा तिर्की का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला था.

- रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में 25 जुलाई 2016 को डीपीएस के छात्र अंतरिक्ष शनिग्रहि की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गयी थी. हाईकोर्ट के आदेश के बाद फरवरी 2021 में सीबीआई की पटना शाखा ने अरगोड़ा थाना में दर्ज केस को टेकओवर किया था.

- हाईकोर्ट ने सात जुलाई 2022 को राजधानी रांची के सफायर स्कूल में छात्र विनय महतो की हत्या की जांच सीबीआई को करने का आदेश दिया था. झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने आदेश दे दिया था. कोर्ट ने आठ माह के भीतर जांच की रिपोर्ट सौंपने को कहा था. बता दें कि 2016 में छात्र विनय का शव स्कूल के टीचर्स हॉस्टल में खून से लथपथ मिला था.
- अवैध खनन केस में ईडी के गवाह और साहिबगंज के रहने वाले विजय हांसदा की जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी. सुनवाई के बाद अदालत ने 18 अगस्त 2023 को साहिबगंज के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र स्थित निम्बू पहाड़ समेत अन्य इलाकों में हुए अवैध खनन की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया है. हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि इस मामले की जांच सीबीआई करे.
- झारखंड हाईकोर्ट ने 23 सितंबर को विधानसभा नियुक्ति घोटाले की सीबीआई जांच के आदेश दिये हैं. एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया. कोर्ट ने इस मामले को सीबीआई जांच के लिए पूरी तरह फिट बताया. साथ ही इससे जुड़े सभी दस्तावेज केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपने का निर्देश भी दिया.

सांसद खेल महोत्सव के तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

संवाददाता। रामगढ़

नया नगर बरकाकाना सीसीएल ग्राउंड में सांसद खेल महोत्सव के तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष कुश श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुआ. अतिथि के रूप में जिला महामंत्री विजय जायसवाल ,युवा नेता राजीव जायसवाल ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश प्रसाद, जिला मंत्री दिलीप सिंह ,अनमोल सिंह, जिला मीडिया प्रभारी भीम सैन चौहान, सोशल मीडिया प्रभारी संतोष शर्मा जी, महिला नेत्री रूप देवी, रामगढ़ ग्रामीण मंडल के महामंत्री ललन सिंह की वार्ड पार्षद उपस्थित थे. टूर्नामेंट

में 18 टीमों ने भाग लिया. खेल का फाइनल मैच 29 सितंबर को किया जाएगा. इसमें हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा उनको ट्रॉफी दी जाएगी. टूर्नामेंट में अजीत गुप्ता,बिनोद सोनी,धीरज, अमित बेदिया, आकाश सिंह, अमृत, गोपाल , बदल, विक्की महतो, बबलू, धनंजय, बृज किशोर, मुन्ना महतो, रिकी, शिवम कुमार, अभिषेक महतो, किशलय सिंह, वासु आदि लोग सहयोग कर रहे हैं.

बच्चों की अस्मिता के पक्ष में

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए साफ कर दिया कि बच्चों से जुड़ी अश्लील फिल्मों को डाउनलोड करना, स्टोर करना, देखना व प्रसारित करना पॉक्सो व आईटी एक्ट के अंतर्गत अपराध है. मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच के सदस्यों न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला व न्यायमूर्ति मनोज मिश्र ने देश को साफ संदेश दे दिया कि बच्चों पर बने अश्लील कंटेंट की स्टोरेज करना, डिलीट न करना तथा इसकी शिकायत न करना, इस बात का संकेत है कि उसे प्रसारित करने की नीयत से स्टोर किया गया है. साथ ही मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया, जिसमें कहा गया था ऐसे कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना अपराध नहीं है, जब तक कि इसे प्रसारित करने की नीयत न हो. शीर्ष अदालत ने उस फैसले को रद्द करके केस वापस सेशन कोर्ट को भेज दिया. इतना ही नहीं शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द को हटाकर इसकी जगह चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लोएटेटिव एवं एब्यूसिव मैटेरियल शब्द का प्रयोग किया जाए. कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह अध्यादेश लाकर इसमें बदलाव करे. यहां तक कि अदालतें भी इस शब्द का प्रयोग न करें. साथ ही पॉक्सो एक्ट में इस शब्द को लेकर बदलाव किया जाए. कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसले में दलील दी कि नया शब्द ठीक से बताएगा कि यह महज अश्लील सामग्री ही नहीं है, बच्चे के साथ हुई वीभत्स घटना का एक रिकॉर्ड भी है. वह घटना जिसमें बच्चे का यौन शोषण हुआ है. या फिर ऐसे शोषण को वीडियो में दर्शाया गया है. अदालत ने गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि यौन शोषण के बाद पीड़ित बच्चों के वीडियो, फोटोग्राफ और रिकॉर्डिंग के जरिये शोषण की शृंखला आगे चलती है. दुर्भाग्य से यह सामग्री इंटरनेट पर मौजूद रहती है. दरअसल, कोर्ट ने व्याख्या की कि ऐसी सामग्री से बच्चों का निरंतर भयादोहन किया जाता है. यह सामग्री लंबे समय तक बच्चों को नुकसान पहुंचाती है. जब इस तरह की सामग्री प्रसारित की जाती है तो पीड़ित बच्चे की मर्यादा का बार-बार उल्लंघन होता है. मौलिक अधिकारों का हनन होता है. समाज के एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमारी भूमिका ऐसी यौन कुंठित मानसिकता का प्रतिकार करने की होनी चाहिए. यह कृत्य समाज में नैतिक पतन की पराकाष्ठा को भी दर्शाता है. उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष सितंबर माह में केरल हाईकोर्ट ने भी अपने एक फैसले में अश्लील फोटो-वीडियो देखने को अपराध नहीं माना था. लेकिन इसे प्रसारित करने को गैरकानूनी माना था. इसी फैसले के आलोक में मद्रास हाईकोर्ट ने एक आरोपी को अपराधमुक्त किया था. इस फैसले के खिलाफ फरीदाबाद के स्वयं सेवी संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस और बाल अधिकारों के लिये सक्रिय नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित संगठन बचपन बचाओ आंदोलन ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर करके कोर्ट का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर खींचा था.

> दरअसल, कोर्ट ने व्याख्या की कि ऐसी सामग्री से बच्चों का निरंतर भयादोहन किया जाता है. यह सामग्री लंबे समय तक बच्चों को नुकसान पहुंचाती है. जब इस तरह की सामग्री प्रसारित की जाती है तो पीड़ित बच्चे की मर्यादा का बार–बार उल्लंघन होता है. मौलिक अधिकारों का हनन होता है.

सुभाषित

पातितोऽपि कराघातै- रुत्पतत्येव कन्दुकः।
प्रायेण साधुवृत्तानाम- स्थायिन्यो विपत्तयः ॥

हाथ से पटकी हुई गेंद भी भूमि पर गिरने के बाद ऊपर की ओर उठती है, सज्जनों का बुरा समय अधिकतर थोड़े समय के लिए ही होता है. इसलिए यदि समय प्रतिकूल हो जाये तो धैर्य का त्याग नहीं करना चाहिए. कविवर रहीम ने भी कहा है-साईं चुप ह्वै बैठिए देखि दिनन का फेर, जब नीके दिन आइहें बनत न लगिहें देर.

क्योंकि 'राजा' को मूड हो गया!

बीते 15 अगस्त को लाल किले के अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक देश, एक चुनाव' का जिक्र करते हुए कहा था, इसके लिए देश को आगे आना होगा. कैसे? इसके लिए आपने क्या पहल की? उसी भाषण में उनके यह कहने का क्या अर्थ हुआ कि 'सभी राजनीतिक दलों ने अपने विचार रखे हैं' ? कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, सीपीएम और बसपा समेत 15 पार्टियां, यानी सभी प्रमुख विपक्षी दल विरोध में हैं.

• देश-काल

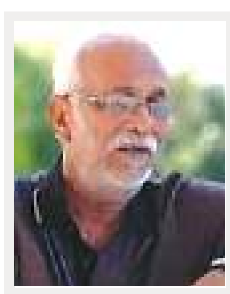

श्रीनिवास

सुनने और सोचने में जितना भी अच्छा लगे, लेकिन लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने का विचार/सुझाव पूरी तरह अव्यावहारिक और अलोकतांत्रिक है. यदि ऐसा किया गया तो इसका मतलब यह होगा कि किसी राज्य की गठबंधन सरकार के किसी घटक के अलग हो जाने या एक दल का बहुमत होने पर भी सत्तारूढ़ दल में टूट हो जाने पर सरकार अल्पमत में आ गयी, तब भी या तो वहां अगले चुनाव तक अल्पमत सरकार शासन करती रहेगी या फिर वहां केंद्रीय शासन लगा दिया जायेगा. क्या यह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुकूल होगा? और यदि केंद्र सरकार ही अल्पमत में आ जाये तो? केंद्र में राष्ट्रपति शासन का कोई प्रावधान तो है नहीं. तो क्या अल्पमत सरकार ही अगले चुनाव तक कायम रहेगी? किसी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करते समय विपक्ष को 'वैकल्पिक सरकार कैसे बनेगी', यह बताना होगा, जैसा तर्क भी बेतुका ही है. मान लीजिये, विपक्षी दलों में ऐसी एकता नहीं है कि वे मिल कर सरकार बना सकें, तब भी क्या एक अल्पमत सरकार का शासन चलता रहेगा? संसद में बिना बहुमत के वह सरकार काम कैसे करेगी? क्या यह प्रावधान कर दिया जायेगा कि सरकार को कोई नया कानून बनाने, बजट पारित कराने के लिए बहुमत की जरूरत ही नहीं है? फिर लोकतंत्र की अहम शर्त 'बहुमत का शासन' का क्या होगा? इसके पक्ष में एक सबसे मजबूत तर्क यह दिया जाता है कि बारबार चुनाव होने से विकास बाधित होता है और लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने से देश तरक्की करता है. भाजपा भी यही कहती है- तो उसे यह भी मानना चाहिए कि आजादी के बाद 20 वर्षों तक देश ने बहुत तरक्की की. इसलिए कि तब पूरे देश में कांग्रेस का एकछत्र शासन था, हर जगह 'डबल इंजन' सरकार थी. बीच अवधि में विधानसभा भंग होने, मिलीजुली सरकार बनने, मध्यावधि चुनाव का खेल तो 1967 में शुरू हुआ. तो भाजपा को कहना चाहिए कि देखिये- एक देश, एक चुनाव होता था, तो देश ने कितनी प्रगति की; और उसके बाद देश कैसे पीछे चला गया. बार-बार चुनाव होने से विकास की गति यदि रुकती है तो सरकार ही दावा करती है कि पिछले 10 वर्षों से देश लगातार आगे बढ़ रहा है- जीडीपी बढ़ गया, हमारी इकोनॉमी इतने लाख करोड़ की हो गयी कि हम विश्व गुरु बनने ही वाले हैं! तो क्या फर्क पड़ा एक साथ चुनाव नहीं होने से, विकास में कहां बाधा आयी?
वैसे भी क्या संविधान निर्माताओं को यह अनुमान नहीं था कि विभिन्न कारणों से कोई सरकार अल्पमत में आ सकती है, विधानसभा या संसद का कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग करने, फिर से चुनाव की स्थिति आ सकती है? तभी तो विधानसभा को भंग करने के प्रावधान किये गये! फिर चुनाव होने तक सम्बद्ध राज्य में केंद्रीय शासन लगाने का. हां, देश बिना सरकार के नहीं चल सकती तो संसद भंग होने की स्थिति में पिछली सरकार, जो भले ही अल्पमत में आ गयी हो, चुनाव होने तक केंद्र मेँ कार्यवाहक सरकार के रूप में काम करती रहती है. मगर किसी राज्य को किसी सनक के कारण दो-तीन साल तक बिना निर्वाचित सरकार के, केंद्र के अधीन रख देना, या अल्पमत सरकार को जारी रखना लोकतंत्र का मजाक ही होगा. बीते 15 अगस्त को लाल किले के अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक देश, एक चुनाव' का जिक्र करते हुए कहा था, इसके लिए देश को आगे आना होगा. कैसे? इसके लिए आपने क्या पहल की? उसी भाषण में उनके यह कहने का क्या अर्थ हुआ कि 'सभी राजनीतिक दलों ने अपने विचार रखे हैं' ? कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, सीपीएम और बसपा समेत 15 पार्टियां, यानी सभी प्रमुख विपक्षी दल विरोध में हैं. जाहिर है, सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए में शामिल दल पक्ष में हैं. मगर विपक्ष की अनदेखी कर इतना बड़ा फैसला करना उचित होगा?
एक जिज्ञासा यह भी है कि जिस समिति ने यह सुझाव दिया है, उसमें कौन लोग थे? विपक्ष के कितने और निर्विवाद रूप से निष्पक्ष और संविधान के जानकार कितने? बताया गया कि समिति ने 62 राजनीतिक दलों से संपर्क कर उनसे राय ली थी. सूचना है कि इन दलों में से 32 ने एक देश, एक चुनाव का समर्थन किया था. 15 पार्टियां इसका विरोध कर रही थी. 15 पार्टियां ने कोई जवाब नहीं दिया था. 15 ने विरोध किया, 15 ने जवाब नहीं दिया, तो समर्थन करनेवाले 32 दल कौन हैं? उनके कितने सांसद हैं? पिछले संसदीय चुनाव में उनको कुल कितने प्रतिशत मत मिले? एक या दो सांसदों वाले दलों को गिन कर 32 बता दिया? यही है देश को साथ और भरोसे मेँ लेकर चलने का तरीका? संसदीय चुनाव में झटका लगने, 'चार सौ पार' की हवा निकलने और 'मोदी की गारंटी' कामयाब नहीं होने के बाद भी मोदी जी यह दिखाना चाह रहे हैं कि कुछ नहीं बदला है! एक साथ चुनाव को कैबिनेट की मंजूरी का एक कारण यह भी लगता है! विधानसभा और संसद पांच वर्ष के लिए गठित होती है. यदि सरकार बहुमत खो दे और वैकल्पिक सरकार बनने की सूरत न हो, तब चुनाव कराये जाते हैं- विधानसभा भंग होने के अधिकतम छह माह के अंदर. अब आप उसे बढ़ा कर दो से तीन वर्ष कर देंगे! उतनी अवधि तक विधानसभा मृत/स्थगित रहेगी, इसलिए कि राजा को मूड हो गया! जैसे नोटबंदी करने का हो गया था! वैसे यह महज मूड की बात नहीं है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

परम गुरुत्व केंद्र की ओर

जीवन के रूप में ऊर्जा स्वतंत्र है कि वह अपने परम गुरुत्व केंद्र की ओर जाए, या इस अनंत अस्तित्व में भटकता रहे. जीवन यानी ऊर्जा को उस अस्तित्व के केंद्र में प्रस्थापित करना. उस ईश्वर में विसर्जित करना ही हमारा अंतिम और एकमेव लक्ष्य है. अब यह प्रज्ञा पर निर्भर करता है, कि इसके लिए वह प्रयास करता है या उस ईश्वर पर, जो दूर चले गये जीवन को अपनी ओर मोड़ता है. अस्तित्व का केंद्र अंततः सभी को वापस अपनी ओर लाएगा, लेकिन इसकी कालसीमा कल्पनातीत होगी. जीवन में जिस प्रकार अपने मूल केंद्र की ओर जाने का आकर्षण और विकर्षण के अवसर आते हैं. ठीक उसी प्रकार अस्तित्व के केंद्र से दूर जाने यानी उत्सर्जन और केंद्र की ओर आने यानी विसर्जन की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है. इस कारण वैज्ञानिक खोज में आता है कि ब्रह्मांड का विस्तार होते जा रहा है. अस्तित्व के केंद्र यानी ईश्वर से दूर जाने के साथ ही ईश्वर की ओर वापस आने की क्रिया शुरू हो जाती है. सृष्टि में ईश्वरीय इच्छा या विचार ही स्थूल रूप धारण किए. इसके बाद विसर्जन शुरू हो गया. अस्तित्व की केंद्रीय शक्ति सबसे पहले पत्थर, खनिज जैसे निष्क्रिय तत्वों में व्यक्त होती है. उन तत्वों से बहुमूल्य रत्न, तैलीय पदार्थ का रूपांतरण उस अस्तित्व के आकर्षण का परिणाम है, जिसमें विजर्सन की क्रिया होती है. ईश्वर की इच्छा इसके बाद पेड़-पौधांे की संवेदनशीलता में क्रियाशील होती है. पशु और पक्षी के जगत में संवेदना के साथ भाव का गुण आता है. इसके बाद मानव में विवेक, चित्त, प्रज्ञा और आंतरिक शक्ति के रूप में अस्तित्व का गुरूत्वाकर्षण बल मिलता है, जो हमारे जीवन यानी ऊर्जा को परम केंद्र की ओर जाने का साधन है. जीवन सदैव विकसित होने और इसके लिए अवसर देने से जुड़ा है. जीवन केवल जानवर, मानव और वनस्पति जगत में ही नहीं होता है. बल्कि यह जीवन निर्जीव लगने वाले पत्थर, खनिज पदार्थों और अदृश्य पदार्थों की काया में भी होता है. ठीक इसी प्रकार मानव भी विकास का अंतिम सोपान नहीं है. मानव की विकास यात्रा लाखों साल से जारी है और यह आगे भी जारी रहेगी. एक मनुष्य की यात्रा इस जगत की कोई साधारण घटना नहीं है.

यौन हिंसा के खिलाफ व्यापक मुहिम जरूरी

• समाज

अविजीत पाठक

एक महीने से अधिक हो चला जब कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना हुई थी. इस किस्म के जघन्य कांड ने , वह भी एक सरकारी मेडिकल कॉलेज के अंदर, कोलकाता शहर या यूं कहें कि संपूर्ण पश्चिम बंगाल को झकझोर कर रख दिया. कोई हैरानी नहीं कि युवा डॉक्टर, छात्र, आम महिला-पुरुष और सांस्कृतिक अभिजात्य वर्ग, इनके स्वतःस्फूर्त सामाजिक आंदोलन ने काफी 'लोकप्रिय' रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हिलाकर रख दिया है. सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और आरोपियों की राजनीतिक पहुंच की कहानियां, प्रशिक्षु डॉक्टरों की सुरक्षा और सम्मान को खतरे का मुद्दा उजागर हुआ. बात जब निष्पक्ष जांच की आई तो राज्य सरकार पर भरोसे की कमी देखी गई. मुख्यमंत्री के लिए इस 'वैधता संकट' से उबरना आसान नहीं होगा.

हमने इस आंदोलन के सकारात्मक पहलुओं पर भी गौर किया है : प्रशिक्षु डॉक्टरों का अपनी समस्याओं के लिए लड़ने पर दृढ़ निश्चयी होकर डटे रहना और विरोध करने का उत्सव सरीखा स्वरूप, जिसमें आम नागरिक सड़कों पर उतर रहे थे, देर रात तक सार्वजनिक स्थानों पर जमे रहकर 'न्याय' के गीत गा रहे थे. इसके अलावा, इस जनांदोलन को मुख्यधारा के राजनीतिक दलों के सीधे प्रभाव से बचाने का प्रयास संभवतः दर्शाता है कि 'राजनीति' विशेषकर, जिस किस्म की पेशेवर राजनेता कर रहे हैं, इसने हमारे वक्त में अपने लिए एक बुरा अर्थ अर्जित कर लिया है.

हालांकि, तथ्य यह भी है कि इस किस्म के आंदोलन ज्यादा लंबा खिंचते नहीं. सीबीआई अपने निष्कर्षों को उजागर करेगी, सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी, राज्य सरकार ने डॉक्टरों से समझौता किया, दोषियों को दंडित किया जाएगा, और कुछ -जिनमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं– अपराधी को मृत्युदंड देने का शोर मचाएंगे. फिर, सब कुछ पहले की भांति 'सामान्य' हो जाएगा! संभवतः, जो युवा डॉक्टर जो आज विरोध कर रहे थे, इनमें कुछ ऐसे होंगे जो 'सांसारिक' चीजों को अधिक प्राथमिकता देना शुरू कर देंगे, और आखिरकार किसी कॉर्पोरेट या निजी अस्पतालों का हिस्सा बनकर अपने अमीर ग्राहकों को एक वस्तु के रूप में 'अच्छा स्वास्थ्य' बेचते नज़र आयेंगे. और कोलकाता की गलियों में मुक्ति के गीत गाने वाला सांस्कृतिक अभिजात्य वर्ग भी अपने अनन्य कार्यक्षेत्रों में वापस रम जाएगा. इस बीच, हम बलात्कार की एक और कहानी के बारे में सुनेंगे मत भूलें कि हमने अपने समाज में यौन हिंसा को लगभग रोजाना की सामान्य घटना बना डाला है.

> सीबीआई अपने निष्कर्षों को उजागर करेगी, सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी, राज्य सरकार ने डॉक्टरों से समझौता किया, दोषियों को दंडित किया जाएगा, और कुछ –जिनमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं– अपराधी को मृत्युदंड देने का शोर मचाएंगे. फिर, सब कुछ पहले की भांति 'सामान्य' हो जाएगा!

वार्षिक राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2022 के बीच, भारत में कुल 1.89 लाख बलात्कार के मामले दर्ज किए गए. लेकिन वर्गों में बंटे और जाति-केंद्रित समाज से पीड़िता की परवाह की आस कौन करे, विशेष तौर पर यदि वह महिला एक वंचित समाज से, कोई घरेलू सहायिका या फिर किसी गुमनाम गांव की स्कूली छात्रा हो. तब कोई सामाजिक आंदोलन नहीं होगा, न ही कोई कोलकाता या दिल्ली की गलियों में लैंगिक न्याय के गीत गाएगा.

वास्तव में यदि हम इस सड़ांध का विरोध और यौन हिंसा के वायरस से यथोचित रूप से मुक्ति हेतु एक समझदार समाज की ओर बढ़ने की कोशिश करना चाहते हैं, तो हमें 'विषाक्त मर्दानगी' नामक विकृति का मुकाबला करने के लिए एक और आंदोलन में हिस्सा लेने की जरूरत होगी- मानसिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक. खैर, हमारे परिवारों में, लड़के इस मान्यता के साथ बड़े होते हैं कि उन्हें दबंग, सख्त और बहादुर होना चाहिए. हालांकि, 'विषाक्त मर्दानगी' का जीवन को पुष्टि देने वाले गुण जैसे कि साहस, आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति से कोई लेना-देना नहीं है. इसके बजाय, यह दूसरों को नुकसान पहुंचाने में परपीड़क आनंद पाने वाली है, जिसमें सहानुभूति और देखभाल नदारद हैं. यह हिंसा का महिमामंडन करती है और यौन आक्रामकता को बढ़ावा देती है. जैसा कि सामाजिक मनोवैज्ञानिक समझाते हैं, यह 'सामाजिक रूप से प्रतिगामी मर्दानगी का स्वरूप' है जिससे ग्रस्त व्यक्ति दूसरे पर हावी होने की ललक, स्त्री-सम्मान का जरा मोलन समझना, समलैंगिकता-विरोध और बेतहाशा हिंसा का चाव रखता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

समय आ गया है कि सेबी साख बचाने की

• सामयिकी

जगदीश रत्तनानी

सेबी की अध्यक्ष सुश्री माधबी पुरी बुच पर आई विपत्ति को समाप्त करने का समय आ गया है. अगर उन्होंने पहले ही अपना इस्तीफा नहीं भेजा है तो समय आ चुका है कि उन्हें सेबी छोड़ने के लिए कह दिया जाए. वास्तव में यह उनके हित में है कि वे पद छोड़ दें और निष्पक्ष जांच का सामना करें, बजाय इसके कि एक महत्वपूर्ण नियामक संस्थान के शीर्ष पर बैठे रह कर खुद को और संस्था को उस तरह से कमजोर होते देखें जितना कमजोर सेबी पहले कभी नहीं रहा है. कुछ ऐसे लोग भी हैं जो उनके आचरण का बचाव कर रहे हैं और आरोपों को राजनीति या निहित स्वार्थों का खेल कह रहे हैं लेकिन वे केवल आधे-अधूरे मन से कह रहे हैं, किंतु मामला इस कदर उजागर हो गया है कि अब इसका किसी प्रकार बचाव करना संभव नहीं हो पाएगा.

हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं जिसने सेबी की वह विश्वास और नैतिक प्रतिष्ठा छीन ली है जो उसके कार्य करने और यहां तक कि सबसे बुनियादी विनियामक कार्यों को पूरा करने के लिए जरूरी है. सेबी अधिनियम, 1992 की प्रस्तावना में इसका चार्टर निर्धारित किया गया हैः ... प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करना एवं प्रतिभूति बाजार के विकास को बढ़ावा देना और विनियमित करना तथा उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए नियामक व्यवस्था बनाना'. मौजूदा परिस्थितियों में यह सेबी से परे का कार्य है. यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि सेबी के अध्यक्ष ने सेबी को घुटनों पर ला दिया है.

यह अप्रासंगिक है कि क्या उनके खिलाफ आरोप साबित होंगे और अंततः वे दोषी पाई जाएंगी या नहीं. पहले से ही ऐसे पर्याप्त सबूत है जो ऐसे सवाल उठाते हैं जिन्हें आसानी से खारिज नहीं किया जा सकेगा. सेबी में आंतरिक विद्रोह से बाहरी दबाव बढ़ रहा है जिसे गंभीरता से लेने के बजाय खेदजनक और हास्यास्पद स्पष्टीकरण के साथ उसका मुकाबला किया जा रहा है. यह एक कथित विषाक्त संस्कृति की ओर इशारा करता है. सेबी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह बताया जाना कि सेबी के श्रेणी क के अधिकारियों को बाहरी तत्वों द्वारा गुमराह किया गया था, सेबी के संपूर्ण कार्यबल का अपमान करना है. अधिकारी निश्चित रूप से जानते हैं कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं. भारतीय प्रणाली कैसे काम करती है इस बात की जानकारी जिन लोगों को है, वे जानते हैं कि शक्तिशाली के खिलाफ बोलने के लिए एकजुट होने के लिए बहुत साहस और चरित्र बल और दृढ़ संकल्पित होने की आवश्यकता होती है. अडानी से संबंधित फंडों और हिंडनबर्ग के आरोपों में उलझी होने के बावजूद सुश्री बुच अछूती हैं क्योंकि वे सत्ताधीशों की करीबी मानी जाती हैं. अधिकारी ऐसे व्यक्ति का विरोध करने में कामयाब रहे हैं तो यह केवल सड़ांध की सीमा का संकेतक है जिसने असहनीय होने के कारण टारगेटेड होने के खतरे के बाद भी अधिकारियों को बोलने के लिए मजबूर किया है. सार्वजनिक क्षेत्र में पदानुक्रमित, शीर्ष-चालित, बॉस की जी हुजूरी करने की संस्कृति में विरोध दुर्लभ है और निजी क्षेत्र में असंतोष जाहिर करना आत्मघातक होता है, लेकिन सेबी एक हाइब्रिड की तरह लगता है जिसने कार्यस्थल पर दोनों तरह की सबसे खराब स्थिति सामने लाई है.

> अडानी से संबंधित फंडों और हिंडनबर्ग के आरोपों में उलझी होने के बावजूद सुश्री बुच अछूती हैं क्योंकि वे सत्ताधीशों की करीबी मानी जाती हैं. अधिकारी ऐसे व्यक्ति का विरोध करने में कामयाब रहे हैं तो यह केवल सड़ांध की सीमा का संकेतक है जिसने असहनीय होने के कारण टारगेटेड होने के खतरे के बाद भी अधिकारियों को बोलने के लिए मजबूर किया है.

राजनीतिक नजरिये से देखें तो यह महत्वपूर्ण है कि भाजपा सुश्री बुच का बचाव करना बंद कर दे और मामले की पूरी जांच के लिए तैयार हो. भाजपा के राजनीतिक रणनीतिकार यह पाएंगे कि हर गुजरते दिन के साथ बुच को पद पर बनाए रखने की राजनीतिक कीमत बढ़ती जा रही है. हालांकि यह एक बहुत छोटा सवाल है कि भाजपा अपनी छवि को खराब कर रही है तथा अपने संकटों का प्रबंधन कर रही है और खुद के द्वारा खड़े किए गए क्रोनिज्म की सड़ांध से नतीजों का जवाब दे रही है. बड़ा सवाल यह है कि आज भारत कहां खड़ा है और इस तरह के नेतृत्व में प्रमुख संस्थानों को कैसे कमजोर किया जा रहा है. यह निर्विवाद है कि राजनीतिक कवर के बिना सुश्री बुच कथित तौर पर इस तरह से काम नहीं कर सकती थीं. यह वही राजनीतिक कवर है जो कुछ प्रमुख पदों पर लोगों की शक्ति को, उनके प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाता है तथा जो साहसिक, अत्यधिक उत्साही और समर्पित होते हैं एवं उनकी अहंकार की भावना को बढ़ावा देता है जिसे हम अंततः देखते हैं कि हर बार कभी न कभी ढह जाता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

युवाओं ने दिलायी शतरंज में भारत को बादशाहत

बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में भारत को दोहरा स्वर्ण एक असाधारण उपलब्धि है. इतिहास में केवल दो अन्य देश यह कमाल कर सके हैं. हालांकि, खेल पर गंभीरता से नजर रखने वालों को कोई हैरानी नहीं हुई. दिमाग के खेल की सबसे सम्मानित टीम प्रतियोगिता के लिए दुनिया के ज्यादातर देश हंगरी की राजधानी पहुंचे हुए थे. भारतीय महिलाओं ने पहली वरीयता और पुरुषों ने दूसरी वरीयता वाली टीम के रूप में शुरुआत की. अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ते समय महिलाओं के अभियान को कुछ झटके लगे, लेकिन पुरुषों ने शुरू से लेकर अंत तक पूरी तरह दबदबा बनाये रखा. पुरुषों ने इतना बढ़िया खेला कि उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों, सर्वोच्च वरीयता प्राप्त अमेरिका, से चार प्वाइंट अधिक हासिल किये. सबसे उल्लेखनीय यह तथ्य है कि भारत को दोहरी विजय नौजवानों के एक समूह ने दिलायी जो भारतीय शतरंज की स्वर्णिम पीढ़ी से ताल्लुक रखता है. शतरंज की बिसात पर भारत के विरोधियों के लिए चिंताजनक बात यह होगी कि ये चैंपियन बस बेहतर होते जायेंगे और अगले एक या दो दशकों तक ओलंपियाड और अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में खेलते रहेंगे. टीम स्वर्ण पदकों के अलावा, भारत ने डी. गुकेश (उम्र 18), अर्जुन एरिगैसी (21), दिव्या देशमुख (18) और वंतिका अग्रवाल (21) के जरिये व्यक्तिगत स्वर्ण भी जीते. भारतीय टीमों में चेन्नई के ग्रैंडमास्टर भाई-बहन आर. प्रज्ञानंदा (19) और आर. वैशाली (23) भी शामिल थे. यह बात भी काबिल-ए-जिक्र है कि शतरंज के इतिहास की सबसे दमदार महिला खिलाड़ियों में से एक, कोनेरू हंपी भारतीय महिला टीम का हिस्सा नहीं थीं.हालांकि, महिलाओं के खेल में भारत की गहराई पुरुषों के आसपास भी नहीं है. ओलंपियाड टीम के बाहर कई संभावनाशील पुरुष खिलाड़ी हैं, जैसे निहाल सरीन और रौनक साधवानी, लेकिन भारतीय महिला शतरंज में ठीक यही स्थिति नहीं है. भारत के शतरंज प्रशासन को इस खेल का प्रचार-प्रसार लड़कियों के बीच ज्यादा आक्रामक ढंग से करने के लिए बुडापेस्ट में अपनी महिलाओं की महान सफलता का इस्तेमाल करने की कोशिश करनी चाहिए. महिला खिलाड़ियों की बेंच को और मजबूत होने की जरूरत है. प्रशासकों को भारत में एलीट टूर्नामेंट भी आयोजित करने होंगे. भारतीय शतरंज के बड़े सितारे शायद ही कभी देश में खेलते हैं, क्योंकि उनके लायक प्रतियोगिताएं ही नहीं हैं. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आभा/विभा/प्रभा/प्रतिभा

हिंदी और संस्कृत जैसी भाषाओं में उपसर्ग की महिमा अद्भुत होती है. यह उपसर्ग आखिर क्या है? संस्कृत या संस्कृत से उत्पन्न भाषाओं में उस शब्द को उपसर्ग कहते हैं, जो किसी शब्द के पहले जुड़ कर उसके अर्थ को विस्तार देता है या उसमें चमत्कार पैदा कर देता है. संस्कृत में कुल 22 उपसर्ग होते हैं- प्र, परा, अप, सम्, अनु, अव, निस्, निर्, दुस्, दुर्, वि, आ(आंग), नि, अधि, अपि, अति, सु, उत्/उद्, अभि, प्रति, परि तथा उप. उपसर्ग लगने से शब्दों के रूप कैसे बदलते हैं, इसके ही उदाहरण हैं शब्द आभा, विभा, प्रभा तथा प्रतिभा. भा शब्द का अर्थ है प्रकाश. इस भा में आ उपसर्ग लगा तो आभा हो गया. वि उपसर्ग लगा तो विभा हो गया. प्र उपसर्ग लगा तो प्रभा हो गया तथा प्रति उपसर्ग लगा तो प्रतिभा हो गया. मूल रूप से इन चारों शब्दों का अर्थ एक ही है यानी चमक, कांति, प्रकाश, दीप्ति, लेकिन विशिष्ट अर्थ चारों शब्दों के भिन्न हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार आभा का विशिष्ट अर्थ है शोभा, लावण्य, प्रतीत, बबूल का पेड़, छाया, सादृश्य. वही प्रभा का विशेष अर्थ सूर्य का बिंब या मंडल तथा काव्य शास्त्र में बारह अक्षरों की वर्णवृत्ति, जिसे मंदाकिनी भी कहा जाता है. विभा का विशिष्ट अर्थ है प्रदीप्ति, किरण, रश्मि, प्रकाश, रोशनी, वह शक्ति या तत्व, जिसके योग से वस्तुओं आदि का रूप आंखों को दिखायी पड़ता है तथा सौंदर्य. अब आते हैं प्रतिभा शब्द पर. इसका विशिष्ट अर्थ भा में उपसर्ग लगने से बननेवाले उन सभी शब्दों से बिल्कुल भिन्न है. इसका विशिष्ट अर्थ है किसी विषय को तत्काल समझ लेनेवाली असाधारण बुद्धि, असाधारण प्रखरतावाली मानसिक शक्ति, बुद्धि, समझ, विलक्षण बौद्धिक शक्ति, लेखक, कवि, कलाकार आदि की वह शक्ति, जिससे वह अनुभव के आधार पर सर्जन करता है, नवोन्मेष शालिनी शक्ति तथा ऊपर या सामने दिखायी देनेवाली आकृति या रूप. इस प्रकार भा शब्द में लगनेवाले उपसर्ग जब शब्द बनाते हैं तो अपना कमाल दिखा ही देते हैं.

नहीं जा सकी मेरी रतनार आंखों की लालिमा

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

तुलसीबाबा कहिन हैं कि मूंदहुं आंख कतहुं कछु नाहीं. सो मैंने झट से अपनी आंखें बंद कर लीं. वैसे भी, मैं ही क्या आप सब भी, जब भी कोई तकलीफ देखते है, आंखें बंद कर ही लेते हैं. कौन पचड़े में पड़े. सोच कर आगे बढ़ जाते हैं. किसी की भी तकलीफ को जान बूझ कर अनदेखा कर देना हम सबकी आदत में शुमार हो गया है. नहीं देखने के कितने ही बहाने होते हैं. कभी वाह्य परिस्थितियां ही इतनी विकट होती हैं कि उन्हें सुधारा ही नहीं जा सकता. ऐसे में उनसे आंखें ही फेर ली जाएं, वह ज्यादा अच्छा है. कभी पुलिस का डर रहता है; कौन चाहेगा कि होम करने चलो और खुद की ही उंगलियां जला लो. झंझट में न पड़ा जाए. यही अच्छा है. पुलिस का क्या है, बचाने वाले को ही फंसा दे. भला इसी में है की आंखें बंद रखो. अच्छी तरह आंखें देखने के बाद डाक्टर अब पर्चा लिखने लगा था. तीन तरह की दवाइयां उसने लिख मारी. एक खाने की और एक आंखों में डालने की. एक रात में सोते समय नींद आने के लिए. खाने की गोली दिन में तीन बार गटकनी थी. आंख में डालने की दवा भी दो-दो बूंद करके दिन में तीन बार ही डालनी थी. दवा खाने और दवा डालने के बीच एक एक घंटे का अंतराल भी ज़रूरी था. मैंने हिसाब लगाया सारा दिन ही, दवा खाते-डालते बीत जाएगा. बीता. लेकिन रात में कम से कम करवटें नहीं बदलने पडीं. नींद की दवा अपना काम करती रही. लेकिन श्वेत, श्याम, रतनार आंखों को सिर्फ रतनार लालिमा ही पसंद आई और वे लाल ही बनी रहीं. यह बहुत कुछ ऐसा ही था कि जैसे गरीबी हटाओ का हर सरकार ने अपनी अपनी तरह से प्रयत्न किया, लेकिन आंखों की लालिमा की तरह वह हटी ही नहीं. आंखें रतनार थीं सो रतनार ही बनी रहीं और गरीबी अपने रंग दिखाती रही. गरीबी का रंग घटने की बजाय और विस्तार पाता गया. तसल्ली ज़रूर दी गई कि गरीबी हट जाएगी, बस, हटने ही वाली है. लेकिन गरीबी टस से मस नहीं हुई. गरीब की जोरू ठहरी. कैसे छोड़ दे उसे. हम रोज़ सुनते हैं, अच्छे दिन आवेंगे, बस आने ही वाले हैं. थोड़ी प्रतीक्षा करें. अब ग़ालिब ने कहा है या नहीं, पता नहीं; लेकिन ग़ालिब का ही नाम लेकर लोग कहते हैं, वस्ल से बेहतर होता है इंतज़ार. सो इंतज़ार किया जा रहा है. इलाज शुरू हो गया है. इंतज़ार कर रहा हूं. उम्मीद है, मेरी आंख के अच्छे दिन आएंगे. और अच्छे दिनों की शायद चिर प्रतीक्षा नहीं करने पड़े.

Her Story

मुझे कुछ कहना है!!

डॉ रजनी शर्मा 'चंदा'

पहली सोलो यात्रा और अपनों की ये बातें

यूं तो मैं अक्सर यात्राएं करती रहती हूं, परंतु अकेली आमतौर पर कहीं नहीं जाती, दूर तो बिल्कुल नहीं अब तक गई थी. कुछ समय पूर्व भारत कीर्ति सम्मान लेने के लिए मुझे दिल्ली अकेले ही जाना था. दिल्ली में सम्मान मिलने के पश्चात मैं अपने सोलो ट्रिप के ड्रीम को पूरा करने के लिए नैनीताल चली गई. वहां अजनबी शहर में अजनबियों के साथ अकेले मैंने नैनीताल में प्रकृति के बीच खूबसूरत वक्त बिताया, वोटिंग का आनंद लिया, साथ ही कई एडवेंचर्स स्थानों विभिन्न राइड्स का लुफ्त उठाया. प्रकृति के खूबसूरत नजारों के बीच स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार किया.

परंतु मेरे लिए है यह घुमक्करी इतनी भी आसान नहीं थी. मेरे कई अपनों ने इसका प्रतिकार भी किया कि औरत होकर अकेले घूमने जाना अच्छी बात नहीं है, अच्छे घर की औरतें अकेले यूं नहीं घूमतीं और भी अन्य बातों की समझाइश. पीठ पीछे की बातें कि जानें अकेली कहां रुकेगी, क्या खायेगी, किसके साथ घूमेगी और क्या जरूरत है अकेले पति-बच्चों को छोड़ कर जाने की. इन सभी बातों की चिंता इन तथाकथित अपनों को खाई जाती है कि कोई औरत बिना अपने परिवार के कैसे बाहर निकल सकती है. कैसे एक स्त्री खुद अपनी खुशी के बारे में सोच सकती है! यहां तक कि कई लोगों को यह चिंता भी खाई जा रही थी कि सोशल मीडिया पर मेरे इतने फोटो जो पोस्ट हो रहे हैं उन्हें खींच कौन रहा है?

सच तो यह है कि बाहर निकलने पर अच्छे लोग मिल ही जाते हैं और बुरी चीजों को समझ कर उनसे संभालना भी व्यक्ति खुद ब खुद सीख जाता है. मुझे यह विश्वास था कि जो बाहर निकलता है, वही इस विस्तृत दुनिया में अपने नजरिए को विकसित कर पाता है. मेरे जीवनसाथी के दिए हौसले ने मेरे प्रथम सोलो ट्रिप को यादगार बना दिया. हालांकि कई परेशानियां भी आईं अकेले सफर में परंतु इससे जूझकर निकलने में ही तो जीवन का असली आनंद है.

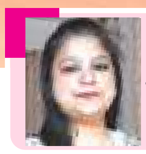

मनवीर कौर आनंद
चाइल्ड काउंसलर, मोटिवेशनल स्पीकर, सक्सेस कोच

मिड टर्म रिजल्ट का मौसम

ग्रेड नहीं प्रोग्रेस महत्वपूर्ण

सूबे के ज्यादातर सीबीएसई स्कूलों में मिड टर्म परीक्षाएं हो चुकी हैं. अब वक्त रिजल्ट का है. ऐसे में कई छात्र चिंतित, निराश हैं. ऐसा महसूस करना स्वाभाविक है, खासकर यदि परिणाम उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं हों. हालांकि, माता-पिता और स्कूलों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे छात्रों को उनकी भावनाओं से निपटने में मदद करें और सीखने के लिए उनका आत्मविश्वास और उत्साह बनाए रखें. आइए, हम चर्चा करें उन रणनीतियों की जिसे अपना कर माता-पिता और स्कूल ऐसे बच्चों का मनोबल बढ़ा सकते हैं.

यह हो सकता परिणाम

खराब रिजल्ट से बच्चे हताश और निराश हो सकते हैं. उनका आत्मविश्वास डगमगा सकता है. इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो सकती है. जिन स्टूडेंट्स ने मेहनत के बावजूद कम नंबर पाया, वे पढ़ाई में इंटरेस्ट छोड़ सकते हैं.

माता-पिता और स्कूलों की भूमिका

मिड टर्म एग्जाम के रिजल्ट से निपटने में छात्रों की मदद करने में माता-पिता और स्कूल महत्वपूर्ण भूमिका है. वे छात्रों के आत्मविश्वास और उत्साह को बनाए रखने में मदद करने के लिए इमोशनल सपोर्ट और गाइडेंस दे सकते हैं. यहां माता-पिता और स्कूलों के लिए अपनाने योग्य कुछ रणनीतियां हैं-

ये करें

1. खूब बातें करें
अपने बच्चे से उनके रिजल्ट पर चर्चा करें और उनकी चिंताओं को सुनें. उन्हें अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें.

2. प्रयास पर ध्यान दें, ग्रेड पर नहीं
ग्रेड के बजाय प्रयास और प्रोग्रेस पर जोर दें. अपने बच्चे को याद दिलाएं कि हर कोई अपनी गति से सीखता है.

3. यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें
बच्चों के लिए जो टार्गेट तय करें, वे ऐसे हों जिसे पाया जा सके. उस टार्गेट को कैसे पाएं, उसके लिए प्लानिंग करने में उनकी मदद करें.

4. छोटी जीत का जश्न मनाएं
अपने बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए छोटी जीत और उपलब्धियों का जश्न मनाएं.

5. आत्म-चिंतन को प्रोत्साहित करें
अपने बच्चे को उनकी ताकत और कमजोरियों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करें, उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां उन्हें सुधार की आवश्यकता है.

6. अतिरिक्त सहायता प्रदान करें
देखें कि किसी विषय में बच्चे को ट्यूशन की जरुरत तो नहीं? यदि हां तो उपलब्ध कराएं. अगर अधिक प्रैक्टिस की दरकार है, तब भी उनकी मदद करें.

ये नहीं करें

1. आलोचना या डांट-फटकार न करें
रिजल्ट को लेकर उसकी आलोचना या डांट-फटकार न करें. इससे अपराधबोध, शर्मिंदगी या लो सेल्फ स्टीम की भावनाएं पैदा हो सकती हैं.

2. दूसरों से तुलना न करें
अपने बच्चे के रिजल्ट की तुलना उसके साथियों से नहीं करें. इससे अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और तनाव पैदा हो सकता है.

3. असफलता पर ध्यान केंद्रित न करें
आपके बच्चे ने क्या गलत किया या वे किसमें असफल हुए, इस पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय इस पर ध्यान दें कि वे क्या सुधार कर सकते हैं.

4. ग्रेड पर अधिक जोर न दें
ग्रेड पर अधिक जोर न दें. अपने बच्चे को याद दिलाएं कि ग्रेड उनकी सीखने की यात्रा का सिर्फ एक पहलू है.

लंबी दिखेंगी आप

अनामिका सिंह
फैशन डिजाइनर

आपकी ड्रेस आपके लुक को परफेक्ट बनाने का माद्दा रखती है. आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगा सकती है. वहीं आपके व्यक्तित्व के छोटे मोटे नुक्स को छिपा भी सकती है. अगर आपकी लंबाई कम है तो ड्रेस चुनाव करते समय कुछ खास बातों का रखें ध्यान...

वेस्टर्न ड्रेस में रखें ध्यान

अगर आपकी हाइट कम है, तो जब भी जींस पहनें लंबी दिखने के लिए हाइ वेस्ट जींस का ही चुनाव करें. इसके साथ ही लॉन्ग लेग्ड जींस, स्ट्रेट जींस और स्किनी जींस में भी कम हाइट वाले लंबे नजर आते हैं. वहीं वेस्टर्न वियर में कोई ढीला या मैक्सी ड्रेस ट्राई न करें. फिटेड आउटफिट्स पहनने से आप लंबी दिखेंगी. स्केटर ड्रेस आपके लिए अच्छा विकल्प है.

साड़ी में क्या चुनें?

यूं तो साड़ी ज्यादातर महिलाओं पर फबती है, लेकिन आपकी हाइट कम है तो शिफॉन या जॉर्जेट फैब्रिक की साड़ी कैरी करें. साड़ी का पल्लू लंबा रखें. ब्लाउज में टर्टल नेक ठीक रहेगा. हमेशा छोटे प्रिंट वाली साड़ी ही पहनें.

सूट के साथ क्या रहेगा परफेक्ट?

त्यौहारों के मौसम में सूट पहनने के कई मौके आएंगे. कम हाइट है तो ध्यान रखें कि कुर्ती के साथ प्लाजो की जगह चूड़ीदार पहनें. कुर्ती भी एलाइन में लॉन्ग पैटर्न वाली आप पर अच्छी लगेगी. गाउन पहनना पसंद है, तो थाई हाइ स्लिट कट गाउन पहनकर लंबी नजर आ सकती हैं. फंक्शन या फिर पार्टी में जा रही हैं, तो साटिन स्लिप ड्रेस कैरी करें.

ये बातें भी काम की

लंबी दिखने के लिए मोनोक्रोमेटिक कलर की ड्रेस पहने. कंट्रास्ट कलर की ड्रेस पहनने पर शरीर के ऊपरी और नीचले भाग की लंबाई जाहिर हो जाती है.

नेकलाइन खुला हो. जैसे वी नेक, ब्रॉड स्कवॉयर नेक या यू नेक. इससे शरीर लंबा दिखेगा.

मैरी कोंडो का नाम सुना है आपने? अगर नहीं तो आज उनके बारे में जानिए. क्या पता, यह छोटी सी जानकारी आपकी जिंदगी बदल दे. खासकर इन दिनों जब त्योहार से पहले अपने घर की साफ-सफाई और मेकओवर की सोच रही हैं, तो मैरी कोंडो की खास तकनीक कोनमारी के बारे में जानना बेहतर होगा.

कोन मारी : जिंदगी में सुकून और सहुलियत लाने का एक जापानी अंदाज

मैरी कोंडो एक जापानी सलाहकार हैं. उन्हें सामान रखने और संयोजन की जापानी तकनीक कोनमारी के नाम से भी जाना जाता है. मैरी ने 2011 में इस तकनीक पर चार किताबें लिखी हैं. इनमें 'द लाइफ चेंजिंग मैथड ऑफ टाइडिंग अप' खासी लोकप्रिय हुई है. इसकी अब तक लाखों प्रतियां बेची जा चुकी हैं. किताब में उन्होंने घर को बेहतर तरीके से मैनेज करने व उसकी साफ-सफाई पर आसान सुझाव साझा किया है. साथ ही सफर के लिए बैग पैकिंग के ऐसे टिप्स सुझाए हैं जिससे कम जगह में ज्यादा सामान बेहतर ढंग से रखा जा सके. मैरी कोन्डो का 'सामानों को पैक करने की कोनमारी मैथड' तकनीक आज बैगपैक की निंजा तकनीक बन गई है. नेटफ्लिक्स पर इस किताब पर वेब सीरीज भी प्रकाशित हुई है. कोंडो की इस तकनीक ने कई लोगों की जिंदगानी बदल दी. बहुत से लोगों के घर में ऐसा बदलाव आया कि जिंदगी पहले से आसान, बेहतर और सुकून भरी हो गई. इस तकनीक ने सफर को सहुलियत भरा बनाया. जेनी अल्बर्टीनी जैसी कुछ महिलाएं महज इन बदलावों तक नहीं ठहरीं, बल्कि कोंडो की तरह ही एक पेशेवर कोनमारी आयोजक बनने के लिए जेनी ने अपनी अमरीकी सरकारी राजनयिक नौकरी छोड़ दी. उन्होंने कोंडो की पुस्तक पढ़ी और खुद कोनमारी व्यवसायी बनने के लिए दिन-रात मेहनत करने लगीं. कुछ वर्कशॉप, कुछ ट्रेनिंग और महज कुछ घंटे की प्रैक्टिस के बाद वह साल 2016 में वाशिंगटन डीसी की पहली प्रमाणित कोनमारी मेथड कंसल्टेंट बन गईं. अब वे लोगों को अपने घर को व्यवस्थित करने में मदद करती हैं. आइए, आज हम कोनमारी तकनीक की कुछ बातों की जानकारी हासिल करें.

- कोनमारी एक तरह से अपने घर से कबाड़ निकालने और घर को कम से कम चीजों में व्यवस्थित करने का एक तरीका है. यह मिनिमलिज्म के कंसेप्ट पर आधारित है. इससे आप अनावश्यक चीजों के उपयोग से बचते हैं. इस बारे में मैरी कोंडो ने अपनी बेस्ट सेलर बुक में लिखा है, "सफाई में सफलता 90 प्रतिशत आपकी मानसिकता पर निर्भर करती है. चीजों को एक जगह पर रख देने से यह भ्रम पैदा होता है कि अव्यवस्था की समस्या हल हो गई है. लेकिन भंडारण इसका समाधान नहीं है. समस्या तब तक बनी रहती है जब तक आपके पास बहुत ज़्यादा सामान है." कोंडो का दावा है कि फालतू सामान को हटाना और कम से कम सामान रखना सफाई और मानसिक सुकून की असली कुंजी है. यकीन मानिए किसी अनाथ आश्रम, किसी वृद्धाश्रम या अन्य जरुरतमंद के ठिकाने इन्हें पहुंचा कर कहीं अधिक खुशी हासिल होगी.
- आमतौर पर हम सामान को हटाने या रखने के लिए उपयोगी-अनुपयोगी के मापदंड पर कसते हैं. लेकिन कोंडो कहती हैं कि घर की कि हमें केवल उन चीजों को रखना चाहिए जो हमें खुश करती हैं.
- अक्सर हम स्थान के अनुसार सफाई करते हैं, जैसे बेडरूम की सफाई, लिविंग रूम की सफाई, बाथरुम की सफाई. लेकिन मैरी कोंडो की सलाह है कि एक बार में एक ही तरह की वस्तु को साफ करें. वह एक खास क्रम की भी सलाह देती हैं- पहले कपड़े, फिर किताबें, कागज़, कोमोनो (विविधता), और अंत में, स्मृति चिन्ह... फालतू सामान को हटा दें.
- अक्सर हम महिलाएं भावुकता में भी कई चीजें संजोए रखती हैं. पुराने पत्र, पुरानी तस्वीरें ही नहीं परिवार वालों, परिचितों, सहेलियों के दिए वे कपड़े और अन्य उपहार भी अलमारी के किसी कोने में संजोए रखती हैं जिनका न तो वर्षों से इस्तेमाल किया है और न आगे करने की कोई संभावना है. मैरी कोंडो कहती हैं कि ये महज भौतिक चीजें हैं, आपकी सहेली या परिजन नहीं. जो उपयोग की नहीं, उन्हें बाहर निकालिए.
- कोंडो यह भी सलाह देती हैं कि सफाई के दौरान या किन चीजों को हटाना है और किन सामान को रखना है, इसके लिए हम अपने परिवार को इसमें शामिल न होने दें. खुद ही सफाई करें. अपने साथी, अपने माता-पिता या अपने बच्चों से सलाह न लें. ऐसा करने से सिर्फ़ चीज़ें उलझेंगी. इसलिए सफाई का काम खुद ही करें.
- बैग पैकिंग के दौरान उनकी सलाह है कि तरल सौंदर्य उत्पादों को टायलेटरीज से अलग रखें. अपने कपड़ों को गोलाई में लपेटें. कोनमारी तकनीकी के अनुसार इस तरह से कपड़े एक-दूसरे में उलझेंगे नहीं और ज्यादा जगह भी मिलेगी.

एचडी मेकअप ट्रेंड में है. सेलेब्स ही नहीं, गली-मोहल्ले की शादियों में भी दुल्हन मेकअप आर्टिस्ट से इसकी डिमांड करती हैं. यह लुक ही नहीं बेहतर बनाता बल्कि तस्वीरें भी इसके बाद अधिक अच्छी आती हैं. स्पंज-ब्रश के इस्तेमाल के खास तरीके और हाई-एंड और लाइट डिफ्यूजिंग कोटिंग से कोटेड प्रोडक्ट से यह मेकअप चेहरे के दाग-धब्बे को छिपाता है. एचडी कैमरे को ध्यान में रखते हुए इस मेकअप को किया जाता है.

ट्रेंड में है एचडी मेकअप

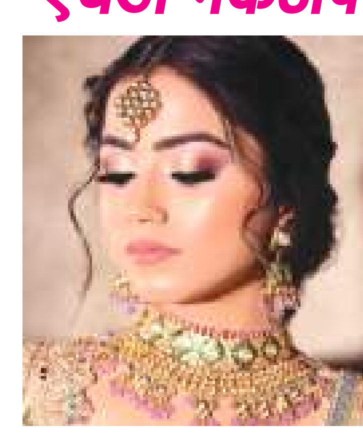

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

एचडी मेकअप यानि हाई डेफिनेशन मेकअप लुक, जिसमें एचडी कैमरे को ध्यान में रखते हुए मेकअप किया जाता है. चेहरे के दाग-धब्बे को छिपा कर बेहतर तस्वीरें दिलाता है. सेलेब्स में यह बहुत पॉपलुर है, वहीं शादी ब्याह के लिए भी एचडी मेकअप की डिमांड है. इंटरनेशनल लेवल पर भी मेकअप आर्टिस्ट एचडी मेकअप ही करते हैं. इससे एकदम नेचुरल, फ्लॉलेस और नॉन क्रेकी लुक आता है.

एचडी मेकअप में चेहरे पर लगाने वाले प्रोडक्ट्स को ब्रश की मदद से ऐसे ब्लैंड किया जाता है. ब्रश और स्पंज की मदद से मेकअप को अच्छी तरह से ब्लैंड किया जाता है. तरीका ऐसा होता है कि आपकी खूबसूरती उभर कर आती है. इस मेकअप में हाई-एंड और लाइट डिफ्यूजिंग कोटिंग से कोटेड प्रोडक्ट उपयोग में लाए जाते हैं. इससे चेहरे पर लाइट नहीं पड़ती. स्मूद, ट्रांसपेरेंट और ब्लेमिश फ्री लुक मिलता है. नेचुरल ग्लो दिखता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भारत-बांग्लादेश के बीच 27 सितंबर से खेला जाएगा दूसरा टेस्ट मैच

कानपुर में कम उछाल के लिए रहिए तैयार

एजेंसी। कानपुर

कानपुर में 27 सितंबर से शुरू होने वाले भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट की पिच के बारे में संक्षेप में कहा जाए तो यह रैंक टर्नर नहीं होगी. चेन्नई की लाल मिट्टी के बजाय यहां काली मिट्टी होगी, उछाल भी ज़्यादा नहीं होगी और गेंद भी अधिक कैरी नहीं करेगी. ऐसा अनुमान है कि चेन्नई में सतह से मिली उछाल की तुलना में ग्रीन पार्क की पिच अधिक सपाट होगी और टेस्ट के आगे बढ़ने के साथ ही उछाल भी कम होती चली जाएगी. चेन्नई की लाल मिट्टी वाली पिच पर नियमित उछाल देखने को मिली थी और इसी वजह से दोनों टीमें तीन तेज गेंदबाज़ों और दो स्पिनर के साथ मैदान में उतरी थीं. भले ही पिच पर अधिक टर्न नहीं मिल रही थी लेकिन स्पिनर्स के लिए उछाल पर्याप्त थी. रवींद्र जडेजा और आर अश्विन ने इसकी मिसाल भी पेश की और बांग्लादेश की दूसरी पारी में दोनों ने मिलकर नौ विकेट चटकाए. कानपुर की पिच के धीमा होने की संभावना को देखते हुए दोनों टीमें अपनी रणनीति और चयन में बदलाव ला सकती हैं. तीसरे तेज गेंदबाज़ की जगह एक अतिरिक्त स्पिनर ले सकता है.

भारतीय टीम में कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से किसी एक की जगह बन सकती है. सोमवार को चेन्नई में बांग्लादेश के चयनकर्ता हन्नान सरकार ने शाकिब अल हसन की चोट के बारे में संशय की स्थिति होने के संकेत दिए. चेन्नई टेस्ट के चौथे दिन बल्लेबाज़ी के दौरान पहले से ही चोटिल बाएं हाथ की उनकी उंगली में चोट लग गई. अगर शाकिब ऑलराउंडर के रूप में खेलते भी हैं तब भी बांग्लादेश अपने एकादश में बाएं हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम को नाहिद राणा की जगह शामिल कर सकता है. मेहमान टीम के पास ऑफ़ स्पिनर नईम हसन के रूप में भी एक विकल्प मौजूद है, हालांकि उनकी जगह तभी बन सकती है अगर शाकिब मैच के लिए अनुपलब्ध हों.

भारत ने पिछली बार कानपुर में 2021 में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ जब टेस्ट खेला था तब भारतीय टीम अश्विन, जडेजा और अक्षर की स्पिन तिकड़ी के साथ मैदान में उतरी थी. तब 2016 के बाद पहली बार इस वेन्यू पर कोई टेस्ट मैच खेला गया था. 2016 में भारतीय टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली थी लेकिन 2021 में न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज़ मैच ड्रॉ कराने में सफल हो गए थे. गेंदबाज़ों को इस पिच पर मशक्कत करनी पड़ सकती है लेकिन पिच से अगर गेंदबाज़ों को अधिक मदद न मिले तब ऐसी स्थिति में बल्लेबाज़ों को बड़ा स्कोर खड़ा करने में अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ सकता है. 2021 में श्रेयस अय्यर ने अपने टेस्ट डेब्यू पर शतक और अर्धशतक लगाया था जबकि टॉम लाथम ने भारत के दो दिग्गज स्पिनर के सामने साहसिक बल्लेबाज़ी का परिचय देते हुए दो अर्धशतक लगाए थे.

भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल.

बांग्लादेश की टीम

नजमुल हसन शान्तो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिट्टन दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद और जाकिर अली अनिक.

तीन स्पिनर्स खेला सकती है टीम इंडिया

चेन्नई में लाल मिट्टी की पिच पर टीम इंडिया तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनर्स के साथ मैदान पर उतरी थी. अब कानपुर में काली मिट्टी की पिच पर टीम इंडिया तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकती है. अब देखना दिलचस्प होगा कि कानपुर टेस्ट के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन कैसी होती है.

कानपुर : ग्रीन पार्क स्टेडियम की पिच पर एक नजर

काली मिट्टी की होगी पिच : ईएसपीएन क्रिक इंफो के मुताबिक, कानपुर में भारत और बांग्लादेश की टीमें काली मिट्टी की पिच पर खेलेंगी. सीरीज का पहला टेस्ट चेन्नई में लाल मिट्टी की पिच पर हुआ था.

फ्लैट होगी पिच : कानपुर टेस्ट में काली मिट्टी वाली पिच स्वाभाव में फ्लैट देखने को मिल सकती है. फ्लैट पिच बल्लेबाजों के लिए आसान होती है.

कम होगा बाउंस : भले ही काली मिट्टी की पिच स्वाभाव में फ्लैट होगी, लेकिन यहां कम बाउंस देखने को मिल सकता है. चेन्नई की लाल मिट्टी वाली पिच पर अच्छा बाउंस देखने को मिला था.

मैच बढ़ने के साथ स्लो होगी पिच : ग्रीन पार्क में काली मिट्टी वाली पिच मैच बढ़ने के साथ स्लो हो सकती है. ऐसे में मैच बढ़ने के साथ स्पिनर्स के लिए मदद बढ़ती चली जाएगी. अगर ऐसा होता है, तो टॉस जीतने वाली टीम पहले बैटिंग करना पसंद करेगी.

कानपुर टेस्ट : रोहित ब्रिगेड तैयार

एजेंसी। नयी दिल्ली

- चेन्नई टेस्ट जीतकर टीम इंडिया का काफिला कानपुर पहुंच चुका है
- विराट, अश्विन और जडेजा बना सकते हैं कई रिकॉर्ड

चेन्नई टेस्ट जीतकर टीम इंडिया का काफिला कानपुर पहुंच चुका है. दो टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ भारत का पलड़ा भारी है. दूसरा मुकाबला 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा. एक तरफ भारत की नजर ये मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी, जबकि मेहमान टीम हर हाल में कानपुर टेस्ट जीतकर सीरीज ड्रॉ कराना चाहेगी. चेपॉक के बाद कानपुर में भी रोहित ब्रिगेड के पास कई बड़े रिकॉर्ड बनाने का मौका है, जिसमें टीम और व्यक्तिगत रिकॉर्ड शामिल है. अगर टीम इंडिया कानपुर टेस्ट अपने नाम करती है, तो वो टेस्ट की चौथी सबसे कामयाब टीम बन सकती है. दरअसल, टीम इंडिया ने अब तक 580 में से 179 मुकाबले जीत लिए हैं, इतने ही टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने भी जीते हैं. कानपुर टेस्ट जीतकर भारत, दक्षिण अफ्रीका से आगे निकल जाएगा. व्यक्तिगत रिकॉर्ड की बात करें तो, कानपुर में महज 35 रन बनाते ही विराट 27 हजार इंटरनेशनल रन बनाने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे. उनके नाम दो रिकॉर्ड और जुड़ सकते हैं. विराट के बल्ले से टेस्ट क्रिकेट में काफी समय से कोई बड़ी पारी नहीं आई है. भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली (फिलहाल 114 टेस्ट में 8,871) 9,000 टेस्ट रन के करीब हैं. हालांकि इसके लिए उन्हें एक एक बड़ी शतकीय पारी खेलनी होगी. साथ ही, विराट कोहली के नाम 114 टेस्ट में 29 सेंचुरी हैं. वे बांग्लादेश के खिलाफ एक भी शतक लगाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सर ब्रैडमैन (52 टेस्ट में 29 शतक) से ज्यादा शतक लगा लेंगे.

इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक के मामले में राहुल द्रविड़ से आगे निकल सकते हैं रोहित शर्मा. द्रविड़ के नाम 48 इंटरनेशनल शतक हैं. जबकि रोहित के नाम भी कुल 48 शतक हैं. अगर वो बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेलते हैं, तो वो द्रविड़ को पीछे छोड़ सकते हैं. कानपुर में 9 विकेट लेकर अश्विन, लायन से आगे निकल सकते हैं. लायन के नाम (129 टेस्ट में 530 विकेट), जबकि अश्विन 101 टेस्ट में 522 विकेट ले चुके हैं. इसके साथ ही अश्विन के निशाने पर और भी कई बड़े रिकॉर्ड होंगे. रवींद्र जडेजा 300 टेस्ट विकेट के करीब. कानपुर में एक और विकेट लेते ही वो टेस्ट में 300 विकेट पूरे कर लेंगे. कानपुर में 27 सितंबर से शुरु होने वाले भारत बांग्लादेश टेस्ट की पिच के बारे में बात करे तो यह दोनों टीमों के लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकती है. चेन्नई की लाल मिट्टी के बजाय यहां काली मिट्टी होगी, उछाल भी ज्यादा नहीं होगी और गेंद भी अधिक कैरी नहीं करेगी. लाल मिट्टी की पिच अन्य पिच की तुलना में कम पानी सोखती है और इसी कारण जल्दी सूखने भी लगती है. यही कारण है कि मैच के तीन से चार सत्र के बाद पिच में बड़ी-बड़ी दरार पैदा हो जाती हैं. इस पिच पर मैच की शुरुआत में तेज गेंदबाजों को काफी उछाल मिलता है. एक समान उछाल के कारण बल्लेबाजों को भी सेट होने के बाद खेलने में आसानी होती है. मगर जैसे-जैसे मिट्टी में दरार आने लगती है वैसे-वैसे स्पिन गेंदबाजों का पलड़ा भारी होता जाता है और खेल बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है. हालांकि काली मिट्टी की पिच में क्ले की मात्रा अधिक होती है, वह पानी को बेहतर तरीके से सोखती है. जिससे पिच अधिक समय तक बिना दरार के बनी रह सकती है. हालांकि इससे असमान उछाल पैदा होता है और बल्लेबाजों को टिकने के लिए समय लेना पड़ता है. खासकर जब ऐसी पिचें टूट जाती हैं तब बल्लेबाजों को काफी दिक्कतें आती हैं.

ब्रीफ खबरें

चैंपियंस ट्रॉफी खिताब पर है राशिद की नजर

चेस्टर-ले-स्ट्रीट (यूके)। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद ने पिछले सप्ताह हेडिंग्ले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में इस फॉर्मेट में 200वां विकेट पूरे किए और अब उनकी नजर विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी खिताब पर हैं. राशिद ने यह भी बात शेयर की कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं. उनके संन्यास को लेकर खबरें तब सामने आई जब मोईन अली ने इस महीने की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की. ईएसपीएनक्रिकइंफो ने राशिद के हवाले से कहा, मैंने अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचा है.

दूसरे टेस्ट से पहले फर्नांडो टीम से बाहर

गॉल। टेस्ट क्रिकेट में लगातार बड़ा उलटफेर कर रही श्रीलंकाई टीम एक बार फिर खिलाड़ियों के चोटों से परेशान नजर आ रही है. न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले तेज गेंदबाज विश्वा फर्नांडो चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं और उनकी जगह ऑफ स्पिनर निशान पीरिस को टीम में शामिल किया है. श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने मंगलवार को यह घोषणा की. फर्नांडो को अभ्यास के दौरान दाहिने हैमस्ट्रिंग में जकड़न महसूस हुई और उन्हें रिहैब के लिए हाई परफॉर्मेंस सेंटर भेज दिया गया है. श्रीलंका क्रिकेट ने मंगलवार को बयान जारी किया.

गैरी कास्पारोव ने 'ऐतिहासिक डबल' पर भारत की प्रशंसा की, कहा-

भारत का दोहरा स्वर्ण पदक जीतना शानदार उपलब्धि है

एजेंसी। नयी दिल्ली

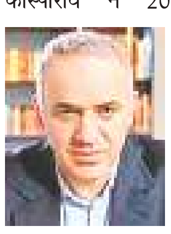

पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन गैरी कास्पारोव ने 2024 शतरंज ओलंपियाड में पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में ऐतिहासिक डबल गोल्ड जीतने के लिए भारतीय टीम की प्रशंसा की. हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल, तानिया सचदेव और अभिजीत कुंटे की महिला टीम ने भी अजरबैजान को 3.5-0.5 से हराकर स्वर्ण पदक जीता. कास्पारोव ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत द्वारा दोहरा स्वर्ण पदक जीतना बहुत ही शानदार उपलब्धि है. विशी के बच्चे बड़े हो गए हैं और शतरंज घर वापस आ रहा है! पोडियम पर दो अमेरिकी झंडे भी ध्यान देने योग्य हैं. उज्बेकिस्तान और कजाकिस्तान को भी इसमें शामिल करें, जहां कोई यूरोपीय झंडा नहीं है.'' प्रग्नानंद आर, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती और हरिकृष्ण पेंटाला की पुरुष टीम ने, जिसके कप्तान श्रीनाथ नारायणन थे, पूरे टूर्नामेंट में 10 मैच जीते और सिर्फ एक ड्रॉ खेला. अंतिम दौर से पहले, वे चीन से 2 अंक आगे थे. अंतिम दौर में, भारत को स्वर्ण पदक जीतने के लिए केवल ड्रॉ की आवश्यकता थी और उम्मीद करनी थी कि चीन अपना मैच न जीते. हालांकि, भारत ने जीत के लिए दबाव बनाना जारी रखा और स्लोवेनिया को 3.5-0.5 से हराया.

महिला टीम ने बहुत अच्छी शुरुआत की, 7 राउंड के बाद वे इवेंट में सबसे आगे चल रही थी, उन्होंने अपने सभी मैच जीते थे. वे राउंड 8 में लड़खड़ा गईं, पोलैंड से हार गईं और फिर टीम यूएसए के साथ ड्रॉ खेला, लेकिन उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया. फाइनल राउंड में जाने से पहले, भारत कजाकिस्तान के साथ पहले स्थान पर था, और पदक की दौड़ अंतिम क्षणों तक जारी रही. हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली आर, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव की टीम, जिसमें कप्तान अभिजीत कुंटे थे, ने शानदार संयम दिखाया और अजरबैजान के खिलाफ फाइनल मैच 3.5-0.5 से जीत लिया. वहीं, कजाकिस्तान ने यूएसए के साथ केवल 2-2 से ड्रॉ खेला, जिससे भारत इस इवेंट का एकमात्र विजेता बन गया.

लक्ष्मी, पोलोसाक विश्व कप के लिए अधिकारियों में शामिल

एजेंसी। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को घोषणा की कि 10 अंपायर और तीन मैच रेफरी 3 से 20 अक्टूबर तक यूएई में बांग्लादेश द्वारा आयोजित आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के नौवें संस्करण में अंपायरिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे. अंपायरों के अनुभवी समूह में क्लेयर पोलोसाक सहित अनुभवी अधिकारी शामिल हैं, जो अपने पांचवें आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अंपायरिंग करेंगी, जबकि किम कॉटन और जैकलीन विलियम्स पिछले फरवरी में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अंतिम चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के बीच केप टाउन में फाइनल की जिम्मेदारी संभालने के बाद अपने चौथे विश्व कप में अंपायरिंग करेंगी.

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैच अधिकारी : मैच रेफरी का आईसीसी एलीट पैनलः शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा. अंपायरों का आईसीसी एलीट पैनलः लॉरेन एगेनबैग, किम कॉटन, सारा डंबनेवाना, अन्ना हैरिस, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, जैकलीन विलियम्स. खुद को 2024 का चैंपियन कहने के अधिकार के लिए दस टीमें दुबई और शारजाह में 18 दिनों में 23 मैच खेलेंगी.

हमें पंत को शांत रखना होगा : पैट कमिंस

एजेंसी। नयी दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस भारत के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की खेल को संभालने की क्षमता को लेकर चिंतित हैं और उन्होंने कहा कि उनकी टीम को आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 26 वर्षीय बल्लेबाज को शांत रखने की जरूरत है. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ 22 नवंबर से शुरू होगी. इस सीरीज़ में भारत और ऑस्ट्रेलिया 22 नवंबर से 7 जनवरी, 2025 तक पर्थ, एडिलेड (गुलाबी गेंद का मैच), ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में खेलेंगे.

भारत पिछले चार लगातार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खिताब बरकरार रखने में सक्षम रहा, जिसमें 2018-19 और 2020-21 में उनकी प्रसिद्ध सीरीज़ जीत शामिल है, जहां पंत ने गाबा में नाबाद 89 रनों की शानदार पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया के 32 साल के अपराजित क्रम को उनके गढ़ में समाप्त करते हुए शानदार जीत हासिल की. दिसंबर 2022 में एक घातक कार दुर्घटना के कारण 637 दिनों के लंबे इंतजार के बाद, पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में शानदार वापसी की, दूसरी पारी में 109 रन बनाए, जिससे भारत को चेन्नई में 280 रनों की जीत हासिल करने में मदद मिली. कमिंस ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, देखिए, मुझे लगता है कि हर टीम में एक या दो ऐसे खिलाड़ी होते हैं जो खेल को आगे बढ़ा सकते हैं. आप जानते हैं, हमारे पास ट्रैविस हेड और मिच मार्श जैसे खिलाड़ी हैं. मुझे लगता है कि इन खिलाड़ियों के साथ, आप जानते हैं कि वे आक्रामक होने जा रहे हैं.

मुझे टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलने का कोई अफसोस नहीं: धवल कुलकर्णी

जोधपुर। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी ने कहा कि उन्हें देश के लिए टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलने का कोई अफसोस नहीं है और वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए अपने पांच रणजी ट्रॉफी खिताब से संतुष्ट हैं. कुलकर्णी, जिन्होंने 2014 में बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए पदार्पण किया था, ने देश के लिए 12 वनडे मैच और दो टी20 मैच खेले, जिसमें उन्होंने कुल 22 विकेट लिए. 35 वर्षीय तेज गेंदबाज को अपने प्रभावशाली घरेलू करियर के बावजूद कभी भी टेस्ट क्रिकेट में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिला.

इटली के खिताब की रक्षा की अगुआई करेंगे सिनर

स्पेन की टीम में नडाल, अल्काराज शामिल

एजेंसी। मैड्रिड

स्पेन ने नवंबर में मलागा में खेले जाने वाले डेविस कप फाइनल्स के लिए राफेल नडाल और कार्लोस अल्काराज़ को अपनी टीम में शामिल किया है, जिससे हाल ही में पेरिस ओलंपिक से उनकी युगल साझेदारी को नवीनीकृत करने की संभावना बनी हुई है. स्पेन 19-24 नवंबर को मलागा, स्पेन में आठ टीमों के आयोजन डेविस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल दौर में नीदरलैंड से भिड़ेगा. 2024 डेविस कप खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले आठ देशों ने फाइनल 8 के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी है, जिसमें खेल के कुछ सबसे बड़े सितारे 2024 विश्व चैंपियन बनने के अधिकार के लिए संघर्ष करने को तैयार हैं. जबकि विश्व नंबर 1 जानिक सिनर एक इतालवी टीम का नेतृत्व करेंगे, जो 2012-13 में चेक गणराज्य के बाद से अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाला पहला देश बनने का लक्ष्य रख रही है, और सारा ध्यान नडाल और अल्काराज के साथ स्पेन पर होगा. 38 वर्षीय नडाल, जो 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं, एकल के दूसरे दौर में चिर प्रतिद्वंद्वी नोवाक जोकोविच से हार गए थे, जबकि पुरुष युगल में, वह और अल्काराज क्वार्टर फाइनल में अमेरिकी ऑस्टिन क्राइजेक और राजीव राम से हार गए थे. नडाल ने पेरिस ओलंपिक के बाद से नहीं खेला है क्योंकि उन्होंने यूएस ओपन और लेवर कप से नाम वापस ले लिया था. वे स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे जिससे उन्हें सीजन में सीमित आयोजनों में ही खेलना पड़ा है. अल्काराज ने सीजन के चार ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो फ्रेंच ओपन और विम्बलडन जीते हैं. इटली के क्वार्टरफाइनल प्रतिद्वंद्वी अर्जेंटीना भी पूरी ताकत से खेल रहे हैं, जिसमें सेबस्टियन बाएज़, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और टॉमस मार्टिन एटचेवरी सभी कप्तान गुइलेर्मो कोरिया को एकल मैचों में कई विकल्प प्रदान कर रहे हैं.

डेविस कप इतिहास के दो सबसे सफल देश, यूएसए और ऑस्ट्रेलिया, आमने-सामने होंगे. अमेरिकी मैलागा में तीन शीर्ष 20 एकल खिलाड़ियों को मैदान में उतारेंगे - यूएस ओपन उपविजेता टेलर फ्रिट्ज़, टॉमी पॉल और बेन शेल्टन के साथ - जबकि ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व मॉन्ट्रियल चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन करेंगे. ड्रॉ के निचले हिस्से में जर्मनी का मुकाबला कनाडा से होगा. चौथे डेविस कप खिताब के लिए जर्मनों की खोज का नेतृत्व जान-लेनार्ड स्ट्रफ करेंगे, जबकि कनाडा ने उसी टीम का चयन किया है जिसने 2022 का खिताब जीता था, जिसमें फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और डेनिस शापोवालोव सबसे आगे हैं. स्पेन, जिसने अपनी टीम में रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत, पाब्लो कारेनो बुस्टा और मार्सेलो ग्रैनोलर्स जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को भी शामिल किया है, क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगा, जिसमें डच टीम का नेतृत्व टैलोन ग्रिएक्सपुर और बोटिक वैन डे ज़ैंड्सचुल्प करेंगे - जिनमें से बाद वाले ने इस साल यूएस ओपन में अल्काराज़ के खिलाफ जीत हासिल की थी. डेविस कप क्वार्टर फाइनल 19-21 नवंबर को होंगे, जबकि सेमीफाइनल 22-23 नवंबर को और फाइनल 24 नवंबर को खेला जाएगा.

सराहनीय | भारतीय बैडमिंटन संघ और असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने की घोषणा

पदक विजेता पैरा-शटलरों को 50 लाख की इनाम राशि मिलेगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) के अध्यक्ष और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की कि बाई पेरिस पैरालंपिक 2024 के पदक विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए 50 लाख रुपये के संयुक्त पुरस्कार से सम्मानित करेगा, जिन्होंने इतिहास रच दिया. भारत ने पेरिस पैरालंपिक में पांच पदक जीते - एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य - जो पैरालंपिक खेलों के किसी भी संस्करण में उनका सबसे अधिक है और हाल ही में पेरिस में संपन्न कार्यक्रम में पहली बार महिलाओं की स्पर्धाओं में पोडियम हासिल किया.

नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल3 श्रेणी में प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीता, जबकि सुहास यतिराज (पुरुष एकल एसएल4) ने पेरिस में दोहराई जीत के साथ टोक्यो से अपने रजत पदक में इजाफा किया. थुलसिमथि मुरुगेसन, मनीषा रामदास और नित्या श्री सिवन ने पैरालंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शटलर बनकर इतिहास रच दिया. थुलसिमथि ने महिला एकल एसयू5 में रजत और मनीषा ने कांस्य पदक जीता. इस बीच, नित्या ने एसएच6 श्रेणी में कांस्य पदक जीता. स्वर्ण पदक विजेता नितेश को 15 लाख रुपये, रजत पदक विजेता सुहास और थुलसिमथि को 10-10 लाख रुपये और कांस्य पदक विजेता मनीषा और नित्या को 7.5-7.5 लाख रुपये मिलेंगे.

भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के ऐतिहासिक अभियान पर टिप्पणी करते हुए, बाई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी विश्व मंच पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और नकद पुरस्कार बाई के लिए पैरालंपिक में देश को पदक जीतने में मदद करने के उनके प्रयासों को मान्यता देने का एक तरीका है. उन्होंने कहा, बाई देश भर में पैरा-बैडमिंटन को विकसित करने और बढ़ावा देने तथा इन खिलाड़ियों को और अधिक सफलता हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है और पैरा-बैडमिंटन को विकसित करने के लिए कई और पहल की जा रही हैं. खिलाड़ियों के व्यस्त टूर्नामेंट शेड्यूल को देखते हुए, बाई इन खिलाड़ियों को बधाई देने और निरंतर विकास के लिए उनकी आवश्यकताओं को समझने के लिए उनके साथ एक वर्चुअल इंटरेक्शन सेशन भी आयोजित करेगा.

▼ ब्रीफ खबरें

गांजा तस्करी मामले में दस-दस साल की सजा

अररिया । अररिया के जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने दो साल पहले गांजा तस्करी के मामले में दो तस्करों को दोषी करार देते हुए दस दस साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई. साथ ही कोर्ट ने जुर्माने के तौर पर एक लाख रूपये जमा करने का आदेश दिया. जुर्माना की राशि जमा नहीं करने पर दोनों दोषियों को तीन तीन माह की अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतने का निर्देश भी अपने फैसले में दिया. विशेष एनडीपीएस वाद संख्या न-18/2022 में जिला जज ने यह सजा मंगलवार को सुनाई.

कार से 73 किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

डेहरी आन सोन । डेहरी नगर थाना क्षेत्र के पाली रोड के राष्ट्रीय राजमार्ग से एक कार से तस्करी को शहर में लाया जा रहा 73.556 किलो ग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया गया है. एएसपी कोटा किरण कुमार के अनुसार सोमवार देर रात शहर में बिक्री को भारी मात्रा में एक कार से आ रहे गांजा की सूचना एसपी को मिले. उनके निर्देश पर गांजा तस्कर को गिरफ्तारी को ले थानाध्यक्ष शिवेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई. शहर में आने वाले वाहनों को जांच शुरू किया गया. जांच के दौरान ही एक कार को पुलिस ने रोका जिसमें दो लोग सवार थे.

विशेष अभियान में 110 गिरफ्तार, 89 गए जेल

पूर्वी चंपारण । एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बीते 24 घंटे के दौरान चलाये गये विशेष अभियान में 110 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 89 लोगों को जेल भेज दिया गया. सभी गिरफ्तार अपराधियों में चोरी कांड में 04, शराब तस्करी में 18, शराब का सेवन करने में 21, ट्रायल वारंटी 50 व अन्य विविध मामलों के 05 लोग शामिल हैं. इस दौरान पुलिस ने 527.1 लीटर अवैध देशी व 3.5 लीटर विदेशी शराब के साथ एक देशी कट्टा, 1 कारतूस, 12 बाइक, 1 फोन व 36 लीटर डीजल भी बरामद हुआ है.

मंत्री अशोक चौधरी के ट्वीट से बिहार की राजनीति में सनसनी

फिर सीएम हाउस किए गए तलब, बाहर निकल कर बोले-नीतीश कुमार को पिता मानता हूं

चौधरी ने एक्स पर लिखा : चौधरी ने अपनी कविता को 'बढ़ती उम्र में इन्हें छोड़ दीजिए टाइटल दिया है. इसमें उन्होंने लिखा...

लगातार न्यूज नेटवर्क । पटना

बिहार में सत्तारूढ़ जदयू में सबकुछ ठीक नहीं है. यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि जदयू नेता और नीतीश सरकार में मंत्री अशोक चौधरी के एक एक्स पर एक पोस्ट ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया है. अशोक चौधरी ने पहले बढ़ती उम्र का जिक्र कर इशारों में तंज कसा. फिर सीएम हाउस में तलब किए जाने के बाद बाहर निकले, तो तेवर नरम देखने को मिले. चौधरी ने अब नीतीश को मानस पिता बता कर विवाद का पटाक्षेप करने की कोशिश की है. दरअसल, अशोक चौधरी के विवादित बयान चर्चा में रहे हैं. 31 अगस्त को उन्होंने भूमिहारों को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की थी. चौधरी का कहना था कि मैं भूमिहार जाति को अच्छे से जानता हूं. जब लोकसभा चुनाव हुआ, तो इस जाति के लोग नीतीश कुमार का साथ छोड़ कर भाग गए. उनकी इस टिप्पणी पर जदयू ने किनारा कर लिया था. साथ ही उन्हें नसीहत भी दी थी.

एक दो बार समझाने से यदि कोई नहीं समझ रहा है तो सामने वाले को समझाना, छोड़ दीजिए. बच्चे बड़े होने पर वो ख़ुद के निर्णय लेने लगे तो उनके पीछे लगना, छोड़ दीजिए. गिने चुने लोगों से अपने विचार मिलते हैं, यदि एक दो से नहीं मिलते तो उन्हें, छोड़ दीजिए. एक उम्र के बाद कोई आपको न पूछे या कोई पीठ पीछे आपके बारे में गलत कह रहा है तो दिल पर लेना, छोड़ दीजिए. अपने हाथ कुछ नहीं, ये अनुभव आने पर भविष्य की चिंता करना, छोड़ दीजिए. यदि इच्छा और क्षमता में बहुत फर्क पड़ रहा है तो खुद से अपेक्षा करना, छोड़ दीजिए. हर किसी का पद, कद, मद, सब अलग है इसलिए तुलना करना, छोड़ दीजिए. बढ़ती उम्र में जीवन का आनंद लीजिए, रोज जमा खर्च की चिंता करना, छोड़ दीजिए. उम्मीदें होंगी तो सदमे भी बहुत होंगे, यदि सुकून से रहना है तो उम्मीदें करना, छोड़ दीजिए.

सीएम आवास में तलब किए गए अशोक चौधरी : विवादित ट्वीट के बाद मंत्री अशोक चौधरी को सीएम आवास बुलाया गया. सूत्रों के मुताबिक, सीएम नीतीश कुमार ने चौधरी को तलब किया था. दोनों के बीच सीएम आवास में डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई. सीएस हाउस से बाहर आए मंत्री चौधरी का कहना था कि मेरा सोशल मीडिया पोस्ट सामान्य था. मैं नीतीश कुमार के खिलाफ क्यों ट्वीट करूंगा? नीतीश को मैं मानस पिता मानता हूं. जितना प्यार मुझे नीतीश कुमार से मिला, उतना किसी को नहीं मिला होगा. कुछ लोग चाहते हैं कि मैं नीतीश कुमार से दूर हो जाऊं. अपनी-अपनी सोच है. किसी को गिलास आधा खाली दिखता है, किसी को आधा भरा. कौन क्या बोलता है, उससे मुझे फर्क नहीं पड़ता है. मैं पार्टी से नाराज नहीं हूं. हमारा लक्ष्य 2025 का चुनाव है. चौधरी, नीतीश सरकार में ग्रामीण कार्य विभाग में मंत्री हैं.

नीतीश से है जेडीयू की पहचान : नीरज कुमार

वहीं, जदयू के एमएलसी नीरज कुमार ने मंत्री अशोक चौधरी के ट्वीट पर

प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, नीतीश कुमार पर कोई सवाल खड़े नहीं कर सकता है. आज जदयू की पहचान नीतीश की वजह से है. नीतीश क्लाइमेट लीडर हैं. जो भी नीतीश पर सीधा निशाना साधेगा, उसे सीधा जवाब मिलेगा. मुझे अशोक चौधरी की नाराजगी के बारे में कोई जानकारी नहीं है. एक नीतीश कुमार अकेले सब पर भारी हैं.

कुएं से मिली पति-पत्नी की लाश, तीन महीने पहले हुई थी शादी

गया । गया के आमस थाना क्षेत्र के पथरा गांव के मठ टोला में कुएं से पति-पत्नी की लाश मिलने से हड़कंप मच गया. मृतकों की पहचान मठ टोला के रहने वाले 20 वर्षीय मिथिलेश कुमार और उसकी 18 वर्षीय पत्नी प्रियंका कुमारी के रूप में की गई है. घर के पास ही एक कुआं है जिससे दोनों का शव बरामद किया गया है. घटना के पीछे की वजह सामने नहीं आई है. पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. मिथिलेश के पिता ने बताया कि पति-पत्नी खाना खाकर सो गए थे. कब कुएं में गिरे या कूदे इसके बारे में पता नहीं है. उन्होंने कहा कि जब दोनों घर में नहीं दिखे तो खोजबीन की गई. इसके बाद कुएं में उनका शव दिखा. इसके बाद घटना की सूचना आमस थाने की पुलिस को दी गई. पुलिस ने कुएं से पति-पत्नी के शव को बाहर निकलवाया. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा.

पू. चंपारण व मुंगेर में नदी में नहाने के दौरान डूबे छह बच्चे

संवाददाता । पटना

पूर्वी चंपारण जिले के लखौरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव की रहने वाली तीन बहनें जितिया पर्व के मौके पर सोती नदी में नहाने के लिए गई थीं. नहाने के दौरान ही तीनों बहनों के गहरे पानी में चली गईं और डूबने से उनकी मौत हो गई. मृतकों की पहचान शिवपूजन राम की 20 वर्षीय विवाहित पुत्री दीपनी कुमारी, 15 वर्षीय पुत्री मंजू कुमारी और परमानंद बैठा की 18 वर्षीय पुत्री रीमा कुमारी के रूप में हुई हैं. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने इस मामले में फिलहाल कोई बयान नहीं दिया है.

दूसरी घटना मुंगेर की है. यहां गंगा में आए बाढ़ के पानी में बच्चों और युवाओं की मौज-मस्ती भारी पड़ गयी. दो अलग-अलग जगहों पर पानी में तीन लड़के डूब गए. गोताखोर शवों को तलाश रहे हैं लेकिन अबतक सफलता नहीं मिली है. जिले में बरियारपुर प्रखंड के बरियारपुर खड़गपुर मार्ग में साधु बाबा थान के समीप दो छात्रों की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई. मृतकों की पहचान असरगंज माल खानपुर निवासी बब्लू पासवान के 14 वर्षीय बेटा चाहत कुमार और लोहचि नाकी निवासी बालेश्वर पासवान के 14 साल के बेटे मुकुंद कुमार के रूप में हुई है. दोनों दसवीं के छात्र थे. एक अन्य घटनाक्रम में मुंगेर के काशीम बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत सोझी घाट पर दो दोस्त गंगा स्नान कर रहे थे. एक दोस्त किसी तरह जान बचाकर बाहर निकल गया लेकिन दूसरा तेज धार में बह गया. खोजबीन कराई गई लेकिन युवक का कही पता नहीं चला. युवक अपने दोस्त के परिवार के साथ बेगूसराय से मुंगेर पूजा पाठ करने आया था.

नहर में डूबने से बच्चे की मौत

पूर्वी चंपारण । जिले रक्सौल थाना क्षेत्र में गम्हरिया नहर में डूबने से एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई. बताया गया कि मंगलवार को जितिया पर्व को लेकर कुछ महिलाएं नहर में स्नान करने पहुंची थी. इसी दौरान महिलाओं ने एक बच्चा को पानी की धार में बहते देखा और शोर मचाना शुरू किया. जिसके बाद उक्त बच्चे को स्थानीय लोगों द्वारा नहर से निकाला गया. शव देखने से लग रहा था कि अभी हाल में ही बच्चा डूबा है.

नदी में डूबने से युवक की मौत

नालंदा । जिले के दीपनगर थाना अंतर्गत नगवां गांव स्थित नदी में मंगलवार की सुबह डूबने से एक युवक की मौत हो गई. मृत किशोर कि पहचान नगवां गांव निवासी रामनंदन मांझी के बीस वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में की गयी है. घटना की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार की सुबह में युवक जीतिया पर्व को लेकर घर से मां के साथ नहाने के लिए निकला था. जहां नहाने के दौरान पानी की तेज धारा में बह गया.

वज्रपात से नवादा में तीन लोगों की मौत, मचा कोहराम

नवादा । नवादा जिले के रजौली थाने के एकंबा गांव में मंगलवार की शाम हुए वज्रपात से तीन लोगों की मौत हो गई, जिससे गांव में कोहराम मच गया है. ग्रामीणों ने बताया कि तीनों मजदूर खेत में काम कर थे. इसी बीच वर्षा होने लगी. वर्षा से बचने के लिए तीनों लोग एक पेड़ के नीचे छुप गए. कुछ ही देर में कड़क के साथ पेड़ पर वज्रपात हुई, जिससे नीचे खड़े तीनों लोगों की मौत हो गई. इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया.

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 28 सितंबर को आयेंगे बिहार

पटना । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 28 सितंबर को बिहार आ रहे हैं. पटना के पार्टी कार्यालय में वे सांसदों, विधायकों एवं वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे. संयोजक दानिश इकबाल ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष हर राज्य में सदस्यता अभियान को लेकर जा रहे है एवं बैठक कर रहे है. बिहार आने के बाद वे सीधे पार्टी कार्यालय में पहुंचेंगे, जहां वरिष्ठ नेताओं के साथ सदस्यता अभियान पर मंथन करेंगे.

पुलिस में भर्ती होने के लिए दौड़ लगा रहा था युवक

ट्रक ने तीन को कुचला, दो मरे

पटना । रोहतास जिले के बिक्रमगंज-सासाराम मार्ग पर मंगलवार सुबह ट्रक से कुचलकर दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया. यह हादसा संझौली थाना क्षेत्र के सोनी मठिया गांव के पास हुआ. पुलिस के मुताबिक बिक्रमगंज-सासाराम पथ पर पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवक सड़क पर दौड़ लगा रहे थे. उसी दौरान एक अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें कुचल दिया. मृतकों की पहचान पकड़ी राजपुर के निवासी अनिल सिंह के 21 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार और जयराम सिंह के 21 वर्षीय पुत्र सत्येंद्र सिंह के रूप में हुई है. घायल की पहचान 12 वर्षीय प्रिंस कुमार के रूप में हुई है. घायल को बिक्रमगंज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है. दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और आरा-सासाराम मुख्य मार्ग को जाम कर दिया. प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की.

दरभंगा एम्स निर्माण का मामला : उत्तर बिहार को मिलेगी बड़ी सौगात

केंद्र को मिल गई कुल 87.44 एकड़ जमीन

संवाददाता । पटना

दरभंगा जिले में एम्स निर्माण के लिए तेज गति से काम हो रहा है. स्वास्थ्य विभाग ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेशानुसार एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) को जमीन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है. मंगलवार (24 सितंबर) को सचिवालय स्थित विकास भवन सभागार में विभाग ने एम्स निर्माण के लिए शेष बची 37.31 एकड़ जमीन भी हस्तांतरित कर दी. इससे पहले

बिहार सरकार ने 150.13 एकड़ जमीन केंद्र सरकार को हस्तांतरित की थी. अब केंद्र को कुल 187.44 एकड़ जमीन मुहैया करा दी गई है, जिस पर एम्स का निर्माण होना है.

स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव ने मंगलवार को एम्स निदेशक को जमीन के कागजात सौंप दिए. स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि दरभंगा एम्स निर्माण के लिए बिहार सरकार ने 150.13 एकड़ जमीन केंद्र सरकार को पूर्व में हस्तांतरित कर दी गई थी. आज शेष 37.31 एकड़ जमीन और हस्तांतरित हो गई. इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत भी मौजूद थे. मंगल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 2019-20 में दरभंगा में बिहार के दूसरे एम्स की स्वीकृति प्रदान की गई थी.

कारोबार

मनबा फाइनेंस का आईपीओ खुला

नई दिल्ली । मनबा फाइनेंस लिमिटेड का आईपीओ सोमवार को निवेशकों के लिए खुल गया. निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे. कंपनी के शेयर 30 सितंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे. एनएसई पर सोमवार को दोपहर एक बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक मनबा फाइनेंस लिमिटेड के आईपीओ को बोली के पहले दिन पहली शेयर बिक्री को 11.20 गुना सदस्यता मिली.

सेबी बोर्ड की मीटिंग 30 सितंबर को

नई दिल्ली । मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज ऐंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) बोर्ड की बैठक 30 सितंबर को होगी. बैठक में सेबी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच से जुड़े आरोपों पर भी चर्चा हो सकती है. शॉर्ट सेलर फॉर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के माधवी पुरी पर आरोप लगाए जाने के बाद सेबी बोर्ड की यह पहली बैठक हो रही है. हिंडनबर्ग के आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस ने भी अलग-अलग किस्तों में सेबी चेयरपर्सन पर कई आरोप लगाए हैं. ऐसे संकेत मिले हैं कि चेयरपर्सन पर लगाए गए आरोपों पर भी चर्चा हो सकती है.

शपूरजी पलोनजी लाएगा आईपीओ

नयी दिल्ली । शपूरजी पलोनजी समूह के मेगा आईपीओ का इंतजार जल्द समाप्त होने वाला है. समूह की कंपनी एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित आईपीओ अक्टूबर महीने की शुरुआत में खुलने जा रहा है. यह आईपीओ बीते 2 साल का सबसे बड़ा आईपीओ बनने वाला है. ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शपूरजी पलोनजी समूह की इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी का आईपीओ अक्टूबर महीने के पहले सप्ताह में खुलने जा रहा है. यानी अगले सप्ताह आईपीओ में निवेशकों को बोली लगाने का मौका मिलने वाला है. समूह की फ्लैगशिप कंपनी के आईपीओ की गिनती अब तक के सबसे बड़े आईपीओ में होने वाली है.

जारी की रिपोर्ट : चालू वित्त वर्ष में बॉन्ड के जरिए पैसा जुटाने में सरकारी बैंक सबसे आगे रहेंगे

भारतीय बैंक वित्त वर्ष 25 में जारी कर सकते हैं 1.3 लाख करोड़ के बॉन्ड : रिपोर्ट

संवाददाता । मुंबई

भारतीय बैंक वित्त वर्ष 25 में अब तक के सबसे अधिक 1.2 लाख करोड़ से लेकर 1.3 लाख करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी कर सकते हैं. इससे पहले वित्त वर्ष 23 में भारतीय बैंकों ने सबसे अधिक 1.1 लाख करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किये गये थे. मंगलवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी. क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में बॉन्ड के जरिए पैसा जुटाने में सरकारी बैंक सबसे आगे रहेंगे. कुल बॉन्ड में इनकी हिस्सेदारी 82 से 85 प्रतिशत तक हो सकती है. हाल के कुछ महीनों में बैंकों की ओर से बॉन्ड्स के जरिए पैसा जुटाने पर अधिक फोकस किया जा रहा है. हालांकि, उधारी की हिस्सेदारी कुल देनदारियों में कोरोना के पहले के

स्तर के नीचे बनी हुई है.

बैंकों की ओर से वैकल्पिक तरीकों से फंड को जुटाया जा रहा है : सख्त मौद्रिक नीति और क्रेडिट ग्रोथ, डिपॉजिट ग्रोथ से अधिक होने के कारण बैंकों की ओर से वैकल्पिक तरीकों से फंड को जुटाया जा रहा है. वित्त वर्ष 25 की शुरुआत से अब तक बैंकों द्वारा बॉन्ड जारी कर 76,700 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं. इसमें सालाना आधार पर 225 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है. वित्त वर्ष 15 से वित्त वर्ष 22 के बीच सरकारी बैंकों की इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड में हिस्सेदारी न के बराबर थी. आईसीआरए के उपाध्यक्ष और सेक्टर हेड (फाइनेंसियल सेक्टर रेटिंग्स) सचिन सचदेवा ने कहा कि पूंजी की स्थिति में सुधार होना, इन्फ्रास्ट्रक्चर लोन बुक और सख्त फंडिंग स्थिति होने के कारण सरकार बैंकों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 23 से वित्त वर्ष 25 (अब तक) के बीच इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड जारी करने में 77% रही है.

फंड जुटाया जाता रहेगा : सचदेवा ने आगे कहा कि चालू वित्त वर्ष में यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है. वित्त वर्ष 25 में बॉन्ड जारी करने में सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी 82 से 85 प्रतिशत तक पहुंच सकती है. इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को बैंकों की ओर से 30 जून तक 13 से 14 लाख करोड़ रुपये का लोन दिये जाने का अनुमान है. इसमें सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत के करीब है. रिपोर्ट में कहा गया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की ग्रोथ को फंड करने के लिए बैंकों की ओर से इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड के माध्यम से लगातार फंड जुटाया जाता रहेगा.

वार्षिक बैठक में भाग लेने ताशकंद पहुंचीं सीतारमण

ताशकंद/नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए उजबेकिस्तान के ताशकंद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं. वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री एआईआईबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर ताशंकद पहुंचीं. ताशकंद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीतारमण का स्वागत उज्बेकिस्तान में भारत की राजदूत सुश्री स्मिता पंत और उज्बेकिस्तान गणराज्य के निवेश, उद्योग और व्यापार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और आलोक बैंक के निदेशक ने किया. उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 24 से 28 सितंबर, 2024 तक उज्बेकिस्तान की पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं.

सर्राफा बाजार में मंगलवार को उछला सोना, चांदी में भी आई मामूली गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने के भाव में तेजी का रुख है. हालांकि चांदी की कीमत में मंगलवार को

मामूली गिरावट दर्ज की गई है. सोने के भाव में आई तेजी के कारण देश के सभी सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच कर 76,310 रुपये से लेकर 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना भी मंगलवार को 69,960 रुपये से लेकर 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी की कीमत में गिरावट आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है. देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 76,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.

वित्त मंत्रालय ने शुरू की बजट 2025 की तैयारी

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल वाली एनडीए सरकार, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करने की कवायद अक्टूबर 2024 के दूसरे हफ्ते से शुरू करने जा रही है. वित्त मंत्रालय के सेक्रेटरी एक्सपेंडिचर की अध्यक्षता में प्री-बजट मीटिंग के दौर की शुरुआत हो जाएगी. डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स ने एक सर्कुलर के जरिए ये जानकारी दी है. बजट डिविजन के सर्कुलर में लिखा है कि, अक्टूबर 2024 के दूसरे हफ्ते से वित्त मंत्रालय के एक्सपेंडिचर सचिव प्री-बजट मीटिंग्स की अध्यक्षता करेंगे.

एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान 6.8% पर रखा बरकरार

नई दिल्ली । अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है. रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी पर बरकरार रखा है. एजेंसी ने उम्मीद जताई है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) अपनी अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा. रेटिंग एजेंसी ने मंगलवार को जारी एशिया प्रशांत के आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसदी पर बरकरार रखा है.

- एजेंसी का 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान

अभिनेत्री और मॉडल मानुषी छिल्लर मंगलवार को मुंबई हवाईअड्डे पर पहुंचते हुए तस्वीरों के लिए पोज देती हुईं.

बाजार ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला शेयर बाजार

सेंसेक्स 85 हजार व निफ्टी 26 हजार के स्तर तक पहुंचा

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने के बाद मुनाफा वसूली की वजह से सपाट स्तर पर बंद हुआ. मंगलवार के कारोबार की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी. दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया. सेंसेक्स पहली बार 85 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल हुआ. इसी तरह निफ्टी भी पहली बार 26 हजार अंक के ऊपर पहुंच गया. मुनाफा वसूली की वजह से दोनों सूचकांकों ने अपनी बढ़त गंवा दी. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02

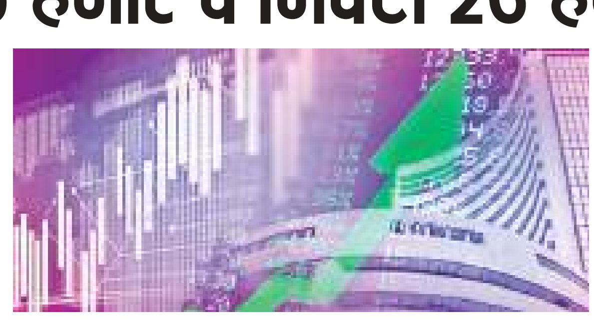

प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए.

मंगलवार दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही. इसी तरह ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस और आईटी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे. दूसरी ओर रियल्टी, एफएमसीजी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा. ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को लगातार उठा पटक होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार के कारोबार का अंत किया. शेयर बाजार में लगातार उतार चढ़ाव होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार के कारोबार के बाद बढ़ कर 476.16 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया. पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 473.03 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 13 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया. दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,076 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 1,932 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,045 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 99 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में 2,477 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 1,168 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,309 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स 67.88 अंक की कमजोरी के साथ 84,860.73 अंक के स्तर पर खुला.

नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मिली मंजूरी

शंख एयर उड़ान भरने को तैयार लखनऊ-नोएडा को हब बनाएगी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की एक और एयरलाइन आसमान में उड़ान भरने के लिए तैयार है. इस एयरलाइन का नाम शंख एयर है. इस नई एयरलाइन को परिचालन के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है. यह उत्तर प्रदेश की पहली विमानन कंपनी होगी, जिसका केंद्र लखनऊ और नोएडा में होगा. हालांकि, आधिकारिक तौर पर उड़ानें शुरू करने से पहले इसको नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मंजूरी लेने की आवश्यकता होगी. कंपनी ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि शंख एयर को परिचालन शुरू करने की अनुमति

मिल गई है. कंपनी के मुताबिक उत्तर प्रदेश की पहली अनुसूचित एयरलाइन बनने जा रही है. शंख एयर लखनऊ और नोएडा को हब बनाएगी. कंपनी की वेबसाइट के अनुसार एयरलाइन का लक्ष्य देशभर के प्रमुख शहरों को जोड़ना है, जो अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों की पेशकश करती है. इसके अलावा कंपनी उच्च मांग और सीमित सीधी उड़ान विकल्पों वाले क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी.

न्यूज अपडेट

जाली नोटों के कारोबार का पर्दाफाश

कुशीनगर। यूपी के कुशीनगर में जाली नोटों के बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है. पुलिस ने गैंग के कथित मास्टरमाइंड मोहम्मद रफीक खान उर्फ बबलू समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है. दर्ज शिकायत के मुताबिक उसने नेपाल, यूपी और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में जाली नोटों का नेटवर्क स्थापित किया था. पुलिस ने 5.62 लाख रुपये के जाली नोट, 1.10 लाख रुपये के असली नोट, तीन हजार नेपाली मुद्रा, 10 देसी तमंचा, 4 सुतली बम, 2 नेपाली सिम और 26 फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं.

पुलवामा हमले के आरोपी की हुई मौत

जम्मू। 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के एक आरोपी की जम्मू शहर के एक सरकारी अस्पताल में मौत हो गई. अधिकारियों ने बताया कि आतंकी हमले के आरोपी बिलाल अहमद कुचाय को किश्तवाड़ जिला जेल में सीने में दर्द की शिकायत के बाद जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था. आरोपी का इलाज कर रहे डॉक्टरों के अनुसार देर रात हृदय गति रुकने से अस्पताल में उसका निधन हो गया. कुचाय पुलवामा जिले के काकापोरा का रहने वाला था.

कांग्रेस नेता रंगा की जुबान फिसली

रेवाड़ी। हरियाणा में बावल विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. एमएल रंगा की जुबान फिसल गई. उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पूरा प्रदेश व पूरा हल्का कांग्रेस की दमनकारी नीतियों से परेशान है. इस दौरान पीछे खड़े व्यक्ति ने जब उन्हें टोका तो पार्टी याद आ गई. रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. एमएल रंगा अभी तक तीन दल बदल चुके हैं. बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव का रण जीतने के लिए राजनीतिक दलों के नेता जोर शोर से चुनाव प्रचार में जुटे हैं.

गणेश विसर्जन के दौरान चाकूबाजी

कोप्पल। कर्नाटक के कोप्पल जिले में गणेश विसर्जन के दौरान दो गुट आपस में भिड़ गए. बहसबाजी से बात चाकूबाजी तक पहुंची और तीन लोग घायल हो गए. घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना रविवार शाम की है, जिसकी गंगावती पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी और पीड़ित दोनों एक ही समुदाय के हैं. यह वारदात व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण हुई है. घटना के बाद एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

लखनऊ में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक नाबालिग छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है. बताया जा रहा है कि दो युवकों ने नाबालिग के साथ घिनौनी करतूत को अंजाम दिया. मामला सरोजनीनगर थाने का है. पता चला है कि नाबालिग छात्रा स्कूल से घर लौट रही थी. तभी कार सवार दो युवकों ने उसे जबरदस्ती गाड़ी में बैठा लिया और जबरन होटल लेकर गए, यहां उसके साथ गैंगरेप किया गया. पीड़िता ने इस संबंध में आरोपी युवक दानिश और अमीन के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई.

जेएंडके में दूसरे चरण का मतदान आज

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार का दौर खत्म हो चुका है. दूसरे चरण में 26 सीटों पर बुधवार को वोट डाले जाएंगे. इन 26 सीटों पर कुल 239 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. 239 उम्मीदवारों में उमर अब्दुल्ला, रवींद्र रैना समेत पांच नेता ऐसे हैं, जिन पर हर किसी की नजर टिकी हुई है. पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बडगाम और गांदरबल सीट से चुनावी मैदान में हैं. साल 1977 से बेलगाम सीट पर मजबूत पकड़ रखने वाले उमर के सामने इस बार 7 उम्मीदवार हैं.

हरियाणा जाएंगी बहन मायावती

जींद। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोरों पर हैं. अभय चौटाला की पार्टी इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन में यहां चुनाव लड़ रही है. चुनावों के मद्देनजर बसपा की अध्यक्ष मायावती बुधवार को हरियाणा जा रही हैं. यहां पहुंचकर वह पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल की जयंती समारोह में भी शामिल होंगी. जींद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) नेता अभय चौटाला ने यह जानकारी दी.

राहुल का पासपोर्ट रद्द करने की मांग

नयी दिल्ली। भाजपा के सांसद सीपी जोशी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का पासपोर्ट रद्द करने की मांग की. उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक चिट्ठी भी लिखी है. सीपी जोशी ने कहा कि राहुल गांधी जैसे किसी व्यक्ति का नेता विपक्ष के पद पर रहना देश की सुरक्षा के लिए खतरा है और उनकी गतिविधियों को देखकर स्पष्ट हो जाता है कि वे देश विरोधी ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं.

विदेश मंत्री जी4 के समकक्षों से मिले

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान जी4 देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की, जिसमें भारत की तरफ से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार के लिए समूह की प्रतिबद्धता को लेकर चर्चा की गई. इन जी4 राष्ट्रों में ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान शामिल हैं. जयशंकर ने कहा कि न्यूयॉर्क में अपने सहकर्मियों एनालेना बेयरबॉक (जर्मनी), योको कामिकावा (जापान) और माउरो विएरा (ब्राजील) के साथ जी4 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होकर प्रसन्नता हुई.

विदेश मंत्रालय ने जताई कड़ी आपत्ति, कहा- अपने नेताओं को 'आपत्तिजनक व अस्वीकार्य' बयान देने से रोके भारत सरकार

अमित शाह के 'बांग्लादेशी घुसपैठिये' वाले बयान पर बिफरा बांग्लादेश

एजेंसियां। ढाका/ नयी दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के झारखंड में बांग्लादेशियों को लेकर दिए बयान पर बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सख़्त आपत्ति जताई है. उसने बयान जारी कर कहा कि झारखंड में भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश के नागरिकों को लेकर जो दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिया, उसका हम सख़्त विरोध करते हैं. ज़िम्मेदार पदों पर बैठे लोगों की ओर से पड़ोसी देशों के नागरिकों पर की गई ऐसी टिप्पणियों से आपसी सम्मान और समझ की भावना कमज़ोर पड़ती है. भारत सरकार अपने नेताओं को ऐसे 'आपत्तिजनक और अस्वीकार्य' बयान देने से बचने के लिए कहे. बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारत के उप-उच्चायुक्त को बुलाकर इस बारे में विरोध पत्र भी दिया.

शाह ने क्या कहा था : बता दें कि इस साल के आख़िर में झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं. 20 सितंबर को झारखंड में एक चुनावी रैली के दौरान अमित शाह ने कहा था कि एक बार झारखंड सरकार बदल दीजिए. मैं आपको वादा करता हूं कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को चुन-चुनकर झारखंड के बाहर भेजने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी. ये हमारी सभ्यता को नष्ट कर रहे हैं. हमारी संपत्ति को हड़प रहे हैं. शाह ने कहा था कि हमारी बेटियों के साथ अलग-अलग प्रकार से नक़ली शादी रचा रहे हैं. हमारे रोज़गार को भी वो लूटने का काम करते हैं. झारखंड के अंदर कोई घुसपैठिए की जगह नहीं, ये बीजेपी की सरकार ही कर सकती है. शाह ने दावा किया कि हमारे झारखंड में जिस प्रकार से घुसपैठ हो रही है, अगर इसी प्रकार से जारी रही तो 25-30 साल में घुसपैठिए यहां बहुमत में आ जाएंगे.

अमेरिका में मोदी और यूनुस के बीच नहीं हुई मुलाकात : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले तीन दिनों से अमेरिका में थे और बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस भी अमेरिका में ही हैं लेकिन दोनों के बीच कोई मुलाक़ात नहीं हुई. हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क कई विश्व नेताओं से मुलाक़ात की लेकिन मोहम्मद यूनुस से नहीं हुई. इसे भी भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में आई तल्खी से जोड़ा जा रहा है. हालांकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सलाहकार तौहिद हुसैन से मुलाक़ात की है. भारत में पाकिस्तान से उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने दावा है कि पीएम मोदी ने मोहम्मद यूनुस से मिलने से इनकार कर दिया और यह बांग्लादेश के लोगों का अपमान है.

बीते कुछ वक़्त में बांग्लादेश और भारत के संबंधों में देखने को मिले हैं बदलाव

बांग्लादेश और भारत के संबंधों में बीते कुछ वक़्त में बदलाव देखने को मिले हैं. 5 अगस्त को शेख़ हसीना को बांग्लादेश की सत्ता छोड़कर भारत आना पड़ा था. इसके बाद बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में अंतरिम सरकार बनी. ख़ालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी का असर भी तुलनात्मक तौर पर बढ़ना शुरू हुआ. शेख़ हसीना की छवि भारत समर्थक की रही है. मगर बीएनपी का रुख़ भारत विरोधी माना जाता रहा है. ऐसे में हाल ही में बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने बीएनपी नेताओं से मुलाक़ात की थी. शेख़ हसीना सरकार गिरने के बाद बीएनपी नेताओं से भारतीय राजनयिकों की ये पहली मुलाक़ात है. बीएनपी नेता फख़रुल इस्लाम आलमगीर ने भारतीय अधिकारियों से मुलाक़ात के बाद कहा था कि भारत बीएनपी के साथ संबंधों को लेकर सकारात्मक नज़रिया अपनाना चाहता है. भारत चाहता है कि भारतीय राजनीतिक दलों के साथ बीएनपी के रिश्ते मज़बूत हों.

इजरायल-हिजबुल्लाह युद्ध से व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष छिड़ने की आशंका

इजरायली हवाई हमलों ने लेबनान में मचाई तबाही

एजेंसियां। यरूशलम/बेरूत/अदन

लेबनान में इजरायल के हवाई हमलों ने भारी तबाही मचाई है. इसमें सोमवार से अब तक 558 लोगों की मौत हुई है, इनमें 50 बच्चे भी शामिल हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक़ इन हमलों में 1800 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं. लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री फ़िरास अबियाद कहा कि इसराइल के हमलों में चार मेडिकल स्टाफ भी मारे गए हैं. शिन्हुआ ने लेबनानी स्वास्थ्य अधिकारियों के हवाले से बताया कि कई पीड़ितों की पहचान अभी भी नहीं हो पाई है. वहीं यमन के हूती विद्रोहियों ने इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष में लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह को अपना समर्थन देने का ऐलान किया है.

इस बीच इसराइली सेना ने कहा है कि लेबनान की ओर से अफ़ुला और उत्तरी इसराइल की घाटियों पर हमले के जवाब में उसने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के और भी कई दर्जन ठिकानों को निशाना बनाया है. इसराइली सेना ने कहा है कि उसके लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए हैं. इसके अलावा उसने इन इलाकों में रॉकेट लॉन्चर भी दागे हैं. लेबनान में इजरायल के व्यापक हवाई हमलों ने इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष को चरम पर पहुंचा दिया है. इससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष छिड़ने की आशंका बढ़ गई है. दुश्मनी बढ़ने का कारण पिछले सप्ताह लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी को निशाना बनाकर किए गए रहस्यमय विस्फोट हैं. इनमें कई लोग मारे गए और हजारों की संख्या में लोग घायल हो गए. इस बीच लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने कहा है कि अब वे संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल होने न्यूयॉर्क जा रहे हैं. पहले मिकाती ने इसराइली हमलों के मद्देनज़र ये यात्रा रद्द कर दी थी.

50 बच्चों समेत लगभग 558 लोगों की मौत, 1800 से अधिक घायल

हसन नसरल्लाह को भी चेतावनी

इससे पहले इजरायल के सैन्य प्रमुख हर्ज़ी हलेवी ने बताया कि इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में लगभग 1,100 टारगेट को निशाना बनाया. बेरूत में इजरायली हवाई हमलों में हिजबुल्लाह के वरिष्ठ कमांडर अली कार्की को निशाना बनाया गया. कार्की को इजरायली मीडिया में हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह का 'अंतिम डिप्टी' के तौर पर संबोधित किया जाता है. बाद में हिजबुल्लाह ने कहा कि वह पूरी तरह स्वस्थ है और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल उत्तर में 'सुरक्षा संतुलन' को बदलने के लिए काम कर रहा है. उन्होंने सोमवार को सुरक्षा आकलन बैठक के दौरान नसरल्लाह को कड़ी चेतावनी भी दी, जिसमें कहा गया कि 'हर कोई निशाने पर है.'

व्यापक विनाश और विस्थापन

इजरायल हमले लेबनान में व्यापक विनाश और विस्थापन का कारण बने हैं. टायर, नबातिह और इकलिम अल-तुफा जैसे शहरों से निवासियों को बेरूत और माउंट लेबनान की ओर भागना पड़ रहा है. इजरायली हमलों के जवाब में, हिजबुल्लाह ने पूरे सोमवार को उत्तरी इजरायल की ओर 180 से अधिक रॉकेट दागे. यह जानकारी इजरायल की सेना दी और कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों ने कुछ रॉकेट्स को रोक दिया, जबकि अन्य इजरायली क्षेत्र में गिरे, जिससे आग लग गई. रेस्क्यू सर्विस के मैगन डेविड एडोम ने बताया कि छर्रे लगने से पांच लोग घायल हो गए. हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने कई इजरायली सैन्य ठिकानों पर बमबारी की. इनमें इजरायली सेना की उत्तरी कोर का रिजर्व मुख्यालय और हाइफा के उत्तर में राफेल के सैन्य-औद्योगिक परिसर शामिल हैं.

हूतियों ने बेरूत को दिया समर्थन, अरब देशों से की 'चुप्पी' तोड़ने की अपील

अदन। यमन के हूती विद्रोहियों ने इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष में लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह को अपना समर्थन देने का ऐलान किया है. शिन्हुआ के अनुसार, हूती प्रवक्ता मोहम्मद अब्दुल-सलाम ने ग्रुप के अल-मसीरा टीवी के पर लेबनान के खिलाफ इजरायल के आक्रमण की निंदा की. उन्होंने कहा कि हम फिर से कहते हैं कि यमन लेबनान और उसके बहादुर इस्लामी प्रतिरोध के साथ खड़ा है. हूती प्रवक्ता ने व्यापक क्षेत्रीय भागीदारी की अपील की. उन्होंने क्षेत्र के अन्य देशों से इजरायली हमलों की निंदा अधिक ऊंचे स्वतर में करने की अपील की. हूती प्रवक्ता ने कहा कि हम अरब और इस्लामी देशों से 'चुप्पी' तोड़ने की अपील करते हैं. इससे पहले शुक्रवार को यमन के हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अतीफी ने एक टेलीविजन संबोधन में कहा था कि हूती ग्रुप इजरायल के खिलाफ अपने हमले जारी रखेगा. उन्होंने कहा कि जब तक गाजा पर आक्रमण बंद नहीं हो जाता, हम नहीं रुकेंगे.

लेबनान-इजरायल संघर्ष : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने तत्काल तनाव कम करने पर दिया जोर

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने लेबनान पर इजरायली बमबारी को लेकर चिंता जाहिर की. वह लेबनानी अधिकारियों की ओर से बच्चों और महिलाओं सहित बड़ी संख्या में नागरिकों के हताहत होने की जानकारी मिलने से बेहद चिंतित हैं. यूएन प्रमुख इजरायल और लेबनान को अलग करने वाले बफर जोन 'ब्लू लाइन' पर बढ़ते तनाव से चिंतित हैं. प्रवक्ता ने कहा कि गुटेरेस ने तत्काल तनाव कम करने की बात कही. कहा कि सभी प्रयास कूटनीतिक समाधान के लिए समर्पित होने चाहिए. उन्होंने सभी पक्षों से नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की. यूएन प्रमुख ने सभी पक्षों को संयुक्त राष्ट्र के कर्मियों और संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है. स्थिरता बहाल करने के लिए तुरंत शत्रुता समाप्त करने की अपील की.

तुर्की ने लेबनान के लिए उड़ानों को किया निलंबित

इस्तांबुल। तुर्की की राष्ट्रीय एयरलाइन 'टर्किश एयरलाइंस' और लो-कॉस्ट एयरलाइन 'पेगासस एयरलाइंस' ने बढ़ते खतरे के कारण लेबनान के लिए अपनी उड़ानें रद्द कर दीं. यह फैसला लेबनान पर इजरायल के हवाई हमलों की वजह से लिया गया. इन हमलों की वजह से बुधवार को बेरूत से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हुईं. वर्तमान में, तुर्की एयरलाइंस की वेबसाइट पर बुधवार के लिए इस्तांबुल से बेरूत के टिकट उपलब्ध नहीं हैं, हालांकि गुरुवार के लिए बुकिंग खुली हुई है. सुरक्षा कारणों से कुछ समय से दोनों एयरलाइनों ने अपने ऑपरेशंस को दिन के समय की उड़ानों तक सीमित कर दिया है. इस बीच, पेगासस ने बेरूत के राफिक हरीरी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आने-जाने वाली उड़ानों में पेजर या रेडियो डिवाइस ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया.

हरिनी अमरसूर्या ने श्रीलंका के पीएम के रूप में ली शपथ

- चंद्रिका और सिरीमावो के बाद प्रधानमंत्री पद संभालने वाली तीसरी महिला बनीं

एजेंसी। कोलंबो

नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सांसद हरिनी अमरसूर्या ने मंगलवार को श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली. पीएम के तौर पर उनकी नियुक्ति श्रीलंका की राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण है. वह चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा और सिरीमावो भंडारनायके के बाद प्रधानमंत्री का पद संभालने वाली तीसरी महिला बन गई हैं. अमरसूर्या एक प्रसिद्ध शिक्षाविद, राइट्स एक्टिविस्ट और यूनिवर्सिटी लेक्चरर हैं. उन्होंने शिक्षा और सामाजिक न्याय के लिए विशेष रूप से काम किया है. इंडियन हाई कमिश्नर ने नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ बैठक के बाद, सोमवार को कोलंबो में अमरसूर्या से भी मुलाकात की. इंडियन हाई कमिशन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि एचसी संतोष झा ने एनपीपी सांसद हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की और राष्ट्रपति चुनाव में अनुरा कुमारा दिसानायके की जीत पर उन्हें बधाई दी. उन्होंने अमरसूर्या को भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय पहलों के बारे में भी जानकारी दी.

दिनेश गुणवर्धने का पीएम पद से इस्तीफा

इससे पहले सोमवार को दिनेश गुणवर्धने ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया. राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके को लिखे पत्र में गुणवर्धने ने कहा कि वह नए राष्ट्रपति के चुनाव के बाद नए मंत्रिमंडल की नियुक्ति के लिए इस्तीफा दे रहे हैं. अनुरा ने सोमवार को श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली. यह पहली बार है जब एक वामपंथी नेता ने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया. चुनाव में पहली बार राष्ट्रपति पद के लिए दूसरी वरीयता के वोटों की गिनती की गई.

जापान में भूकंप के बाद आई 50 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी

एजेंसी। टोक्यो

जापानी मौसम एजेंसी ने कहा कि मंगलवार को 5.9 तीव्रता के भूकंप के बाद टोक्यो के दक्षिण में एक द्वीप पर 50 सेंटीमीटर की सुनामी आई. यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने दी. क्योदो समाचार के अनुसार, जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने भूकंप के तुरंत बाद इजू और ओगासावारा द्वीपों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की थी, लेकिन स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे इसे हटा लिया गया. एजेंसी ने कहा कि सुनामी की गतिविधि पर्याप्त रूप से कम हो गई है. हालांकि, समुद्र के स्तर में मामूली उतार-चढ़ाव लगभग आधे दिन तक जारी रह सकता है.

मौसम एजेंसी के अनुसार, सुबह 8:14 बजे (स्थानीय समय) आए भूकंप का केंद्र इजू द्वीप श्रृंखला में टोरीशिमा के पास था, जो प्रशांत महासागर में लगभग 10 किलोमीटर जमीन के नीच स्थित है. सुबह 8:58 बजे (स्थानीय समय) 50 सेमी की सुनामी हचिजो द्वीप पर दर्ज की गई. यह भूकंप के केंद्र से लगभग 180 किलोमीटर उत्तर में है. मियाके द्वीप पर 10 सेमी की छोटी सुनामी का पता चला. टोक्यो पुलिस के अनुसार, अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है. जेएमए ने शुरू में 1 मीटर तक की सुनामी लहरों की भविष्यवाणी की थी और लोगों को तटीय क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी थी. एजेंसी ने चेतावनी दी कि प्रशांत तट पर अभी भी ज्वार-भाटे में मामूली बदलाव देखे जा सकते हैं, लेकिन सुनामी से संबंधित नुकसान के बारे में कोई चिंता नहीं है. मंगलवार की सुबह जापानी द्वीपों पर आए 5.9 तीव्रता के भूकंप के बाद सुनामी संबंधी परामर्श जारी किया गया था. हालांकि परामर्श हटा लिया गया है, लेकिन एजेंसी संभावित समुद्री स्तर में बदलाव के कारण मछली पकड़ने और तैराकी जैसी गतिविधियों के प्रति चेतावनी जारी कर रही है.

प्रशांत तट पर अभी भी ज्वार-भाटे में बदलाव की चेतावनी

मुलाकात जेलेंस्की ने यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन के लिए मोदी का आभार जताया

रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत के रुख पर दिया जोर

एजेंसी। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति 'स्पष्ट समर्थन' के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की. दोनों नेताओं ने भविष्य के संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन से इतर न्यूयॉर्क में मुलाकात की.

एक्स पर एक पोस्ट में, जेलेंस्की ने लिखा कि यह इस साल हमारी तीसरी द्विपक्षीय बैठक है. हम विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं. जेलेंस्की ने लिखा कि हमारी बातचीत का मुख्य फोकस अंतर्राष्ट्रीय मंचों, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र और जी-20 में हमारी बातचीत को बढ़ाने के साथ-साथ शांति सूत्र को लागू करने और दूसरे शांति शिखर सम्मेलन की तैयारी करने पर था. हमने उपलब्ध अवसरों पर ठोस चर्चा की. संघर्ष को लेकर भारत के कूटनीतिक रुख पर जोर देते हुए जेलेंस्की ने लिखा कि मैं हमारी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति प्रधानमंत्री मोदी के स्पष्ट समर्थन के लिए आभारी हूं.

भारत ने शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्धता दोहराई

पीएम मोदी ने बैठक के दौरान कूटनीति और बातचीत के माध्यम से युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई. विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम मोदी ने भारत के ' 'स्पष्ट, सुसंगत और रचनात्मक' ' दृष्टिकोण पर जोर दिया, जो सभी हितधारकों के बीच जुड़ाव को प्राथमिकता देता है. बैठक के बाद, पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि हम द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती के लिए पिछले महीने यूक्रेन की मेरी यात्रा के परिणामों को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. यूक्रेन में संघर्ष के शीघ्र समाधान, शांति और स्थिरता की बहाली के लिए भारत के समर्थन की बात दोहराई. पीएम मोदी अगस्त में यूक्रेन के दौरे पर गए थे. 1992 में नई दिल्ली-कीव के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यूक्रेन यात्रा थी.

कांग्रेस का मायावती पर हमला

- पवन खेड़ा ने कहा- जो भी पचास फीसदी आरक्षण की सीमा खत्म करने का समर्थक, मैदान में आए
- भाजपा की मुख्य प्रवक्ता हैं मायावती : अजय राय

एजेंसी। नयी दिल्ली

बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर कहा कि राहुल गांधी सिर्फ चुनाव के समय दलित और पिछड़ों का वोट लेना चाहते हैं, और अमेरिका में जाकर कहते हैं कि इसे हटा देंगे. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने मायावती की बात को सिरे से खारिज कर दिया. वहीं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा और बसपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मायावती भाजपा की मुख्य प्रवक्ता हैं. उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "मायावती की इस बात को कौन मानेगा? हम पूरे देश में हर राजनीतिक पार्टी को चुनौती दे रहे हैं कि जो राहुल गांधी ने कहा है कि इस देश से 50 फीसदी आरक्षण की सीमा खत्म हो, कौन सी पार्टी इस मांग से सहमत है. सामने आए. वह हमारा साथ दे, और हमारी इस मांग को मजबूत करे."

बता दें कि मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते होते हुए कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं, बल्कि दोगली एवं छल कपट की है. मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "कांग्रेस व राहुल गांधी की एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं बल्कि दोगली एवं छल कपट की है. अपने देश में इनके वोट के लिए ये आरक्षण का समर्थन व इसे 50 प्रतिशत से ऊपर बढ़ाने की वकालत तथा विदेश में जाकर आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं. इनके इस दोहरे मापदण्ड से लोग सचेत रहें." उन्होंने आगे कहा कि यह भी सच है कि केंद्र में इनकी सरकार ने ओबीसी आरक्षण संबंधी मण्डल कमीशन रिपोर्ट लागू नहीं की थी. साथ ही, बीएसपी के संघर्ष से एससी/एसटी के पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए संसद में लाए गए संविधान संशोधन बिल को भी कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)